दैनिक
सत्ता सुधार
सागर ■ मंगलवार 08 अप्रैल 2025 ■ वर्ष -02 ■ अंक-160 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य- ₹04
जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

इच्छाओं का कभी अंत नहीं होता। अगर आपकी एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी तुरंत जन्म ले लेती है।

देश भर में नई कीमतें आधी रात से लागू

रसोई गैस महंगी...भोपाल में 858.50 रुपए में अब मिलेगा घरेलू सिलेंडर

चंबल अंचल के मुरैना में सबसे महंगा, 1,037 रुपए कीमत

दिल्ली में 853 और हैदराबाद में 905 रुपए का मिलेगा सिलेंडर

सत्ता सुधार ■ भोपाल/नई दिल्ली

आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका लगा है। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गई हैं। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्जवला योजना के तहत मिलने वाले सिलेंडर पर 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी किए जाने का एलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है। नई कीमतें आधी रात से लागू हो जाएंगी। इधर, मप्र की राजधानी भोपाल में 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 858.50 रुपए पहुंच गई है। पहले इसकी कीमत 808.50 रुपए चुकानी पड़ती थी। वहीं मप्र की लाड़ली बहना को 500 रुपए की जगह अब 550 रुपए भुगतान करना पड़ेगा।

मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना को अब देने होंगे 550 रुपए

प्रमुख शहरों में सिलेंडर की कीमत

शहर	पुराने दाम	नए दाम
दिल्ली	803.00	853.00
मुंबई	802.50	852.50
कोलकाता	829.00	879.00
चेन्नई	818.50	868.50
भोपाल	808.50	858.50
जयपुर	806.50	856.50
पटना	901.00	951.00
रायपुर	874.00	924.00
गुड़गांव	811.50	861.50
नोएडा	800.50	850.50
भुवनेश्वर	829.00	879.00
चंडीगढ़	812.50	862.00
हैदराबाद	855.00	905.00

चंबल में सबसे महंगा

इधर, मध्यप्रदेश के चंबल अंचल में घरेलू गैस सिलेंडर सबसे महंगा है। मुरैना जिले में 14 किलो वाला सिलेंडर 987 रुपए में मिल रहा था। जो अब 1,037 रुपए का हो गया है। इसी तरह भिंड में 885 रुपए में मिलने वाला सिलेंडर अब 935 रुपए का हो गया है। ग्वालियर में 886.50 रुपए में मिलने वाला सिलेंडर अब 936.50 रुपए का हो गया है। श्योपुर में 880 रुपए में मिलने वाला सिलेंडर अब 930 रुपए का हो गया है। अचंल के शिवपुरी जिले में 882 वाला सिलेंडर अब 932 रुपए में मिलेगा और दतिया में 882.50 की जगह 932.50 रुपए में मिलेगा।

उज्जवला का 553 रुपए में सिलेंडर

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलो वाले गैस सिलेंडर की कीमत 803 रु. से बढ़कर 853 रुपए हो जाएंगी और उज्ज्वला योजना के तहत उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 503 रुपए से बढ़कर 553 रुपए हो जाएगी।

पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क 2-2 रुपए बढ़ा

- राहत की बातः जनता पर नहीं पड़ेगा कोई बोझ
- केंद्र बोला-ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी

प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

शहर	पेट्रोल (ली.)	डीजल (ली.)
दिल्ली	94.72	87.62
मुंबई	103.44	89.97
कोलकाता	103.94	90.76
चेन्नई	100.75	92.34
भोपाल	106.47	91.84
रायपुर	100.39	93.33
जयपुर	104.88	90.36
चंडीगढ़	94.24	82.40

इधर, सरकार ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2-2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी। राहत की बात यह है कि उत्पाद शुल्क के बढ़ने से आम जनता पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। यह फैसला वैश्विक तेल कीमतों में जारी उतार-चढ़ाव और ट्रंप प्रशासन की ओर से जवाबी टैरिफ के एलान के बीच लिया गया है। पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें 8 अप्रैल से लागू होंगी। सरकार की ओर से एक आधिकारिक आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी गई। आदेश में कहा गया है कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। आधे घंटे बाद ये भी साफ किया कि इससे पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। ये खर्चा पेट्रोलियम कंपनियां उठाएंगी।

बाजार पर भारी पड़ा 'ट्रंप टैरिफ'

- सेंसेक्स 2227 अंक टूटा, निफ्टी 3.24 फीसदी गिरा
- निवेशकों को एक ही दिन में 14 लाख करोड़ का लगा चूना
- हिंदुस्तान यूनि. को छोड़ सेंसेक्स के सभी शेयर कमजोर पड़े
- बीएसई के 3,515 शेयर कमजोर हुए, 570 शेयरों में तेजी
- पिछले साल के 4 जून के बाद बाजार में सबसे बड़ी गिरावट

उधर, वैश्विक व्यापार युद्ध की चिंता और अमेरिका में मंदी की बढ़ती आशंकाओं के बीच सोमवार को पूरी दुनिया के शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिखी। भारतीय बाजार भी इससे अछूता नहीं रहा और सेंसेक्स व निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। यह बीते 10 महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। सोमवार को साल की दूसरी बड़ी गिरावट आई। सें. 2226 अंक (2.95फीसदी) गिरकर 73,137 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 742 अंक (3.24 फीसदी) की गिरावट रही, ये 22,161 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले 4 जून 2024 को बाजार 5.74 फीसदी गिरा था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 29 में गिरावट रही।

ब्रीफ न्यूज

कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग केस में कॉमेडियन कुणाल कामरा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहत दी। कोर्ट ने मुंबई पुलिस की एफआईआर में कामरा को दी गई अंतरिम सुरक्षा को 17 अप्रैल तक बढ़ा दिया है।

भारत के दौरे पर आएंगे दुबई के क्राउन प्रिंस

नई दिल्ली। यूएई के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम मंगलवार को भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगे। प्रिंस के रूप में यह उनकी पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी। उनके साथ कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और एक उच्च स्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा।

नहीं होगी सभी वीवीपैट पर्चियों की गिनती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका की सुनवाई करने से इंकार कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग को मतगणना के दौरान मतों की इलेक्ट्रानिक गिनती कराने के अलावा सभी वीवीपैट पर्चियों की हाथों से गिनती की मांग की गई थी।

कांग्रेस में सिर्फ बातें होती हैं, लागू कुछ नहीं होता

अहमदाबाद। कांग्रेस का 84वां अधिवेशन आज से अहमदाबाद में होने जा रहा है। एक दिन पहले ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि कांग्रेस के अधिवेशन में अच्छी चर्चा होती है, लेकिन एग्जीक्यूशन नहीं हो पाता। नेता अपने अंदर गांधीजी के विचार लाएं तो बड़ी बात होगी।

हम राजनेता! हमें हर पांच साल में देनी होती है परीक्षा

राज्य सेवा अफसरों से सीएम ने कहा-आउट ऑफ द बॉक्स सोचें

- सकारात्मक मानसिकता के साथ करें अपने अधिकारों का उपयोग
- हमारा भारतीय समाज स्व-नियंत्रित और सुसंस्कृत समाज
- कुशलता से सभी की आशाओं-आकांक्षाओं पर खरे उतरें

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रशिक्षण, पढ़ाई के बाद की वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को जिम्मेदार पदों के लिए तैयार करती है। बड़े पदों पर बैठने के बाद अपने ही करीबियों का भाव बदल जाता है। शिक्षण व्यक्ति को गढ़ता है, जबकि प्रशिक्षण व्यक्तित्व को निखारता है। यह बात सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को प्रशासन अकादमी में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए शुरू हुए आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कही। सीएम ने कहा कि हम राजनेता हैं, तो हमें हर पांच साल में परीक्षा देनी होती है, लेकिन राज्य सेवा में चयनित युवाओं को यह सौभाग्य मिला है कि अब उन्हें तीस से पैंतीस वर्षों तक किसी परीक्षा का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपने जो परीक्षा अभी तक दी है, वही काफी है। अब इस नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाएं। सीएम ने गीता के उदाहरण देते हुए कहा कि अफसरों को जल से बर्फ बनने का मौका मिला है, लेकिन अंततः उन्हें फिर जल बनना है, यानी विनम्रता और लचीलापन बनाए रखना होगा। हमें क्या करना है, हमारा उद्देश्य क्या है, यह स्पष्ट होना चाहिए। पहले खुद को जानें, तभी असली पहचान बनती है।

शक्तियों का उपयोग सेवा में करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि आउट ऑफ द बॉक्स सोचें और जनहित में उसका क्रियान्वयन करें। जो अधिकार मिले हैं, वे मेहनत का अवसर भी लेकर आए हैं। भारतीय समाज एक सुसंस्कृत और आत्मनियंत्रित समाज है। अधिकारी इन शक्तियों का उपयोग सेवा-भाव और परिष्कृत दृष्टिकोण से करें।

मार्ग स्वयं खोजना होगा- नर्सरी कक्षा से लेकर अब तक के शिक्षण-प्रशिक्षण से मिले ज्ञान के आत्म अवलोकन से अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों और कार्यों को दक्षतापूर्वक संपन्न करें। हमारी पाठ्य पुस्तकें अपार ज्ञान का भंडार हैं, लेकिन दायित्वों को पूरा करने के लिए इसी ज्ञान की मदद से अपना मार्ग स्वयं खोजना होगा।

अपेक्षाओं पर बने रहना चुनौती

बड़े पद की जिम्मेदारी के साथ-साथ परिवारजन और मित्रों की अपेक्षाओं पर बने रहना भी एक चुनौती है। आपका व्यवहार ऐसा हो कि आप अधिक से अधिक लोगों की आशाओं व आकांक्षाओं पर खरे उतर सकें। सीएम के साथ प्रशिक्षु अधिकारियों का ग्रुप फोटो भी हुआ।

जनसेवा का मिला अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में मिशन कर्मयोगी से विकास और जनकल्याण की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है। चयनित अधिकारियों को स्वयं के परिश्रम और ईश्वर की कृपा से जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ है।

ओबीसी के 27 फीसदी आरक्षण पर नहीं लगेगी रोक

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को ठहराया सही, याचिका की खारिज

सत्ता सुधार ■ भोपाल/ नई दिल्ली

मध्यप्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने में कोई न्यायिक अड़चन नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को सही मानते हुए यह स्पष्ट किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर कोई रोक नहीं हैं। गौरतलब है कि कमलनाथ सरकार ने 2019 में ओबीसी वर्ग का आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया था। इसके खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन ने विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। इसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के कोर्ट नंबर-8 में न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने इस एसएलपी पर सुनवाई की। ओबीसी महासभा की ओर से एडवोकेट वरुण ठाकुर एवं एडवोकेट रामकरण के माध्यम से न्यायालय के सामने पक्ष रखा गया।

सुप्रीम कोर्ट में 70 याचिकाएं

हाईकोर्ट ने मार्च 2019 में ओबीसी के लिए बढ़ाए गए 13 प्रतिशत आरक्षण पर रोक लगाई थी। इसी अंतरिम आदेश के तहत बाद में कई अन्य नियुक्तियों पर भी रोक लगा दी गई। संबंधित याचिका 2 सितंबर 2024 को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर हो गई। इसी तरह राज्य शासन ने ओबीसी आरक्षण से जुड़ी करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करा ली हैं, जिन पर फैसला आना बाकी है।

हाईकोर्ट का आदेश- 26 फरवरी 2025 को मप्र हाईकोर्ट की की संयुक्त बेंच ने 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण के कानून का पालन करने का आदेश देते हुए कहा था कि 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर किसी प्रकार की रोक नहीं है।

शर्मनाक...सड़क पर छेड़छाड़ कर्नाटक के गृहमंत्री बोले- बड़े शहरों में ये आम बात

- युवक ने दो लड़कियों को गलत तरीके से छुआ, भाजपा ने मांगा इस्तीफा
- घटना का वीडियो वायरल, पीड़ित ने नहीं दर्ज कराई एफआईआर

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एक वायरल वीडियो में युवक सड़क पर दो लड़कियों के पास जाकर उन्हें गलत तरीके से छूकर भागता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो बेंगलुरु के बीटीएम लेआउट इलाके का है। घटना 3 अप्रैल की है। सोमवार को जब कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर से इस पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में होती रहती हैं। हालांकि उन्होंने मामले को लेकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही उन्होंने पुलिस को गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया। वहीं, भाजपा ने सोमवार को जी परमेश्वर से इस्तीफे की मांग की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए और जी परमेश्वर से इस्तीफा मांगना चाहिए।

वक्फ कानून के खिलाफ अब तक 12 याचिकाएं दाखिल

- विधानसभा में बिल की कॉपी फाड़ी गई
- सुको याचिकाओं की अर्जेंट सुनवाई पर विचार करेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह नए वक्फ कानून की संवैधानिकता को चुनौती देना वाली याचिकाओं को लिस्ट करने यानी सुनवाई पर फैसला करेंगे। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत से अर्जेंट हियरिंग की मांग की थी। इस पर सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि आप वकीलों से कहें कि हमें मेल या पत्र भेजें। इस पर सिब्बल ने कहा कि यह प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट हियरिंग के लिए ओरल मेंशनिंग यानी जुबानी अपील की व्यवस्था खत्म हो चुकी है। सिब्बल के बाद सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि ठीक है, हम पत्र और मेल देखेंगे। इन पर फैसला लिया जाएगा। हम इन्हें लिस्ट करेंगे।

जम्मू विस में एनसी विधायक ने फाड़ी जैकेट

इधर, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को नए वक्फ कानून पर हंगामा हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक ने सदन में कानून की कॉपी फाड़ दी। एक विधायक ने अपनी जैकेट फाड़कर सदन में लहराई। इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्रवाई पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी। एनसी समेत अन्य दलों ने वक्फ कानून के खिलाफ रेजोल्यूशन लाने की बात कही थी।

एडीआर की रिपोर्ट राष्ट्रीय दलों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 12547 चंदे के जरिये 2544.28 करोड़ रुपए मिले

राजनीतिक पार्टियों को मिले चंदे में 88 फीसदी भाजपा को ही मिला

मालामालः राजनीतिक पार्टियों को 8,358 चंदादाताओं से 2,243.94 करोड़ रुपए मिले

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा सबसे अधिक चंदा पाने वाली राष्ट्रीय पार्टी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय दलों को मिले कुल चंदों में 88 प्रतिशत केवल भाजपा को ही मिला है। उसे 8,358 चंदादाताओं से 2,243.94 करोड़ मिले हैं। कांग्रेस 1,994 चंदादाताओं से 281.48 करोड़ प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रही। एडीआर की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। यह रिपोर्ट चुनाव आयोग को सौंपे गए डाटा पर आधारित है। इसमें 20 हजार रुपए से अधिक के राजनीतिक चंदे के बारे में जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय दलों को वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 12,547 चंदे के जरिये 2,544.28 करोड़ मिले। पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले राष्ट्रीय दलों के चंदों में 199 प्रतिशत का अप्रत्याशित उछाल आया है। बसपा ने एक बार फिर 20 हजार रुपए से अधिक के किसी भी चंदे की घोषणा नहीं की। यह पिछले 18 वर्षों से उसके द्वारा दी जा रही जानकारी के अनुरूप है। माकपा ने बेहद कम चंदा मिलने की बात कही है।

कांग्रेस के चंदे में 252.18 फीसदी वृद्धि- कांग्रेस चंदा प्राप्त करने में भले ही दूसरे स्थान पर रही, लेकिन पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले कांग्रेस को मिलने वाले चंदे में 252.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कांग्रेस को 2022-23 में 79.924 करोड़ चंदा मिला था जो वित्त वर्ष 2023-24 में 281.48 करोड़ हो गया। पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले भाजपा को मिलने वाले चंदे में 211.72 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उसे वित्त वर्ष 2022-23 में 719.858 करोड़ का चंदा मिला था। आप को मिले चंदे में 70.18 प्रतिशत की कमी आई, जबकि एनपीपी के चंदे में 98.02 प्रतिशत की कमी आई है।

किसने किस दल को दिया कितना चंदा

कॉरपोरेट क्षेत्र - 3,755 चंदा रकम- 2,262.55 करोड़ (कुल दान का 88.92 प्रतिशत) व्यक्तिगत चंदादाता- 8,493 रकम- 270.872 करोड़ रुपए (कुल दान का 10.64 प्रतिशत)।

भाजपा को इनसे मिला चंदा: कॉरपोरेट ने 3,478 चंदे में भाजपा को 2,064.58 करोड़ दिए। 4,628 व्यक्तिगत चंदादाताओं से 169.126 करोड़ मिले। भाजपा को मिला कारपोरेट चंदा अन्य राष्ट्रीय दलों द्वारा घोषित कॉरपोरेट चंदे (197.97 करोड़) से नौ गुना अधिक है।

कांग्रेस को इनसे मिला चंदा: कॉरपोरेट से 102 चंदों के जरिये 190.3263 करोड़ रुपए। 1,882 व्यक्तिगत चंदादाताओं से 90.899 करोड़ रुपए मिले।

अहम तथ्यः जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट ने भाजपा, कांग्रेस को मिलाकर कुल 880 करोड़ रुपए चंदा दिया- भाजपा को 723.675 करोड़ (भाजपा को मिले कुल चंदे का 32.25 प्रतिशत) चंदा दिया- कांग्रेस को 156.4025 करोड़ (कांग्रेस को मिले कुल चंदे का 55.56 प्रतिशत) चंदा दिया।

सऊदी अरब ने भारत सहित 14 देशों का वीजा रोका

हज से पहले पाबंदीः नियम तोड़ा तो पांच साल नो एंट्री

रियाद। बिना रजिस्ट्रेशन हज में शामिल होने वालों को रोकने के लिए सऊदी अरब ने भारत और पाकिस्तान समेत 14 देशों के वीजा पर रोक लगा दी है। यह रोक अस्थाई है। उमरा, बिजनेस और फैमिली विजिट के लिए मिलने वाले वीजा पर जून महीने के मध्य तक बैन रह सकता है। सऊदी अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों के पास उमरा का वीजा है वे 13 अप्रैल तक सऊदी अरब पहुंच सकते हैं। इस साल हज यात्रा 4 जून से 9 जून तक रहेगी। यात्रियों से नए नियमों का पालन करने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करता है, तो अगले पांच साल तक सऊदी अरब में उसकी एंट्री पर रोक लगाई जा सकती है। दरअसल, दावा किया जा रहा है कि कई विदेशी नागरिक उमरा या विजिट वीजा पर सऊदी अरब आते हैं। वीजा खत्म होने के बाद भी वे गैर-कानूनी तौर पर सऊदी में रुके रहते हैं। इसके बाद वे बिना रजिस्ट्रेशन हज यात्रा में हिस्सा लेते हैं। इसी को रोकने यह फैसला लिया है। बिना रजिस्ट्रेशन हज यात्रा करने से अधिकारियों को श्रद्धालुओं का अंदाजा नहीं लगता है।

ब्रीफ न्यूज

अधिकारियों को अपने अधिकारों की जानकारी होना चाहिएः बामरा

भोपाल। प्रमुख सचिव जनजाति गुलशन बामरा ने कहा कि अधिकारियों को अपने अधिकारों के साथ अपने से वरिष्ठ अधिकारी के अधिकारों की भी जानकारियां होना चाहिए। प्रमुख सचिव बामरा सोमवार को प्रशासन अकादमी में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनजातीय वर्ग के 22 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति वर्ग के 16 प्रतिशत लोग निवास करते हैं। हमारी जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ जाती है, जब प्रदेश की कुल जनसंख्या के एक तिहाई से अधिक लोगों के विकास और उन्नति का दायित्व हमें सौंपा गया हो।बामरा ने कहा कि हमें अपने दृष्टिकोण को प्राथमिकता देते हुए कार्य करना चाहिए। जनजातीय विभाग अन्य विभाग की तुलना में बड़ा विभाग होने के साथ शिकायतों की संख्या भी ज्यादा होती है। आपको इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

स्कूल शिक्षा विभाग का एजुकेशन पोर्टल-3.0

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग में अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों के क्रियान्वयन की मॉनीटरिंग और परिणामों की समीक्षा के लिये डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किया है। इस प्लेटफार्म पर विभिन्न स्तरों पर जानकारी की त्वरित उपलब्धता और उनके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की व्यवस्था की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस साल 1 अप्रैल, 2025 को एजुकेशन पोर्टल-3.0 शुरू किया है। प्रदेश में एक अप्रैल से नवीन अकादमिक सत्र में सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में प्रवेश की कार्यवाही एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर की जा रही है। इसके लिये स्टूडेंट डायरेक्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। पोर्टल पर कक्षा-1 में संभावित पात्र विद्यार्थियों की सूची संबंधित शाला को उनके ग्राम और बसाहट के अनुसार प्रदर्शित की गई है। इस सुविधा से पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश कराने में सुलभता होगी।

ज्ञान दान अभियान की प्रेरणादायक शुरुआत

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 7 अप्रैल 2025 से 'ज्ञान दान अभियान' की शुरुआत की गई है। इस सराहनीय पहल का शुभारंभ राज्य कार्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी हर्षिका सिंह ने किया। अभियान का जरूरतमंद विद्यार्थियों तक प्रतियोगी परीक्षाओं और शैक्षणिक किताबों को पहुंचाना है, जो संसाधनों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं। उन्होंने आमजन से आग्रह किया गया है कि वे पुरानी व उपयोग में न आने वाली यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, स्कूल-कॉलेज स्तर की किताबें और सामान्य ज्ञान व संदर्भ ग्रंथ दान कर सकते हैं। ये पुस्तकें आजीविका मिशन के राज्य, जिला व ब्लॉक कार्यालयों, सीटीसी-सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र या गांवों में मौजूद स्व-सहायता समूहों, ग्राम संगठन, संकुल स्तरीय संगठनों के कार्यालयों के माध्यम से एकत्र की जाएंगी। आमजन से अपील है कि वे इस अभियान से जुड़कर किसी के सपनों को उड़ान देने में भागीदार बनें।

सभी स्तर पर तकनीकी संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएं

नए आपराधिक कानूनों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना जरूरीः सीएम

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय प्रणाली को अधिक लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। सभी के लिए अधिक सुलभ, सहायक और कुशल न्याय प्रणाली सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बने इन कानूनों और नवीन प्रक्रियाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। न्याय प्रणाली से जुड़ी सभी संस्थाओं में अद्यतन व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए जन-सामान्य को नई धाराओं और प्रक्रियाओं से शीघ्र अतिशीघ्र अवगत कराने के लिए नए आपराधिक कानूनों के बारे में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने नवीन आपराधिक कानूनों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह जेएन कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस, जेल, अभियोजन, न्यायिक एवं फॉरेंसिक कर्मियों के बीच अद्यतन तकनीक के उपयोग का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सभी हितधारकों में हर स्तर पर बेहतर समन्वय जरूरी है। प्रत्येक स्तर पर आवश्यक व्यवस्था, उपकरण और भौतिक संसाधनों की उपलब्धता प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि अचल सम्पत्ति संबंधी अपराधों पर नियंत्रण के लिए पुलिस के साथ राजस्व का अमला भी सजग और सतर्क रहे, साथ ही दोनों विभागों में परस्पर समन्वय भी हो। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों सहित जिन क्षेत्रों में भूमि की दरें तेजी से बढ़ रही है, वहां विशेष सजगता बरती जाए।

बैठक में बताया गया कि समयावधि में चालान के लिए नवीन डैशबोर्ड उपलब्ध है। ई-साक्ष्य की प्रक्रिया भी आरंभ की जा चुकी है। पुलिस थानों तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए न्यायश्रुति सॉफ्टवेयर तैयार कर लिया गया है और थानों व कंट्रोल रूम में साउंड प्रूफ कक्ष चिन्हित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन समन/वारंट मॉड्यूल के अंतर्गत गतिविधियां प्रगति पर हैं। पिछले तीन महीने में 50 प्रतिशत से अधिक वारंट तिथि से पहले इलेक्ट्रानिक रूप से तामील किए गए। इनकी मॉनीटरिंग के लिए सभी जिलों में सेल गठित किए जा चुके हैं। डिजिटल इन्वेस्टिगेशन केलिए टेबलेट्स और लाइव स्कैनर थानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी, डेटा चोरी जैसे सायबर अपराधों के बारे में जागरूकता के लिए की गई पहल की भी जानकारी दी गई।

फर्जी डॉक्टर कांडः सीएम के निर्देश पर प्रयागराज से डॉक्टर गिरफ्तार

दमोह के अस्पताल में हार्ट सर्जरी के दौरान 7 मौतों के आरोपों के बीच पहला मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में रात के अंधेरे में देर रात जिले के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मुकेश जैन ने कोतवाली थाना पहुंचकर सर्जरी करने वाले फर्जी डॉक्टर डॉ. एन जॉन केम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं इस मामले में कलेक्टर ने मीडिया से बातचीत की है। देर शाम आरोपी डॉक्टर को पुलिस ने प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया है। इसकी पुष्टि एमपी श्रुतकीर्ती सोमवंशी ने की है। दमोह कलेक्टर कलेक्टर सुधीर कोचर ने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की टीम दमोह पहुंची है। आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से चर्चा की है। इसके अलावा टीम पीड़ित परिवार के लोगों से भी मिल रही है। साथ ही ऑपरेशन से संबंधित कागजातों को भी देखा जा रहा है। ये क्रम अभी लगातार चलेगा। आयोग की टीम नौ अप्रैल दोपहर तक रहेगी।

मप्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में बनाएंगे अग्रणी

मुख्यमंत्री ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर किया अनमोल 2.0 का शुभारंभ, प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की निरंतर बढ़ रही संख्या

नए अस्पताल को 40 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जाएगी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाया जाएगा। इस दिशा में प्रदेश में निरंतर कार्य हो रहा है। सरकार के साथ समाज को भी स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्रिय करना है। शासकीय, अशासकीय और अर्द्धशासकीय स्तर पर नागरिकों के स्वास्थ्य रक्षा और बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रदेश में अनेक प्रकल्प संचालित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मातृ-शिशु संजीवन मिशन रणनीति दस्तावेज एवं अनमोल 2.0 पोर्टल का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर इस अभिनव कार्यक्रम की रचना के लिए स्वास्थ्य विभाग को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बदलते दौर का भारत है और पूरी दुनिया इसे देख रही है। कोरोना काल में पीएम मोदी की नेतृत्व क्षमता सामने आई, जब आपदा के अवसर के मंत्र पर काम करके भारत ने वैक्सीन तैयार की और अपने राष्ट्र के नागरिकों के साथ ही अनेक राष्ट्रों को भी सहायता दी। अथक अनुसंधान से देश की नागरिकों को निःशुल्क वैक्सीन मिल जाने से जहां उनके स्वास्थ्य को ठीक करने में सहायता मिली, वहीं यह वैक्सीन सभी का मनोबल बढ़ाने में भी उपयोगी थी।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए व्यवस्थाएं बेहतर बनाई जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को अनमोल 2.0 पोर्टल प्रारंभ करने के लिए बधाई दी।

मेडिकल पर्यटन बढ़ाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा मध्यप्रदेश में मेडिकल पर्यटन की काफी संभावना है। इन संभावनाओं को सफल करने के लिए प्रयास बढ़ाए जाएंगे । प्रदेश में जो रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुई हैं, उसमें सेवा क्षेत्र को भी जोड़ा गया है। प्रारंभ में प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर जैसे बड़े नगरों में निजी क्षेत्र में अस्पतालों को भी प्रमोट करेंगे। इसमें 'ए' श्रेणी में बड़े नगर शामिल होंगे। नए अस्पताल प्रारंभ करने पर 40 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जाएगी। तीन श्रेणियों में अस्पतालों को सब्सिडी प्रदान कर लाभान्वित किया जाएगा। इससे अस्पतालों के संचालन में सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा दो मंत्रालय विभाग होते थे, जिन्हें एकीकृत कर आम जनता के हित को सुनिश्चित किया गया है। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या निरंतर बढ़ रही है। साल दर साल नए मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीपीपी मॉडल अपनाकर अस्पतालों के संचालन में सुधार करने की पहल की गई है। इस दिशा में अनुकूल वातावरण भी तैयार हुआ है।

सभी पद्धतियों के उपयोग को बढ़ावा

डॉ. यादव ने कहा कि जिले में चिकित्सक के परामर्श और कलेक्टर के माध्यम से यह सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड धारकों को विमान और हेलीकॉप्टर सेवा निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा एलोपैथी चिकित्सा के साथ ही आयुष, प्राकृतिक चिकित्सा और अन्य चिकित्सा पद्धतियों को भी समग्र दृष्टि से देखते हुए इन सभी पद्धतियों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है।

आईएमआर और एमएमआर में सुधार चुनौती

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार हर नागरिक तक उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर केंद्रित यह कार्यक्रम सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। आईएमआर और एमएमआर में सुधार मध्यप्रदेश स्वास्थ्य क्षेत्र की महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की मंशानुरूप सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्ति के लिये मध्यप्रदेश पुरज़ोर प्रयास कर रहा है। वर्ष 2030 तक एमएमआर को 100 से कम करने और आईएमआर को सिंगल डिजिट तक ले जाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास करेंगे। शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश परफॉर्मर स्टेट रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को सतत सुदृढ़ किया जा रहा है। बजट की कोई कमी नहीं है। अधोसंरचना विकास, उपकरण, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना सभी क्षेत्रों में कार्य किया जबराहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम से आह्वान किया कि पूरी ताक़त से प्रयास करें।

13 को राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक गोपाल सम्मेलन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकार से समृद्धि के विजन के अंतर्गत मध्यप्रदेश एक महत्वपूर्ण पहल कर रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने दुग्ध संघों और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, एमपी स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन के मध्य सहकार्यता अनुबंध के माध्यम से किसानों और पशुपालकों की जिंदगी बदलने का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दुग्ध सहकारिता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने विशेष स्थान बनाएगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि आगामी 13 अप्रैल को भोपाल में हो रहे राज्य स्तरीय सहकारी दुग्ध उत्पादक गोपाल सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। प्रदेश का दुग्ध उत्पादन में देश में तीसरा स्थान है। सहकारी समितियों को कव्हरेज बढ़ाकर दुग्ध उत्पादकों को सहकारी डेयरी कार्यक्रम का पूरा-पूरा लाभ दिलवाया जाएगा। सांची ब्रांड के उन्नयन का भी यह ठोस प्रयास है। किसानों को किसानी के अलावा आमदनी का नया महत्वपूर्ण स्रोत उपलब्ध होगा, जो प्रदेश की प्रगति में भी सहायक होगा।

पारम्परिक औषधीय ज्ञान को संरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल

मंत्री निर्मला भूरिया ने किया डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार कार्यशाला का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि वर्तमान में पारम्परिक चिकित्सा पद्धति और औषधीय वनस्पतियों से जुड़े सदियों पुराने ज्ञान को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाना अत्यंत आवश्यक है। झाबुआ जिले में पारम्परिक औषधीय ज्ञान को संरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल की गई है। डुंगर बाबा नी जड़ी बूटियों नु जोवनार कार्यशाला का आयोजन सराहनीय है। उन्होंने कहा कि झाबुआ की धरती पर लोक ज्ञान का अपार भंडार है। इस कार्यशाला में 75 से अधिक पारम्परिक जड़ी-बूटी विशेषज्ञों को एकत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी विकासखंडों से एकत्रितहुएइन विशेषज्ञों ने इस अंचल में पाये जाने वाले जड़ी बूटियों का परम्परागत ज्ञान साझा किया है। उन्होंने कहा कि यह परम्परागत ज्ञान विलुप्त न हो जाये और आने वाली पीढ़ियों तक इसके हस्तांतरण के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि पूरी दुनिया ने कोरोना काल में आयुर्वेद की शक्ति को पहचाना है। पीएम नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयुष चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने पर जोर दिया है और देश भर में आयुर्वेद का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि ज्ञान बांटने से बढ़ता है और इसी से परम्परागत ज्ञान को लिपीबद्ध करने से इसको संरक्षित किया जा सकेगा। मंत्री भूरिया ने कहा कि भविष्य में सभी जानकारियों का सुव्यवस्थित संकलन कर हिन्दी और अंग्रेजी में दस्तावेज तैयार किये जायेगें। इसमें जड़ी बूटियों के नाम, स्त्रोत, प्रयोग विधि, मात्रा, उपलब्धता और उपचार की प्रक्रिया को विस्तार से दर्ज किया जायेगा। कलेक्टर सुश्री नेहा मीणा ने जानकारी देते हुए बताया है कि पिछले 6 माह में जिले के सभी विकासखंडों में जड़ी बुटी विशेषज्ञों का सर्वेक्षण कर 157 विशेषज्ञों की सूची तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयास केवल जानकारी का संग्रह नहीं बल्कि परम्परिक चिकित्सा पद्धति के दस्तावेजीकरण की एक सशक्त शुरूआत है।

रसोई गैस के दाम बढ़ाने पर कमलनाथ ने साधा निशाना, बोले-

आम आदमी की पीड़ा का उड़ाया जा रहा मजाक

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने केंद्र सरकार पर घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी करने पर निशाना साधा है। कमलनाथ ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपया की वृद्धि कर केंद्र सरकार ने आम आदमी पर महंगाई का चाबुक चलाया है। भोपाल में अब सिलेंडर की कीमत 858.50 रुपये हो जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही रसोई का बजट आसमान छू रहा था, दाल, सब्जियों, खाद्य तेल, आटा और राशन का दूसरा सामान पहले से ही महंगा है। अलग अलग संस्थाओं की रिपोर्ट बताती है कि बढ़ी हुई महंगाई के कारण लोग कर्ज़ के बोझ में डूबते जा रहे हैं और बच्चों की पढ़ाई लिखाई तक का खर्च नहीं उठा पा रहे।ऐसे में सरकार को महँगाई में राहत देने का कोई क़दम उठाना चाहिए था। लेकिन राहत देने के बजाय सरकार ने गैस सिलेंडर महँगा करके आम आदमी की पीड़ा का मज़ाक उड़ाया है।

कमलनाथ ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को तत्काल बढ़ी हुई क़ीमतें वापस लेनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केंद्र सरकार को याद दिलाना चाहता हूं कि केंद्र में जब कांग्रेस पार्टी की सरकार थी तो गैस सिलेंडर पर सब्सिडी दी जाती थी। वर्तमान सरकार ने जानबूझकर सब्सिडी समाप्त की और धीरे धीरे गैस सिलेंडर के दाम आसमान पर पहुंचा दिए। यह पूरी तरह से जन विरोधी कदम है।

टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन 27 को इंदौर में

भोपाल। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में किया जाएगा। यह ऐतिहासिक सम्मेलन राज्य में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में की गई निवेश प्रतिबद्धताओं को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में इस आयोजन में राज्य की प्रौद्योगिकी नेतृत्व की दिशा में रोडमेप प्रस्तुत किया जाएगा। आईटी एवं संबंधित क्षेत्रों में राज्य सरकार के निवेश कार्यान्वयन नीति को गति देने और राज्य को एक प्रमुख प्रौद्योगिकी गंतव्य के रूप में उभारने के लिए यह आयोजन महत्वपूर्ण होगा। यह निवेश प्रगति को ट्रेक पर लाने, नीतिगत निर्णयों को सामने लाने और सहयोग बढ़ाने के लिये एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री इस अवसर पर कई घोषणाएं भी करेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ताहिर अली को ईद की दी शुभकामनाएं

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक जनसंपर्क ताहिर अली के निवास पर पहुंचकर उन्हें और उनके परिवार को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस अवसर पर परिवारजनों से आत्मीय भेंट की, बच्चों को स्नेह किया। अली के परिवारजन ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल का आत्मीय स्वागत किया और हर वर्ष की तरह इस बार भी अपने व्यस्त समय में से कुछ पल निकालकर पर्व की खुशियों में सहभागी बनने के लिए आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि अली वर्ष 2004 से उप मुख्यमंत्री शुक्ल का मीडिया समन्वय और प्रचार-प्रसार का कार्य देख रहे हैं।

फैसला — खेलों के विकास के लिए लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय, सभी नगरीय निकायों में होंगे फिट इंडिया क्लब

प्रदेश के हर विधानसभा क्षेत्र में बनेगा आधुनिक खेल परिसर

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रदेश में खेलों के विकास को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में बहुउद्देशीय आधुनिक खेल परिसरों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही, प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में फिट इंडिया क्लब खोले जाएंगे, जहां बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को भोपाल में खेलों के उन्नयन के लिये प्रदेश के सभी महापौरों की बैठक ली। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से नगरीय निकायों में खेलों के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने, युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित करने, नगरीय निगम के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन सहित अनेक विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों के पास पहले से मौजूद खेल मैदानों व अधोसंरचना का उन्नयन कर खेल गतिविधियों को गति दी जा सकती है। बैठक में नगरीय निकायों और खेल विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया, जिससे राज्य भर में खेलों का व्यापक प्रसार और विकास सुनिश्चित किया जा सके।

नगरीय निकायों में मौजूद खेल मैदानों और अधोसंरचना का उन्नयन कर खेल गतिविधियों को बढ़ाया जाएगा। नगरीय निकायों और खेल विभाग के बीच बेहतर समन्वय बनाकर कम्युनिटी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की योजना है। स्थानीय स्तर पर फिट इंडिया क्लब की स्थापना और सामुदायिक खेल आयोजनों से युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित किया जाएगा। इसके अलावा खेलो बढ़ो अभियान, पार्थ योजना और मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान जैसे कार्यक्रमों को भी पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा, जिससे युवाओं को खेलों के साथ-साथ सेना, पुलिस जैसी सेवाओं की तैयारी में मदद मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों में कम्युनिटी स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग से विभिन्न पहल की जाएगी। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में सर्वसुविधायुक्त फिट इंडिया क्लब स्थापित किए जाएंगे। इन क्लबों में बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिकों के लिए शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं उपलब्ध होंगी। बैठक में सभी महापौरों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में खेलों के उन्नयन के लिये क्षेत्र चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार करें।

आबकारी अधिकारियों की देखी जा रही परफारमेंस

4 जिले टारगेट में पिछड़े, बदले जा सकते हैं अधिकारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रदेश में शराब ठेकों की नीलामी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 15 जिलों के जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) हटाए जा सकते हैं। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने ऐसे जिलों की सूची मांगी थी, जहां डीईओ का प्रदर्शन खराब है। इनमें छिंदवाड़ा, विदिशा, बड़वानी और राजगढ़ के डीईओ की परफारमेंस खराब बताई जा रही है। ये जिले राजस्व लक्ष्य में पिछड़ गए हैं। वहीं नर्मदापुरम, छतरपुर, झाबुआ, टीकमगढ़ और खंडवा जिले में एक ही जिला आबकारी अधिकारी के पदस्थ रहते तीन साल से अधिक हो गया है। वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव ने ऐसे जिलों की सूची तैयार कर ली है। जल्द ही इनके तबादले किए जा सकते हैं। विभाग में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां कनिष्ठ अधिकारी, जैसे कि सहायक जिला आबकारी अधिकारी (एडीईओ), जिला आबकारी अधिकारी (डीईओ) जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

नरवाई जलाने पर रहली थाने में दर्ज कराई गई एफआईआर

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर एसडीएम रहली गोविंद दुबे के द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए रहली के ग्राम जूना,मंडला में नरवाई जलाने पर पुलिस कार्रवाई की गई। एसडीएम गोविंद दुबे ने बताया कि कलेक्टर संदीप जी आर के द्वारा पूर्व से ही निर्देशित किया गया था कि जिले में किसानों द्वारा नरवाई जलाने पर सख्त कार्रवाई की जाए इसी परिपेक्ष में यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत जूना के रामावतार पिता प्रभु कुर्मी उम्र लगभग 31 वर्ष ने रात करीब 11:15 बजे अपने खेतों लगी नरवाई में आग लगाई जिससे आग आस- पास के खेतों में फैल गई जिससे ग्राम जूना के कृषकों की खडी फसल एवं काटकर रखी हुई फसल जलकर नष्ट हो गई।आग हवा के सहारे पड़ोस के ग्राम मंडला तक पहुंची जिससे मंडला के किसानों की फसल भी जलकर नष्ट हो गए मौके पर उपस्थित लोगों ने तथा फायर बिग्रेड ने आग बुझाई। उक्त के संबंध में रामअवतार पिता प्रभु कुर्मी निवासी ग्राम जूंना तहसील रहली के विरूद्ध भारतीय न्याय सहिंता (बी.एन.एस.) 2023, 223 की धारा 173 बी.एन.एस.एस.के तहत एवं एयर (प्रीवेंशन & कंट्रोल ओग पॉल्यूशन) एक्ट 1981 के तहत ग्राम कोटवार के माध्यम से प्राथमिकी दर्ज की गई।

आंगनवाड़ी केंद्रों के समय में बदलाव, अब सुबह 7.30 से दोपहर 12 बजे तक खुलेंगे

सागर। बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं अत्यधिक तापमान से बचाव के दृष्टिगत कलेक्टर संदीप जी. आर. के आदेश अनुसार जिले के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका प्रातः 7.00 बजे उपस्थित होकर दोपहर 2.30 बजे तक विभागीय गतिविधियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगी। मप्र शासन महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल के निर्देशानुसार बढ़ती गर्मी को देखते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन समय में आंशिक बदलाव किया गया है। अब दिनांक 30 जून 2025 तक आंगनवाड़ी केंद्र प्रातः 7.30 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक संचालित किए जाएंगे।यह आदेश जिले के समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

नो दिन आराधना के बाद ज्वारों का विसर्जन किया

घर घर हुई कुलदेवी की पूजा, मंदिरों में भक्तों की लगी कतारे

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

नगर में चैत्र नवरात्र की अष्टमी व नवमी पर मंदिरों में भक्तों की कतारे लगीं और घरों में कुल देवी को पूजा गया। सुबह से ही देवी मंदिरों में भक्त पहुंचे और माता का पूजन कर भोग लगाया। मंदिरों से लौटने के बाद घरों में लोगों ने अपने अपने इष्ट देवी देवताओं का पूजन किया।नवरात्र की नवमी पर किला स्थित मां बीजासेन देवी के मंदिर ,महामंगला महाकाली मंदिर पठार , किला के सामने बगलामुखी माई मंदिर में, सिद्धि सागर हनुमान जी, पुराने हनुमान जी, भूतेश्वर महादेव मंदिर, नंदेश्वर मंदिर, पातालियता हनुमान मंदिर, झीरसगर मंदिर, हरदौल चबूतरा सहित अन्य मंदिरो

पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही है। श्रद्धालुओं ने अठवाई, नारियल चढ़ाकर कुलदेवी का पूजन किया। मन्दिर के पुजारी ने बताया कि अष्टमी एवं नवमीं पर कुलदेवता की परंपरा के अनुसार पूजन किया जाता है। नारियल, अठवाई का भोग लगाया गया।

घर में परिवार के सदस्यों ने एकत्र होकर पूजन किया। इस पूजन में घर की बेटियां हिस्सा नहीं लेती हैं उन्हें प्रसाद भी नहीं दिया जाता है क्योंकि बेटियों को दूसरे घर की अमानत माना जाता है। देवी मंदिरों में नन्हें बच्चों की टोलियां जलअर्पण करते हुए श्रद्धा के साथ नमन करती हुई दिखाई दी। हाथों में छोटे कलष जिनमें जल भरा हुआ था। बच्चों में विषेष उत्साह नजर आया।

नो दिन आराधना के बाद ज्वारों का विसर्जन किया

चैत्र नवरात्र पर लोगों ने घरों, मंदिरों में ज्वारे बोकर 9 दिन तक विधि विधान से पूजा अर्चना की। उसके बाद नदी, तालाब में ज्वारों का विसर्जन किया गया। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में ज्वारों पर जगराता होता है। लोग माता की भक्ति गाकर भजन गाते हैं। ढोलक, लगड़िया की थाप पर थिरकते भी है।

वाल्मीकि रामायण,श्री रामचरित मानस व श्रीमद्भागवत गीता हमारी संस्कृति के आधार: सिंह

बरोदा में आयोजित नवकुंडीय यज्ञ व श्रीराम कथा आयोजन में शामिल हुए

सत्ता सुधार ■ बरोदा/रहली

श्री वाल्मीकि रामायण जी, श्री रामचरितमानस जी और श्री मद्भागवत गीता जी हमारे सनातन धर्म और संस्कृति का आधार हैं। भगवान श्री राम नाम का जप हम मोक्ष प्राप्ति के लिए करते हैं। श्री राम नाम का जप और सद्कर्मों से हम सभी मोक्षगामी हो कर भव सागर को पार करते हैं। यह उद्गार युवा भाजपा नेता अविराज सिंह ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बरोदा में आयोजित श्रीराम तारक नवकुंडीय यज्ञ एवं श्री रामकथा आयोजन में उपस्थित श्रद्धालुओं के समागम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।श्री राम दरबार की वर्षगांठ पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में पहुंच कर युवा नेता श्री अविराज सिंह ने सबसे पहले बरोदा के श्री राम जानकी रमण मंदिर में दर्शन किए। फिर यज्ञशाला पहुंच कर श्री यज्ञ भगवान की पूजा अर्चना की तत्पश्चात कथा व्यास पं श्री प्रभु दयाल पाठक जी के श्रीमुख से रामकथा का अमृतपान किया। अविराज ने व्यासपीठ के आदेश पर रघुकुल शिरोमणि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जयघोष के साथ अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि अनन्य रामभक्त श्री हनुमान जी ने भगवान श्री की महिमा को यह कहते हुए व्याख्या दी है कि गौगा बड़ी न गोदावरी न बड़े तीर्थ प्रयाग, सकल तीर्थ का पुण्य वहां जहां श्री राम का वास। उन्होंने कहा कि कथा श्रवण की परंपरा देश में निरंतर समृद्ध हो रही है। इससे धर्म के प्रति हमारा ज्ञान और समझ बढ़ती है। इससे धर्म की रक्षा की भावना और संकल्प निरंतर बढ़ता जा रहा है। अविराज सिंह ने श्री राम चरित मानस की चौपाई अगुण सगुण बिन मंदिर सुंदर ...÷ का उद्धरण देते हुए कहा कि भगवान श्री राम का नाम सूर्य की उन किरणों की तरह है जो मनुष्य के काम क्रोध मद लोभ को नष्ट कर देती हैं। उन्होंने बताया कि राम नाम के दो अर्थ समझे हैं। एक तो यह कि राम नाम में राधा माधव के नाम भी स्वतः शामिल हैं। दूसरा राम नाम में राष्ट्र का मार्गदर्शक भी निहित है। हम सभी जनप्रतिनिधियों का परम कर्तव्य है कि अपने क्षेत्र में रामराज्य की स्थापना करें। उन्होंने उद्धरण सहित समझाया कि भगवान श्री राम से पांच गुण सीखने और अनुसरण करने चाहिए। ये हैं मातृशक्ति का सम्मान, दयाभाव, आदर्श और कर्तव्य परायण पुत्रभाव, धैर्य की भावना। उन्होंने कहा कि ग्राम बरोदा से हमारे परिवार का अनेक पीढ़ियों का आत्मीय और पारिवारिक रिश्ता है। अपने परिवार के बीच पहंचने का आनंद और प्रसन्नता हृदय में अनुभव कर रहा हूं। उन्होंने कथा स्थल पर विराजमान विप्रजनों का पुष्पमाला शाल श्रीफल से सम्मान कर उनके चरणों में प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। अविराज ने अपने संबोधन में बरोदा ग्राम से अपने पुश्तैनी संबंधों का स्मरण किया और यहां के सभी बुजुर्गों माताओं, अग्रजों से आशीर्वाद मांगा। ग्राम वासियों और आयोजकों ने श्री अविराज सिंह का शाल श्रीफल से अभिनंदन किया।अविराज की ओर से कथा व्यास पंडित श्री पाठक जी को पगड़ी और सभी श्रद्धालुओं को श्री राम नाम पट्टिकाएं भेंट में दी गई। कथा व्यास ने बामोरा परिवार के पूर्वजों दादा स्व श्री अमोल सिंह जी की धर्म परायणता का स्मरण किया। उन्होंने अविराज सिंह की मेधा और धर्म परायणता की प्रशंसा करते हुए कहा कि धन्य हैं वे माता पिता जिन्होंने ऐसे कुल गौरव को जन्म दिया। कथा आयोजन में प्रमुख रूप से देवेन्द्र दुबे, अभिषेक शास्त्री, हरेन्द्र शास्त्री, सुधीर शास्त्री, शशिकांत शास्त्री, गोविंद दुबे, सीताराम सिंह, अरविंद सिंह, पप्पू सिंह, कुंवर सिंह, अमोल सिंह, राघवेन्द्र सिंह, हरनाम सिंह, भूपेनद्र सिंह, हरिनंदन तिवारी, गोविन्द पाठक, श्री सिंह सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पधारे हुए हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीएम द्वारा नवीन अनमोल पोर्टल 2.0 का शुभारंग किया गया

सत्ता सुधार ■ सागर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी ने बतलाया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा नवीन अनमोल पोर्टल 2.0 का शुभारंभ किया गया।नवीन अनमोल पोटर्स 2.0 से मातृ मृत्यु दर को कम करने को लेकर विभाग अब हर गर्भवती महिला की हेल्थ ट्रेकिंग करेगा। विभाग द्वारा पोर्टल को अपग्रेड कर दिया गया है। एएनएम, सीएचओ से लेकर शासकीय अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं की एंट्री अनमोल पोर्टल 2.0 पर करनी होगी पोर्टल पर एएनएम/ सीएचओ से लेकर भोपाल के अधिकारियों को गर्भवती महिला की समस्त हेल्थ डाटा दिखने लगेगा कौन-कौन सी जांचे हुई और उसे कहां के लिए रिफर किया गया है, आशा कार्यकर्ता के माध्यम से गर्भवती महिला के परिवार के सदस्यों को भी प्रेरित किया जावेगा ताकि गर्भवती महिला को समय पर स्वास्थ्य सेवायें मिल सकें। नवीन अनमोल पोर्टल 2.0 एक डिजिटल प्लेटफॉर्म हैं, जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं का पंजीकरण और प्रसूताओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को सरल बनाता है । नवीन संस्करण में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण हाई रिस्क गर्भावस्था की पहचान संबंधी रिकार्ड, उच्च जोखिम बाली गर्भवती महिलाओं की लाइन लिस्ट बनाई जाएगी जिसमें संपर्क विवरण भी शामिल होगा। नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की एंट्री से पीएचसी से राज्य स्तर पर इन सेवाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी।डॉ. ममता तिमोरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सागर ने बतलाया कि नवीन अनमोल पोर्टल 2.0 में दर्ज डाटा के आधार पर जननी सुरक्षा योजना और प्रसूति सहायता योजना के अन्तर्गत सहायता राशि का समग्र आईडी से जुड़े आधार लिंक बैंक खाते के प्रत्यक्ष लाभ अंतरण डीबीटी हो सकेगा। साथ ही नवीन संस्करण में पंजीयन के समग्र आईडी आधार कार्ड, तथा बैंक खाते की ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से की जावेगी ताकि हितग्राही को शासन की योजना का लाभ शीघ्रता से मिल सकेगा।

नवीन सत्र प्रवेश उत्सव के मनाया

नरयावली/सागर। शासकीय माध्यमिक विद्यालय जेरवारा विकासखंड राहतगढ़ संकुल केंद्र मैहर में शाला प्रभारी श्रीमती चंदा देवी साहू के मार्गदर्शन में प्रवेश उत्सव के कार्यक्रम के प्रथम दिवस नवीन छात्रों को रोरी तिलक लगाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर शाला में स्वागत किया गया,उनके लिए विशेष भोज की व्यवस्था की गई।द्वितीय दिवस भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत जल जीवन मिशन सागर पीएसयू की ओर से श्री मती श्रुति लेखा त्रिपाठी स्तष्ट मैनेजर, श्री राजीव दांगी, स्स मैनेजर एवं श्री नितेश साहू ऑफिस मैनेजर को आमंत्रित किया गया जिनके द्वारा जल के महत्व को समझाया गया और जल को व्यर्थ ना बहने की शपथ दिलाई गई।

मप्र के मुख्य न्यायाधिपति से खुरई में एससी-एसटी एक्ट से संबंधित प्रकरणों के लिए विशेष न्यायालय की लिंक कोर्ट की मांग

सत्ता सुधार ■ खुरई/सागर

मध्यप्रदेश के मुख्य न्यायाधिपति एक दिवसीय दौरे पर खुरई पहुंचे। जहां न्यायालय परिसर में न्यायाधीशगण, अधिवक्ता संघ ने न्यायाधीपति सुरेश कुमार कैत का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रथम व द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीशों के साथ अन्य न्यायाधीष व अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष केएम चौबे ने बताया कि खुरई न्यायालय परिसर, जो कि जिले का सबसे प्राचीन न्यायालय है, न्यायिक प्रक्रिया एवं अनुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दो बार आई.एस.ओ. पुरस्कार से सम्मानित हो चुका है। हमारा अधिवक्ता संघ विगत वर्षों से आवश्यक मांगों के संबंध में निवेदन करता आ रहा है। बांदरी तहसील के समस्त सिविल एवं आपराधिक न्यायिक प्रकरणों को खुरई न्यायालय क्षेत्राधिकार में सम्मिलित किया जाए। खुरई न्यायालय परिसर में नवीन भवन का निर्माण किया जाए,एससी-एसटी एक्ट से संबंधित प्रकरणों के लिए विशेष न्यायालय की लिंक कोर्ट की स्थापना खुरई में की जाए। न्यायाधिपति सुरेश कुमार केत ने अधिवक्ताओं के बैठने के भवन का निरीक्षण कर एडीजे को शीघ्र ही कार्य प्रारंभ कर रिनोवेशन के निर्देश दिये। साथ ही की गई मांगों पर विचार कर उचित मांगों को पूरा किया जायेगा।

अलर्ट मौसम साफ होते ही गर्मी ने दिखाए तेवर, कल लू चलने का अलर्ट

सीजन में पहली बार दिन का पारा 41 डिग्री पहुंचा

सत्ता सुधार ■ सागर

ओले-बारिश का सिस्टम खत्म होने के बाद अब तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया है। सागर में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। दिन और रात के तापमान में उछाल आया है। गर्मी के इस सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। वहीं रात का पारा 24 डिग्री पर आ गया है। पारे में आए उछाल के कारण दिन के साथ ही रात में भी गर्मी से लोग परेशान होने लगे हैं। सोमवार सुबह से सागर में मौसम साफ रहा। तेज धूप खिली। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, धूप ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिए। दोपहर के समय झुलसाने वाली धूप रही। जिस कारण आम दिनों की अपेक्षा बाजार में लोगों की आवाजाही कम रही।

मंगलवार को लू चलने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले दिनों सक्रिय रहा ओले-बारिश का सिस्टम आगे बढ़ गया है। अब राजस्थान से जुड़े जिलों में हीट वेव का असर देखने को मिलेगा। 8 अप्रैल को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का अनुमान है। इसके असर से पूर्वी हिस्से में मौसम बदल सकता है। सोमवार को गर्मी का असर रहेगा। मंगलवार को लू चलने की संभावना है।

बीएससी फाइनल ईयर का छात्र नकल करते पकड़ाया

परीक्षा केंद्र पर मोबाइल से कर रहा था नकल

सत्ता सुधार ■ सागर

जिले में शासकीय कला एवं वाणिज्य (अग्रणी) महाविद्यालय में चल रही महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षा के दौरान पर्यवेक्षकों को चकमा देकर मोबाइल लेकर परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थी पहुंच गया। वह मोबाइल से नकल कर रहा था, जिसे ड्यूटी पर तैनात प्रोफेसर ने पकड़ लिया। शासकीय कला एवं वाणिज्य अग्रणी महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. जीएस रोहित के निर्देश में इन दिनों महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षाएं चल रही हैं। परीक्षा में नकल और अनुचित सामग्री के उपयोग रोकने को लेकर परीक्षार्थियों को जारी निर्देशों और परीक्षा भवन में प्रवेश के पहले सख्त जांच की जा रही है। सोमवार को बीएससी तृतीय वर्ष की परीक्षा में भौतिक शास्त्र के परीक्षार्थी द्वारा पर्यवेक्षकों की नजर बचाकर मोबाइल से नकल करने की कोशिश की गई। उसे ड्यूटी पर मौजूद पर्यवेक्षकों ने मोबाइल से नकल करते हुए रंगेहाथों पकड़ लिया गया। नकलची परीक्षार्थी को परीक्षा प्रभारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

बदमाश से वारदात में प्रयुक्त अवैध हथियार व बाइक भी हुई बरामद

कट्टे की नोंक पर नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

भाई के साथ जा रही नाबालिग छात्रा के साथ कट्टे की नोंक पर छेड़छाड़ करने वाले बदमाश को आंतरी थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया है, जिसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त अवैध हथियार व बाइक भी बरामद हो गई है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर महिला संबंधी अपराधों में फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आंतरी टीआई देवेंद्र मिश्रा को सोमवार दोपहर मुखबिर के जरिए सूचना प्राप्त हुई, कि थाने में दर्ज छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहा सत्यम कुशवाह पुत्र भजनलाल कुशवाह (20 वर्ष) आंतरी के वार्ड क्रमांक- 10 में स्थित अपने घर में छुपा हुआ है। उक्त जानकारी एएसपी निरंजन शर्मा तक पहुंचने पर उन्होंने तत्काल डबरा एसडीओपी जितेंद्र

नगाइच के मार्गदर्शन में आंतरी थाने की टीम को आरोपी के घर पहुंचाया। पुलिस टीम ने आरोपी के घर पर दबिश देकर उसे धरदबोचा। जिसने थाने लाकर की गई पूछताछ में उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी की निशादेही पर घटना में उपयोग 315 बोर का कट्टा व दो कारतूस सहित बाइक भी बरामद कर ली गई है। उक्त बदमाश को गिरफ्तार करने में आंतरी टीआई देवेंद्र मिश्रा, एसआई प्रमोद शर्मा, आरक्षक

संदीप यादव, रविशंकर राजावत, धर्मेंद्र गुर्जर, श्रीकृष्ण गुर्जर व महिला आरक्षक मोनिका राजावत की सराहनीय भूमिका रही।

इस वारदात को दिया था अंजाम

ग्राम कीरतपुरा निवासी 17 साल 7 माह की किशोरी ने बीती 13 मार्च को आंतरी थाने में अपने पिता के साथ पहुंचकर शिकायत की थी, कि वह ग्राम मकौड़ा में स्थित डॉ. एसएस राठौर स्कूल मे पढ़ती है, उसी स्कूल में पढ़ने वाला आंतरी का रहने वाला सत्यम कुशवाह आये दिन मुझे परेशान करता था, जो कहता कि मैं तुम्हें पसंद करता हूं। इस बारे में मैंने अपनी मां को बताया, तो मेरे घरवालों ने उसे समझाया, किंतु वह नहीं माना। बीती आठ मार्च की दोपहर को मैं अपने भाई के साथ बाइक से स्कूल से घर लौट रही थी, इसी दौरान सत्याम ने छीमक रोड स्थित मकौड़ा रेलवे क्रॉसिंग के पास अपनी बाइक हमारी बाइक के सामने लगाकर हमें रोक लिया, तथा मेरा हाथ पकड़कर जबरदस्ती मेरे साथ छेड़छाड़ करने लगा। जब मैंने एवं मेरे भाई ने उसका विरोध किया, तो उसने कमर से कट्टा निकाल लिया और गालियां देते हुए मुझे व मेरे भाई को जान से खत्म करने की धमकी देने लगा। हंगामा होता देख जब अन्य राहगीर व ग्रामीण जुटने लगे, तो आरोपी वहां से भाग निकला। पुलिस द्वारा पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 74, 126(2), 296, 351(3) व 7/8 पॉक्सो एक्ट एवं इजाफा धारा 25/27 आर्म्स के तहत एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी, लेकिन वह लगातार फरार बना हुआ था।

पंजाबी परिषद समिति के निशुल्क जलसेवा कार्य का शुभारंभ

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

पंजाबी परिषद समिति द्वारा पिछले 30 वर्षों से रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर एक, पार्सल ऑफिस के पास चली आ रही निशुल्क जल सेवा का शुभारंभ गंगादास की बड़ी गौशाला के महंत रामसेवक दास महाराज के मुख्य आतिथ्य में श्री गणेश का पूजन एवं विधिवत पूजा अर्चना करते हुए किया। जिसमें विशेष अतिथि ग्वालियर रेलवे स्टेशन के डायरेक्टर एलएन सोलंकी एवं स्टेशन मैनेजर जेएस राठौर उपस्थित रहे। पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं सभी जल सेवकों का उत्साहवर्धन समिति के मुख्य परामर्शदाता कुलवीर भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम में अशोक मारवाह, प्रमिला मारवाह (जल संयोजिका), जीके सूरी, आत्मप्रकाश मोंगिया, बीके आनन्द, एच सी कोचर (फूलबाग गुरुद्वारा), डॉ. पुष्पेंद्र भसीन (अपोलो हॉस्पिटल एवं भसीन हॉस्पिटल), डॉ. राहुल सप्रा, डॉ. मोहनलाल अरोरा, डॉ. गिरीश अरोरा, डॉ. एलएन अरोरा, रामकुमार चौपड़ा, मोहनलाल अरोड़ा, विनोद सूरी, बबीता डाबर, मनोहर भल्ला, दुष्यंत साहनी, भूषण भल्ला, ममता भल्ला, श्याम भल्ला, मीना भल्ला, राधा ठकराल, सुमन चावला, अजय सप्रा, संजय सप्रा, पीके राठौर, एडवोकेट बीडी वर्मा, आकाश (चंडीगढ़), प्रमोद गुप्ता, रीना चौहान, अनिल मल्होत्रा, नवीन चानना, गौरव अरोरा, निर्मल अरोरा, आलोक संध्या चिचड़ा, दिनेश भल्ला, संतोष मोंगिया, केबी गम्भीर, नरेंद्र बेदी, साकेत आनंद, अनिल कपूर, अनीता कपूर, रीना कपूर, रीता मल्होत्रा, संगीता मल्होत्रा, पंकज चौहान, राजीव हरितवाल, इंदू चौपड़ा, ममता वालिया, सविता अरनेजा, सुनीता शर्मा, दीपेश-शोभा शौरी, रीना गंडोत्रा, सिम्मी कुकरेजा, लक्ष्मी जुनेजा, केएन राठौर, पुष्पलता, एनके खंडेलवाल, यशपाल कपूर, परमजीत सिंह सिद्धू, केवल सिंह गूगल, गेंदालाल, राजेंद्र परिहार, रामशरण, सरिता अरोरा, मोनिका अरोरा, प्रीति अरोरा, सीमा समाधिया, जीडी वर्मा, शिवनारायण गुप्ता, राकेश, शरद गुप्ता, सीपी श्रीवास्तव, भावना एवं मीडिया प्रभारी राजू शर्मा सहित अन्य सभी जलसेवक उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन धान की बजाय किसान मूंग, तिल एवं सन व ढैंचा की फसल उगाएं : एसडीएम

भितरवार। ग्रीष्मकालीन धान की बजाय किसान मूंग, तिल एवं सन व ढैंचा उगाएं क्योंकि हरसी बांध में पानी कम होने से ग्रीष्मकालीन धान के लिये पानी मिलने में आने वाली कठिनाई को देखते हुए किसानों को ग्रीष्म काल में धान की बजाय ग्रीष्मकालीन दलहनी फसलें जैसे मूंग, तिल व ढैंचा उगाने की सलाह दी गई है। इन फसलों से खेत की मृदा (मिट्टी) का उर्वरा संतुलन बना रहता है। साथ ही ये फसलें कम पानी, कम समय और कम मेहनत में अच्छा व लाभदायक उत्पादन देती हैं। यह बात भितरवार एसडीएम देवकीनंदन सिंह ने कृषि विभाग की बैठक के दौरान कहीं । सोमवार को एसडीएम कार्यालय में उत्पादन को लेकर आयोजित हुई समीक्षा बैठक में एसडीएम डीएन सिंह ने बताया कि ग्रीष्मकालीन धान में पानी की

अत्यधिक जरूरत पड़ती है। मौजूदा वर्ष में हरसी जलाशय में पानी की उपलब्धता कम है और इस वजह से क्षेत्र का जल स्तर भी नीचे है। ग्रीष्मकालीन धान व उसके बाद खरीफ में धान की फसल लगाने से पोषक तत्वों का अत्यंत दोहन हो जाता है और मृदा की उर्वरता अर्थात उत्पादन क्षमता बुरी तरह प्रभावित हो जाती है। साथ ही ग्रीष्मकालीन धान में पेस्टीसाइड एवं दवाइयों के अधिक उपयोग से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। ऐसी स्थिति को देखते ग्रीष्मकाल में धान की बजाय मूंग उगाने से खरीफ के सीजन में समय से धान लगाई जा सकती है। जाहिर है कि खरीफ की धान की समय से कटाई हो जाती है और गेहूं की बुवाई कर अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इससे फसल चक्र के सिद्धांत का भी पालन हो जाता है जो खेत की उत्पादन क्षमता बनाए रखने के लिये अत्यंत जरूरी है। किसान ग्रीष्मकाल में मूँग के अलावा तिल की फसल भी उगा सकते हैं। साथ ही खरीफ में जिस रकबे में धान प्रस्तावित है, उसमें हरी खाद प्राप्त करने के लिये सन या ढेंचा उगा सकते हैं। इसके खेतों में पडने पर मृदा की उर्वरता उच्च स्तर पर पहुँच जाती है।

इसलिए ब्लॉक के सभी किसानों से मौजूदा वर्ष में गर्मी की धान न लगाने और उसके स्थान पर मूंग, तिल अथवा सन या ढेंचा लगाकर अधिक उत्पादन प्राप्त करने और पर्यावरण व मृदा संरक्षण में सहयोग देने की अपील की गई है। एसडीएम कार्यालय में बैठक के दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गौरव दीक्षित सहित कृषि विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन बिल्डिंग का छठवां माला पड़ोस के मकान पर गिरा, युवक दबा

■ जनकगंज थाना इलाके में हुआ हादसा, ठेकेदार पर दर्ज हुई एफआईआर

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

सात मंजिला निर्माणाधीन बिल्डिंग का छठवां माला अचानक भरभराकर पड़ोस के मकान पर जा गिरा, जिससे घर- गृहस्थी का सामान क्षतिग्रस्त होने के साथ ही मलबे में एक युवक दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तीन दिन पूर्व जनकगंज थाना इलाके में हुआ, जिसमें पीड़ित गृहस्वामिनी की शिकायत पर पुलिस द्वारा बीते रोज लापरवाह ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है। जनकगंज थाना क्षेत्रांतर्गत बाई

साहब की परेड स्थित पाटनकर का पायगा में ठेकेदार पवन ऐरन द्वारा सात मंजिला बिल्डिंग का निर्माण करवाया जा रहा है। जिसमें गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है, यही कारण है कि बीते गुरुवार की शाम साढ़े बजे के लगभग अचानक उक्त निर्माणाधीन बिल्डिंग का छठवां माला अचानक भरभराकर ढह गया। जिसका मलबा पड़ोस में रहने वाली कल्पना पत्नी बृजनारायण शर्मा के घर पर गिरा, जिससे उनके कमरे का टीनशैड टूट जाने से रूम में बैठे बृजनारायण मलबे के नीचे दब जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं कमरे में रखे दो लोहे के पलंग, कूलर, अलमारी, पंखा व टीवी सहित गृहस्थी का अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया।

क्षेत्र में मचा हड़कंप

निर्माणाधीन बिल्डिंग का छठवां माला गिरने से समूचे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आसपास के रहवासी घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। जिन्होंने मलबे में फंसे बृजनारायण को मशक्कत कर बाहर निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया। वहीं हादसे की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, जिसने घटनास्थल की पड़ताल करने के उपरांत घटना के तीन दिन बाद पीड़ित गृहस्वामिनी कल्पना शर्मा की शिकायत पर लापरवाह ठेकेदार पवन ऐरन को आरोपी बनाते हुए उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 125, 125ए व 290 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

सीएमराइज स्कूल निर्माण में बच्चों की जान के साथ हो रहा खिलवाड़

गुणवत्ता विहीन मटेरियल उपयोग कर ठेकेदार लगा रहा मुख्यमंत्री की मंशा को पलीता

भितरवार। भितरवार में पुलिस हाउसिंग बोर्ड के जरिए बनवाए जा रहे सीएम राइज स्कूल निर्माण में बच्चों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, क्योंकि यहां ठेकेदार द्वारा गुणवत्ताविहीन मटेरियल का उपयोग कर मुख्यमंत्री की मंशा को पलीता लगाया जा रहा है।

यहां बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शिक्षा का स्तर सुधारने के मकसद से जगह- जगह सीएम राइज स्कूल का निर्माण करवाया जा रहा है, इसी क्रम में भितरवार में मेसर्स मुकेश कुमार जैन द्वारा सीएम राइज स्कूल का निर्माण कार्य किया जा रहा है, लेकिन इसमें इतनी अधिक अनियमितताएं बरती जा रही हैं, कि यहां कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है। आलम यह है कि निर्माण एजेंसी द्वारा निर्धारित मात्रा से बेहद कम सीमेंट और सरिया का उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। कंक्रीट प्लांट में 14 बोरी के स्थान पर महज सात बोरी सीमेंट डाली जा रही है। इसकी पर्ची भी नहीं निकाली जा रही है कि कितनी सीमेंट का उपयोग हो रहा है। विश्वसनीय सूत्र की मानें तो इस पूरे कार्य में करीब 30 फीसदी सरिया की चोरी की जा रही है।

पूर्व से घोटालों में लिप्त रही है निर्माण एजेंसी

भितरवार में जिस निर्माण एजेंसी मुकेश कुमार जैन द्वारा सीएमराइज स्कूल का निर्माण करवाया जा रहा है, वह पूर्व से ही घोटालों में लिप्त रही है। जिसने नीमच में गुणवत्ताविहीन न्यायालय भवन का निर्माण करवाया था, जिस पर वहां की बार एसोसिएशन द्वारा उसका तीखा विरोध प्रदर्शन करते हुए उसे ब्लैक लिस्टेड करने की मांग की गई थी। वहीं दतिया में बनाए गए पुलिस हाउसिंग विभाग के क्वार्टर में भी बेहद घटिया किस्म का काम किया गया है।

शेष खुलासा आगे के अंक में...

पानी पीकर दाना चुगकर खुश होकर उड़ जाते हैं

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

साहित्यिक संस्था स्वर धारा की मासिक गोष्ठी वरिष्ठ शायर विजय सेठी अकेला के निवास पर ब्रजेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता और मुरैना से आए डॉ. देवेन्द्र तोमर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। जिसमें विशिष्ट अतिथि नयन किशोर श्रीवास्तव, डॉ. कपिल खोसला तथा इंजीनियर शरद आहूजा रहे। गोष्ठी का संचालन प्रतिपाल सिंह राजावत ने किया। अंत में रंजना सेठी द्वारा आभार व्यक्त किया और शानदार गीत सुनाया

कुछ इस तरह समां बांधा

दूरदराज से पंछी उड़कर छत पर मेरी आते हैं, दाना चुगकर पानी पीकर खुश होकर उड़ जाते हैं।

-नयन किशोर श्रीवास्तव

रिश्ते में सब दिया उसे सम्मान की तरह उसने निभाया बारहा एहसान की तरह।

-प्रतिपाल सिंह राजावत

चार दिन का जीवन सबका क्यों बांधे हो गांठ तुम, निकल जाएंगे जब प्राण तन से किससे करोगे बात तुम।

-एड. रश्मि राठौड़ झील

ऐसी करनी कीजिए जो सुख देवे और निर्मल मन से प्रीति हो शांति रहे सब ठौर।

-रामचरण रुचिर

ज्ञान की गहराई में न जाकर काला अक्षर रह जाता है इसलिए विद्यार्थीओं का पढ़ना लिखना कठिन हो जाता है।

-डॉ. कपिल खोसला

मैं तुम्हें देने बधाई द्वार आया हूं तुम्हारे किन्तु लगता है अभी तुम प्रिय मिलन के मूड में हो।

-डॉ. देवेन्द्र तोमर

पनघट खाली गागर रीती
पल छिन भी लगते हैं रीते।

-ब्रजेश श्रीवास्तव

धूप हो चमकती लेकिन थोड़ी छांव रहे, मृगतृष्णा की दौड़ से दूर अपना गांव रहे।

-सीता चौहान पवन

वो मेरे किस्से कभी सुनते तो होंगे, मुझे याद करके वो रोते तो होंगे।

-रागिनी शर्मा

निसदिन जपता रहता हूं मैं प्रतिपल जिनका नाम, मेरे मन में बसे हुए हैं ऐसे प्रभु श्री राम।

-रोशन मनीष

पुरानी कश्ती को पार लेकर केवल हमारा हुनर गया है नये खेवैये ये न समझें पानी हमारा उतर गया है।

-विजय सेठी अकेला

नीडम आरओबी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे जनता को समर्पित

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर के विकास में नए अध्याय के रूप में जुड़ने जा रहे नवनिर्मित आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) को मंगलवार 8 अप्रैल को जनता को समर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस आरओबी का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। चंद्रवदनी नाका से न्यू कलेक्ट्रेट मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग क्रमांक 418 पर विवेकानंद नीडम के समीप लगभग 42 करोड़ 80 लाख रूपए की लागत से यह आरओबी बनकर तैयार हुआ है। लोकार्पण कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, उद्यानिकी एवं सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह तथा ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर भी शामिल होंगे।

असामाजिक तत्वों का कारनामा, कृषि मंडी के मुख्य द्वार को लगाई आग

भितरवार। सोमवार की सुबह करीब 6:00 बजे भितरवार कृषि उपज मंडी में एक बड़ी घटना सामने आई है जिसमें एक व्यक्ति ने मंडी के मुख्य द्वार पर लगे फाइबर युक्त गेट को आग लगा दी जिससे गेट जलकर राख हो गया है। वहीं उक्त घटना अनाज मंडी में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। जिसको लेकर मंडी सचिव द्वारा सीसीटीवी कैमरे में जो आसामाजिक तत्व आग लगाते हुए कैद हुआ है उसके खिलाफ कार्रवाई किए जाने को लेकर पुलिस थाने में आवेदन दिया है। कृषि उपज मंडी के मुख्य द्वार को आग लगाने की घटना को लेकर कृषि उपज मंडी कार्यालय में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर देखा जाए तो सोमवार की सुबह तकरीबन 6:00 बजे दो व्यक्ति मंडी में प्रवेश करते हुए दिखे। जिसमें से एक व्यक्ति मंडी के गेट के भीतर चला जाता है तो दूसरा व्यक्ति गेट के पास पड़े कचरे को इकट्ठा कर उसमें आग लगा देता है जिससे फाइबर बोर्ड से बना गेट

देखते ही देखते जलकर राख हो जाता है। कृषि उपज मंडी में रात्रि कालीन ड्यूटी करने वाला कर्मचारी या आसपास के लोग घटना को लेकर कुछ समझ पाते उससे पहले ही गेट जलकर राख हो गया। गनीमत रही की रात्रि कालीन ड्यूटी पर रहने वाले मंडी कर्मचारी एवं आसपास के लोगों ने जब आग को विकराल रूप लेकर धधकते हुए देखा तो उन्होंने तत्काल पानी डालकर आग को बुझाया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी नहीं तो आग विकराल रूप लेकर अनाज मंडी में किसानों से व्यापारियों के द्वारा खरीदे गए अनाज को भी नुकसान पहुंच सकता था। बता दे की भितरवार कृषि उपज मंडी द्वारा वर्ष 2017-18 में करीब 10 लाख रुपए की लागत से मुख्य द्वार का निर्माण करवाया था। जिसका कुछ दिन पहले ही लगभग ढाई लाख रुपया खर्च कर मेंटेनेंस भी कराया गया था। लेकिन अज्ञात आसामाजिक तत्वों के द्वारा बड़ी सोची समझी साजिश के तहत अनाज मंडी के मुख्य द्वार को आग लगाकर जला दिया गया है। उक्त घटना की जानकारी जैसे ही मंडी सचिव नवीन चंद्र कुमार पांडेय को लगी तो वह तत्काल मौके पर पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना भितरवार पुलिस को दी। उसके बाद मंडी कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरा से आग लगाने वाले व्यक्ति के प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मंडी सचिव द्वारा भितरवार पुलिस थाने में आवेदन देकर घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। वहीं उन्होंने कार्यालय स्तर पर भी उक्त घटना की जांच प्रारंभ कर दी है।

लघु उद्योग एवं रोजगार के क्षेत्र में प्रेरणा स्त्रोत बना प्रेरणा स्वयं सहायता समूह : आशा सिंह

भितरवार। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की ओर से प्रांत ईकाई महिला एवं रोजगार श्रृजन आयाम द्वारा आयोजित उद्यमिता प्रोत्साहन एवं ग्राहक जागरूकता समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न समितियों द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा स्थापित स्वरोजगार की कड़ी में अपनी अपनी स्टॉल लगाकर स्व निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। जिसमें चीनोर, मेंहगांव और डबरा के स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्वनिर्मित वस्तुओं की गुणवत्ता एवं उपयोगिता को सराहा गया और कार्यक्रम के मुख्य अतिथियो द्वारा भी सराहना की गई। इस दौरान राष्ट्रीय महिला इकाई की प्रमुख आशा सिंह व अखिल भारतीय

ग्राहक पंचायत ने कहा कि लघु उद्योग के माध्यम से रोजगार के क्षेत्र में प्रेरणा समूह वाकई प्रेरणा स्त्रोत का कार्य कर रहा है। साथ ही प्रियंका कुशवाहा प्रांत प्रमुख रोजगार श्रृजन महिला आयाम ने कहा कि जहां चाह है, वहां राह है। स्वयं रोजगार स्थापित कर स्वयं एवं अन्य सभी को स्वाबलंबन को लेकर प्रेरणा दायी कार्य कर प्रोत्साहन किया जा रहा है। इसमें कार्य करने वाली सभी महिलाएं और किशोरी बालिकाएं बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रेरणा संस्था के 3 प्रेरणा स्त्रोत रूपाली सिंह को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार स्थापित के क्षेत्र में, शीतल अम्ब को शिक्षा क्षेत्र में ड्रॉपाउट को पुनः स्कूल भेजने, रैखा बरैया को स्वरोजगार क्षेत्र में सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

ब्रीफ न्यूज

लिस्बन पहुंचीं मुर्मू, 27 साल बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति का पहला पुर्तगाल दौरा

लिस्बन । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन पहुंचीं। यह पुर्तगाल और स्लोवाकिया की उनकी 7 से 10 अप्रैल तक की चार दिन की राजकीय यात्रा की शुरुआत है। मुर्मू यह दौरा पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर कर रही हैं। यह यात्रा 27 साल बाद हो रही है। इससे पहले 1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति के. आर. नारायणन ने पुर्तगाल की राजकीय यात्रा की थी। 9 से 10 अप्रैल को राष्ट्रपति मुर्मू स्लोवाकिया में रहेंगी। यह यात्रा स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेल्लेग्रिनी के निमंत्रण पर हो रही है। पिछले 29 वर्षों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की यह पहली स्लोवाकिया यात्रा होगी। इससे पहले, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, %राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुर्तगाल और स्लोवाक गणराज्य की राजकीय यात्रा के लिए प्रस्थान किया। पिछले 25 वर्षों से ज्यादा समय बाद भारत की राष्ट्रपति की इन दोनों देशों में पहली राजकीय यात्रा है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा, यह यात्रा भारत के इन दोनों अहम यूरोपीय साझेदारों के साथ बहुआयामी सहयोग को और विस्तार देगी। उन्होंने इसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक यात्रा बताया। पुर्तगाल यात्रा के बारे में जानकारी साझा करते हुए सचिव तन्मय लाल ने कहा कि राष्ट्रपति की यात्रा ऐतिहासिक बन जाती है क्योंकि भारत और पुर्तगाल इस समय अपने राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे कर रहे हैं। यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती और साझेदारी को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, भारत के राष्ट्रपति की पुर्तगाल की पिछली यात्रा को 27 साल हो चुके हैं, इसलिए यह यात्रा बहुत प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक है। राष्ट्रपति पुर्तगाल के राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा के निमंत्रण पर वहां जा रही हैं। सचिव लाल ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और पुर्तगाल के बीच उच्च स्तरीय दौरे लगातार हुए हैं, जो दोनों देशों के बीच मजबूत और सक्रिय संबंधों को दर्शाते हैं।

दक्षिण कोरिया में आग बुझाने के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

सियोल। दक्षिण-पूर्वी दक्षिण कोरिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां रविवार को जंगल में लगी आग बुझाने के दौरान दौरान एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें हेलीकॉप्टर के पायलट की मौत हो गई। यह हेलीकॉप्टर जंगल की आग बुझाने के लिए उड़ान भर रहा था। स्थानीय अग्निशमन कार्यालय के अनुसार, यह दुर्घटना डेगू शहर की पहाड़ी पर लगी आग को बुझाने के दौरान हुई। हालांकि, हादसे के बाद आग को लगभग एक घंटे के भीतर बुझा लिया गया था। पिछले महीने दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्रों में अब तक की सबसे भीषण जंगल की आग लगी थी। तेज हवाओं और शुष्क मौसम की वजह से कई जगह आग ने काफी तबाही मचाई थी और बड़ी मात्रा में भूमि जल गई थी। गौरतलब है कि पिछले महीने के अंत में दक्षिण कोरिया में लगी आग के चलते इलाके में जबरदस्त तबाही मची है।

राजभवन में शहीदों के परिवारों से मिले शाह

सीमा सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए किया तकनीकी उपायों का एलान

एजेंसी ■ कठुआ

गृह मंत्री अमित शाह ने आज कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास स्थित बीएसएफ पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने बीएसएफ के जवानों की सराहना की और उनके कठिन हालात में देश की सीमाओं को बचाने के उनके प्रयासों को सराहा। गृहमंत्री ने कहा कि बीएसएफ के जवानों द्वारा सीमाओं की रक्षा में संघर्ष की कोई तुलना नहीं की जा सकती। उन्होंने जवानों की साहस और समर्पण की प्रशंसा की और उनके योगदान का उच्चतम सम्मान दिया। जिले में भारत-पाक सीमा पर अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और कहा कि सरकार सीमा सुरक्षा को और बेहतर बनाने के लिए नई तकनीकों का उपयोग करेगी। उनका कहना था कि विशेष

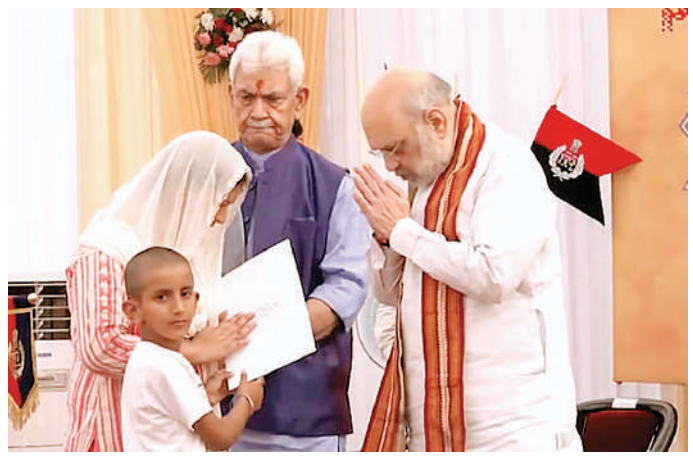

रूप से भूमिगत सीमा पार सुरंगों को खोजने के लिए तकनीकी उपायों को लागू करना चाहिए। शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बलों को इन नई तकनीकों से अधिक कुशलता से काम करने का मौका मिलेगा।

गृहमंत्री और उपराज्यपाल ने शहीदों के परिवारों को हर संभव मदद देने का वादा किया

राजभवन में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन ग्यारह शहीदों के परिवारों से मुलाकात की, जो आतंकवादी हमलों में मारे गए थे। गृहमंत्री और उपराज्यपाल ने शहीदों के परिवारों से संवेदना व्यक्त की और सरकार की ओर से पूरी तरह से मदद करने का वादा किया। शहीदों के परिवारों ने इस दौरान अपनी मुश्किलों और संघर्षों को साझा किया, जो वे शहीदों की मौत के बाद झेल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि देश कभी नहीं भूल सकता कि शहीदों का बलिदान हुआ है और उनके परिवारों को हर संभव सहायता दी जाएगी।

ग्रेटर कैलाश लूट मामले का मास्टरमाइंड निकला हत्यारा, एडवोकेट राहुल का काला खेल, पुलिस ने खोला राज

जम्मू। ग्रेटर कैलाश लूट मामले में पुलिस ने एक और बड़ा खुलासा किया है। मुख्य आरोपी एडवोकेट राहुल शर्मा ने अपने ही साथी हर्ष देव शर्मा (सतवारी निवासी) की हत्या करवाई थी। हर्ष को इस लूट की जानकारी थी और वह अपना हिस्सा मांग रहा था। जब राहुल ने हिस्सा देने से इन्कार किया तो हर्ष ने धमकी दी कि वह पुलिस को सब कुछ बता देगा। इसी डर से राहुल ने हत्या की साजिश रची। एक अप्रैल को राहुल ने हर्ष, तुषार और भरत को बर्थडे पार्टी के बहाने सतवारी से अपनी स्कॉर्पियो कार में बिठाया और सुरईंसर इलाके में ले गया। वहां हर्ष को खूब शराब पिलाकर बेहोश किया गया और फिर पत्थरों से उसकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को 10 किलोमीटर दूर एक खाई में दफना दिया गया।हर्ष के परिवार ने 5 अप्रैल को उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जब हर्ष के मोबाइल की लोकेशन और कॉल डिटेल्स चेक कीं तो पता चला कि हर्ष का एक दोस्त भरत है, जो बिश्नाह का रहने वाला है। हर्ष और भरत की दोस्ती सुनील कुमार से भी थी, जो ग्रेटर कैलाश लूट मामले में शामिल है। सुनील से पूछताछ में पता चला कि राहुल और अन्य लोगों ने मिलकर हर्ष की हत्या की है।
जब राहुल से पूछताछ की गई तो उसने पूरा सच बता दिया। उसने कहा कि हर्ष लूट के बारे में जानता था और उससे लगातार अपना हिस्सा मांग रहा था। राहुल को डर था कि कहीं हर्ष पुलिस को सब कुछ न बता दे, इसलिए उसने हत्या की साजिश रची।

त्राल मदरसे में लगी भीषण आग

चपेट में आने से नाबालिग छात्र की मौत, छह बच्चे झुलसे

एजेंसी ■ श्रीनगर

पुलवामा के त्राल में स्थित शाह-ए-हमदान दारुल उलूम मदरसे में शनिवार देर रात आग लग गई। आग ने पूरे संस्थान को चपेट में ले लिया। इससे दम घुटने से 10 वर्षीय छात्र की मौत और छह झुलस गए। मृतक यासिर अहमद गागी (10) त्राल का ही रहने वाला था।अधिकारियों के अनुसार देर रात करीब डेढ़ बजे संस्थान में आग लगी। उस समय अंदर दो शिक्षक और 17 छात्र सो रहे थे। देखते ही देखते आग फैल गई। आग लगते ही दोनों शिक्षक और दस छात्र किसी तरह भागकर बाहर निकल आए। सात छात्र अंदर आग की चपेटों में फंस गए। कड़ी मशक्कत कर उनको बाहर निकाला गया। लेकिन, दम घुटने से यासिर अहमद गागी दम तोड़ चुका था। झुलसे बच्चों को तुरंत श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उनका इलाज चल

रहा है। झुलसे बच्चों में माजिद अहमद (12) निवासी गुलशनपोरा, इशफाक अहमद, मोहम्मद अल्ताफ (15), इरफान अहमद, (12), जाविद अहमद, (14) और नासिर अहमद सभी निवासी त्राल शामिल हैं।

मदरसे की इमारत जलकर राख- आग इतनी फैल गई कि मदरसे की इमारत जलकर राख हो गई। दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है।

आरएसपुरा में बीएसएफ का एक्शन पाकिस्तानी घुसपैठिए को किया ढेर रेंजरों ने शव लेने से किया इंकार

एजेंसी ■ जम्मू

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने आरएस पुरा सेक्टर में पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। अब्दुल्लियां क्षेत्र में घुसपैठ का प्रयास किया गया था। इस वारदात के बाद बीएसएफ ने पाकिस्तान रेंजर्स के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। बीएसएफ ने मारे गए घुसपैठिए का शव पाकिस्तान को सौंपने के लिए फ्लैग मीटिंग भी की। लेकिन पाकिस्तानी रेंजरों ने शव लेने से मना कर दिया। बीएसएफ प्रवक्ता के अनुसार 4 और 5 अप्रैल की मध्यरात्रि अब्दुल्लियां में घुसपैठ का प्रयास किया गया। सतर्क बीएसएफ जवानों ने संदिग्ध हलचल देखी और घुसपैठिए को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते देखा गया। जवानों ने घुसपैठिए को चुनौती देकर वापस जाने को कहा, लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया और आगे बढ़ता रहा। जवानों ने खतरा भांपते हुए फायरिंग कर घुसपैठिए को मार गिराया। घुसपैठिए की पहचान नहीं हो पाई है, क्योंकि उसके पास कुछ भी बरामद नहीं हुआ है। न ही

उसके घुसपैठ करने की वजह पता चल पाई है। इस वारदात के बाद मारे गए घुसपैठिए का शव पुलिस के हवाले कर दिया गया। पोस्टमार्टम कराने के बाद बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजरों के साथ दोपहर 1. 10 मिनट पर अब्दुल्लियां क्षेत्र में छोटी फ्लैग मीटिंग कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। सूत्रों ने बताया कि बाद में बैठक के दौरान पाकिस्तानी पक्ष ने घुसपैठिए का शव लेने से इनकार कर दिया। सूत्रों ने बताया कि फ्लैग मीटिंग के दौरान पाकिस्तान ने घुसपैठिए का शव लेने से साफ इंकार कर दिया और कहा कि ये नागरिक उनके देश का नहीं है। हालांकि हर बार पाकिस्तानी रेंजर ऐसा ही करते हैं।

हूतियों का दावा- अमेरिका हमले में चार लोग मारे गए, प्रतिबंध के बाद दक्षिणपंथी ली पेन ने की विशाल रैली

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे आठ आतंकवादियों को मार गिराया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने रविवार को बताया कि 5-6 अप्रैल की रात को उत्तरी वजीरिस्तान के हसन खेल में आतंकवादी पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। सुरक्षा बलों के साथ भीषण गोलीबारी में चार आतंकवादी घायल भी हुए हैं। आईएसपीआर ने कहा कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने और देश से आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। बता दें कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की ओर से नवंबर 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद, पाकिस्तान में पिछले एक साल में (विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में) आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई है। जॉर्जिया के तटीय इलाके में रविवार सुबह एक कार

हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई हादसा आई-95 पर मैकिनटोश काउंटी में सुबह करीब छह बजे हुआ, जब एक वाहन दूसरे वाहन से टकरा गया और फिर वह जलने लगा। राज्य की पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान रेगन डूगन (27 वर्षीय) और उनके चार बच्चों के रूप में हुई है, जिनकी उम्र 9, 4, 2 और 3 महीने थी। डूगन एक किराए की कार से नॉर्थ कैरोलिना के रैले से फ्लोरिडा अपने पति से मिलने जा रही थीं। उनके पति को भी हादसे के बारे में सूचित कर दिया गया है। दूसरे वाहन के यात्री को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

अदालत ने अवामी लीग समर्थक 70 वकीलों को भेजा जेल

बांग्लादेश की एक अदालत ने अवामी लीग समर्थक 70 वकीलों को जेल भेज दिया है। उनके खिलाफ पिछले साल हुए हिंसक छात्र आंदोलन के दौरान मारपीट व हत्या के प्रयास के मामले दर्ज थे। इस आंदोलन के कारण अवामी लीग प्रमुख व तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। हसीना फिलहाल भारत में हैं। कोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि ढाका मेट्रोपोलिटन सेशन जज मोहम्मद जाकिर हुसैन ने जमानत देने से इन्कार करते हुए वकीलों को जेल भेजने का आदेश दिया।

जापान में हादसा, समुद्र में मेडिकल हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

टोक्यो । जापान के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट हेलीकॉप्टर समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में मरीज और दो अन्य लोगों की मौत हो गई। जापान के तट रक्षक की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हादसे के बाद तीन लोगों की जान बचाने में कामयाबी हासिल हुई है। जिनकी जान बचाई गई, उनमें पायलट हिरोशी हमादा (66), हेलीकॉप्टर मैकेनिक काजुतो योशिताके और एक 28 साल की नर्स सकुरा कुनीताके शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, तट रक्षक ने उन्हें तब बचाया, जब वे पानी में लाइफसेवर से चिपके हुए पाए गए। तीनों को हाइपोथर्मिया हुआ था, लेकिन वे होश में थे। हादसे में मेडिकल डॉक्टर केई अरकावा (34), 86 साल के मरीज मित्सुकी मोटोइशी और उनकी देखभाल करने वाले 68 साल के काजुयोशी मोटोइशी की मौत हो गई। उनके शव बाद में जापान एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के हेलीकॉप्टर के जरिए तलाशी अभियान चलाकर बरामद किए गए। बचाव अभियान के तहत तटरक्षक बल ने दो विमानों और तीन जहाजों को क्षेत्र में उतारा।

इस्राइल का गाजा में

अस्पतालों के नजदीक हमला, पत्रकार समेत दो की मौत, कई अन्य घायल

एजेंसी ■ गाजा

इस्राइल ने रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि गाजा पर हवाई हमला किया। ये हमला अस्पतालों के नजदीक बने तंबुओं पर किया गया, जिसमें पत्रकार समेत दो लोगों की मौत हो गई। साथ ही इस हमले में नौ लोग घायल हुए हैं, जिनमें से छह पत्रकार बताए जा रहे हैं। वहीं इस्राइल के एक अन्य हमले में 15 लोगों की मौत हो गई।
मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा में खान यूनिस अस्पताल के पास सुबह करीब दो बजे हमला हुआ, जिससे वहां लगे टेंट में आग लग गई। इस हमले में गाजा के एक स्थानीय टीवी चैनल के पत्रकार यूसुफ अल फाकवी समेत दो लोगों की मौत हो गई। इस हमले में छह अन्य पत्रकार घायल भी हुए। वहीं इस्राइली सेना ने कहा है कि उन्होंने हमास के ठिकानों को निशाना बनाया। इस्राइल ने हमास पर आरोप लगाया है कि उसके आतंकी घनी आबादी के बीच रहते हैं, जिसकी वजह से आम नागरिकों की जान जाती है। इसके अलावा गाजा के दीर अल बलाह शहर के

अल अक्सा अस्पताल के पास भी हमला हुआ, जिसमें तीन लोग घायल हुए। हमास के साथ बीते हफ्ते युद्धविराम बातचीत रुकने के बाद से इस्राइल द्वारा गाजा में हमले तेज कर दिए गए हैं। साथ ही इस्राइल ने गाजा में खाने, ईंधन और दवाइयों की सप्लाई भी रोक दी है।

अमेरिका दौरे पर इस्राइली पीएम

इस्राइल ने हमास द्वारा बचे हुए बंधकों की रिहाई न होने तक हमले जारी रखने की बात कही है। इस्राइल के हमलों में गाजा में 50 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस्राइल का दावा है कि उसके हमलों में हमास के 20 हजार से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। हालांकि इस्राइल ने अपने दावे के पक्ष में कोई सबूत नहीं दिया है। सोमवार को इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी दौरे पर जा रहे हैं। जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति ट्रंप से होगी। दोनों नेताओं के बीच गाजा को लेकर अहम बातचीत हो सकती है।

समीक्षा जम्मू और कश्मीर के सचिव डॉ. सैयद आबिद राशिद शाह ने एक प्रमुख भाषण दिया

अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियों पर श्रीनगर में राष्ट्रीय समीक्षा बैठक

डॉ. सैयद आबिद रशीद ने दी जानकारी

एजेंसी ■ श्रीनगर

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर ने भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से श्रीनगर में श्री अमरनाथ जी यात्रा 2025 के लिए एक राष्ट्रीय समीक्षा बैठक की। प्रमुख हितधारकों, वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों को बैठक में लाया गया था ताकि वे पिछले घटनाओं की समीक्षा कर सकें, तैयारियों पर चर्चा कर सकें और श्री अमरनाथ जी की आगामी यात्रा के दौरान चिकित्सा सेवाओं के लिए समन्वय ढांचे को बढ़ा सकें। मुख्य अतिथि, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा (एच एंड एमई) जम्मू और कश्मीर के सचिव डॉ. सैयद आबिद राशिद शाह ने एक प्रमुख भाषण दिया।
उन्होंने तीर्थयात्रियों के लिए एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्यों को अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र देने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की जरूरत पर बल दिया और यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि इच्छुक

तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य स्थिति की पूरी तरह से जांच करने के बाद ही जारी किए जाएं।
अमरनाथ के यात्रा कर्तव्यों के लिए विशेषज्ञों और चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिए राज्यों की सराहना की और उम्मीद की कि राज्यों और भारत सरकार के संस्थानों ने आगामी यात्रा 2025 के लिए अपेक्षित संख्या के अनुसार कर्मचारियों की नियुक्ति करेंगे। उनका ध्यान विशेष रूप से श्वसन चिकित्सकों, एनेस्थेटिस्टों और हृदय रोग विशेषज्ञों की जरूरत पर था। एम्स (नई दिल्ली, रायपुर, जोधपुर, भुवनेश्वर, पटना, भोपाल, ऋषिकेश), पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, जेआईपीएमईआर पुडुचेरी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय मेडिकल कॉलेज, आरएमएल अस्पताल, एलएचएमसी, सफदरगंज अस्पताल, नई दिल्ली और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मेडिकल कॉलेज इस बैठक में भाग लेने वाले प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों में से एक था। बैठक में जम्मू, श्रीनगर और अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेजों ने भी भाग लिया।

अमेरिका पर टूटा प्रकृति का कहर

कई दिनों की बारिश से बाढ़ का खतरा तूफान में हो चुकी है 18 लोगों की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के दक्षिणी और मध्य पश्चिमी इलाके पहले से ही बाढ़ से जूझ रहे हैं। अब कई दिनों से हो रही भारी बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और इससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई है। इससे उन समुदायों पर खतरा बढ़ गया है, जो पहले से ही भारी बारिश और आंधी के कारण परेशान है। बता दें कि तूफान और बारिश से अमेरिका के दक्षिणी और मध्य पश्चिमी इलाकों में कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है।
अर्कांसस, टेनेसी और केंटकी सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाके हैं और यहां लोगों के घरों में पानी घुस गया है और सड़कें जलमग्न हो गई हैं। केंटकी के फ्रैंकफर्ट में सड़कों पर नाव चलती दिखाई दी। केंटकी नदी का जलस्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ गया है। रविवार को नदी का जलस्तर 47 फीट तक बढ़ गया। फ्रैंकफर्ट शहर के मेयर ने बताया कि शहर की दीवार 51 फीट तक ऊंची बाढ़ का सामना करने के लिए डिजाइन की गई है। अलबामा, जॉर्जिया और फ्लोरिडा में रविवार को पूरे दिन बारिश और तूफान की चेतावनी जारी की गई है। इससे लोगों में डर का माहौल है। बुधवार से शुरू हुए तूफान और बारिश में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 10 लोगों की मौत टेनेसी में हुई है।

घर पर खुद से तुलसी के पौधे उगने से मिलता यह शुभ संकेत

हिंदू धर्म में तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं है। वह भक्ति है, वह आस्था है का शुभ संकेत है। तुलसी को देवी लक्ष्मी का रूप और भगवान विष्णु की प्रिया माना जाता है। जब वह बिना बोए आपके आंगन में उगती है, तो यह कोई सामान्य घटना नहीं होती।

कहते हैं कि प्रकृति वो खूबसूरत भाग है, जो चुपचाप कोई संदेश भेजती है, बिना कहे, बिना शोर मचाए। प्रकृति को किसी भी मानवीय छेड़छाड़ की जरूरत नहीं पड़ती है। वह खुद को खूबसूरत बनाने में सक्षम है। हालांकि, कई बार प्रकृति कुछ ऐसी चीजें भी कर जाती है, जिस पर हमें बिल्कुल भी भरोसा नहीं होता है। क्या आपने भी कहीं देखा है कि जब तुलसी का पौधा अपने आप घर में उग आता है। न किसी ने बीज बोया, न कोई योजना बनाई और फिर भी, वो नन्हा-सा हरा चमत्कार मिट्टी से सिर उठाकर खड़ा हो जाता है, जैसे कह रहा हो कि मैं तुम्हारे घर आया हूं। तो कितना अच्छा लगता है। तो इसी क्रम में आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर घर में खुद-ब-खुद तुलसी का पौधा उग जाए तो यह कैसा संदेश देती है।

तुलसी के पौधे के उग जाने का क्या है मतलब? हिंदू धर्म में तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं है। वह भक्ति है, वह आस्था है का शुभ संकेत है। तुलसी को देवी लक्ष्मी का रूप और भगवान विष्णु की प्रिया माना जाता है। जब वह बिना बोए आपके आंगन में उगती है, तो यह कोई सामान्य घटना नहीं होती। यह माना जाता है कि आपके घर की भूमि इतनी पवित्र हो चुकी है कि उसमें खुद देवी ने अपना वास चुन लिया है। कहा जाता है कि ऐसे समय में घर पर भगवान की कृपा बरस रही होती है। यह एक चुपचाप दिया गया आशीर्वाद होता है। यह संकेत देता है कि अब नकारात्मक ऊर्जा का नाश होगा, और उसका स्थान शांति, सुख और समृद्धि लेने वाली है। वहीं, इससे जुड़ी एक और मान्यता यह है कि कुछ लोगों का यह भी मानना है कि पूर्वजों की आत्माएं इस रूप में अपना आशीर्वाद भेजती हैं। जैसे किसी अनकहे वचन में वे आपको भरोसा दिला रही हों कि आप अकेले नहीं हैं। जब तुलसी अपने आप उगती है, तो उस पौधे की देखभाल केवल बागवानी नहीं रह जाती, वह एक सेवा बन जाती है। तुलसी के पौधे को रोज जल देना, उसके पास दीपक जलाना चाहिए, जिससे आपके पूर्वजों का आशीर्वाद आपको मिलता रहे। यह बात ध्यान देने की है कि अगर आपके भी घर में खुद ही तुलसी का पौधा उग जाता है तो ऐसे में उसे उखाड़ना या अनदेखा करना अशुभ माना जाता है। उसके लिए घर में उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा सबसे पवित्र मानी जाती है। इससे घर में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। यही नहीं, तुलसी का पौधा इस बात का भी प्रतीक है कि आपको व्यवसाय या फिर बिजनेस में काफी अच्छी और बड़ी सफलता मिलने वाली है और घर में धन वर्षा और समृद्धि लाने वाली है। ऐसे में आप भी इस पौधे की खूब सेवा करें।

टैरिफ युद्ध का नहीं होगा भारतीय अर्थव्यवस्था पर अधिक प्रभाव

▪ प्रहलाद सबनानी

अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है।

2 अप्रैल 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा, विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयातित उत्पादों पर की गई टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही अंततः अमेरिका द्वारा पूरे विश्व में टैरिफ के माध्यम से व्यापार युद्ध छेड़ दिया गया है। अभी, अमेरिका ने विभिन्न देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर विभिन्न दरों पर टैरिफ लगाया है। अब इनमें से कई देश अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर रहे हैं, जैसे चीन ने अमेरिका से चीन में आयात होने वाले उत्पादों पर दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 34 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है। टैरिफ के माध्यम से छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारत पर कोई बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना कम ही है। दरअसल, अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर अलग अलग दर से टैरिफ लगाने की घोषणा की है और साथ ही कुछ उत्पादों के आयात पर फिलहाल टैरिफ की नई दरें लागू नहीं की गई हैं। टैरिफ की यह दरें 9 अप्रैल 2025 से लागू होंगी। विभिन्न देशों से अमेरिका में आयात होने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत की दर से न्यूनतम टैरिफ लगाया गया है। साथ ही, कुछ अन्य देशों यथा चीन से आयातित उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। इसी प्रकार, वियतनाम से आयातित उत्पादों पर 46 प्रतिशत, ताईवान पर 32 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, इंडोनेशिया पर 32 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत, कम्बोडिया पर 49 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत और इसी प्रकार अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भी अलग अलग दरों से टैरिफ लगाने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की है। कुछ उत्पादों जैसे, स्टील, एल्यूमिनियम, ऑटो, ताम्बा, फार्मा उत्पाद, सेमीकंडक्टर, एनर्जी, बुलीयन एवं अन्य महत्वपूर्ण मिनरल्स को अमेरिका में आयात पर टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। अमेरिका का मानना है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देश अमेरिका में उत्पादित वस्तुओं के आयात पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमेरिका में इन देशों से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर अमेरिका द्वारा बहुत कम दर पर टैरिफ लगाया जाता है अथवा बिलकुल नहीं लगाया जाता है। जिससे, अमेरिका से इन देशों को निर्यात कम हो रहे हैं एवं इन देशों से अमेरिका में आयात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस प्रकार, अमेरिका का व्यापार घाटा असहनीय स्तर पर पहुंच गया है। इसके साथ साथ, अमेरिका में विनिर्माण इकाईयां बंद होकर अन्य देशों में स्थापित हो गई हैं और इससे अमेरिका में रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। अब ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिका को पुनः विनिर्माण इकाईयों का हब बनाने के उद्देश्य से अमेरिका को पुनः महान बनाने का आह्वान किया है और इसी संदर्भ में विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर भारी मात्रा में टैरिफ लगाने का निर्णय लिया गया है ताकि अमेरिका में आयातित उत्पाद महंगे हों और अमेरिकी नागरिक अमेरिका में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करने की ओर प्रेरित हों।

वर्तमान में बढ़े हुए टैरिफ का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ेगा और उन्हें अमेरिका में महंगे उत्पाद खरीदने होंगे, क्योंकि नई विनिर्माण इकाईयों की स्थापना में तो वक्त लग सकता है, विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन तुरंत तो बढ़ाया नहीं जा सकता अतः जब तक नई विनिर्माण इकाईयों की अमेरिका में स्थापना हो एवं इन विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन शुरू हो तब तक अमेरिकी नागरिकों को महंगे उत्पाद खरीदने हेतु बाध्य होना पड़ेगा। इससे अमेरिका में एक बार पुनः मुद्रा स्फीति की समस्या उत्पन्न हो सकती है एवं ब्याज दरों के कम होने के चक्र में भी देरी होगी, बहुत सम्भव है कि मुद्रा स्फीति को कम करने की दृष्टि से एक बार पुनः कहीं ब्याज दरों के बढ़ने का चक्र प्रारम्भ न हो जाए। लम्बे समय में जब अमेरिका में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हो जाएगी एवं इन इकाईयों में उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा तब जाकर कहीं मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाया जा सकेगा। विभिन्न देशों से आयातित उत्पादों पर टैरिफ सम्बंधी घोषणा के साथ ही, डॉलर पर दबाव पड़ना शुरू भी हो चुका है एवं अमेरिकी डॉलर इंडेक्स घटकर 102 के स्तर पर नीचे आ गया है जो कुछ समय पूर्व तक लगभग 106 के स्तर पर आ गया था। इसी प्रकार अमेरिका में सरकारी प्रतिभूतियों की 10 वर्ष की बांड यील्ड पर भी दबाव दिखाई दे रही है और यह घटकर 4.08 के स्तर पर नीचे आ गई है, यह कुछ समय पूर्व तक 4.70 के स्तर से भी ऊपर निकल गई थी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़नी प्रारम्भ हो गई है एवं यह पिछले चार माह के उच्चतम स्तर, लगभग 85 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर, पर आ गई है। ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी लिए गए निर्णयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर लम्बी अवधि में तो हो सकता है परंतु छोटी अवधि में तो निश्चित ही यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था को विपरीत रूप से प्रभावित करते हुए दिखाई दे रहा है। अमेरिकी पूंजी बाजार (शेयर बाजार) केवल दो दिनों में ही लगभग 10 प्रतिशत तक नीचे गिर गया है और अमेरिकी निवेशकों को लगभग 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। इतनी भारी गिरावट तो वर्ष 2020 में कोविड महामारी के दौरान ही देखने को मिली थी। यदि यही स्थिति बनी रही तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था कहीं मंदी की चपेट में न आ जाय। यदि ऐसा होता है तो पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। अतः ट्रम्प प्रशासन का टैरिफ सम्बंधी उक्त निर्णय अति जोखिम भरा ही कहा जाएगा। जब पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी तो भारत की अर्थव्यवस्था पर भी कुछ तो विपरीत असर होगा ही।

गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

ललित गर्ग

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं।

संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते? पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

पूजा घर में शंख रखने से मिलते हैं कई लाभ, मां लक्ष्मी के आगमन के हैं साफ संकेत

भारतीय वास्तु शास्त्र और धर्मशास्त्रों में शंख को अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। मान्यता है कि शंख के माध्यम से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर में सकारात्मकता का संचार होता है। यही कारण है कि शंख को पूजा-पाठ, हवन और धार्मिक अनुष्ठानों में विशेष स्थान प्राप्त है। शंख की ध्वनि से रोगाणु और हानिकारक जीवाणु नष्ट होते हैं, जिससे स्वास्थ्य लाभ मिलता है। वास्तु विज्ञान में भी शंख को वास्तु दोष निवारण के लिए अत्यधिक प्रभावी माना गया है।

शंख को भगवान विष्णु का प्रिय माना गया है। समुद्र मंथन में शंख की उत्पत्ति हुई थी, जिसे श्रीहरि ने अपने हाथ में धारण किया। इसलिए इसे विष्णु का प्रतीक मानकर पूजा की जाती है।

मान्यता है कि जहां शंख होता है, वहां धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का स्थायी वास होता है। इसलिए इसे घर में रखने से सुख-समृद्धि बनी रहती है।

शंख बजाने से उत्पन्न ध्वनि तरंगें वातावरण को शुद्ध करती हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि शंखध्वनि से नकारात्मक शक्तियां और बुरी ऊर्जा दूर होती है।

मुख्य द्वार पर शंख रखने से सुरक्षा – यदि घर के मुख्य द्वार पर वास्तु दोष हो, तो वहां शंख रखना शुभ माना जाता है। इससे घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा निष्क्रिय हो जाती है और शुभ ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

शंख जल का छिड़काव –वास्तु दोष निवारण के लिए शंख में जल भरकर पूरे घर में छिड़काव करना अत्यंत लाभकारी होता है। इससे घर का वातावरण पवित्र होता है और नकारात्मकता समाप्त होती है।

शयनकक्ष में शंख रखने से वैवाहिक सुख –यदि दांपत्य जीवन में तनाव है, तो शयनकक्ष में दक्षिणावर्ती शंख रखने से प्रेम और सौहार्द बना रहता है। दुकान या कार्यस्थल में शंख रखने से व्यापार में वृद्धि होती है। विशेष रूप से दक्षिणावर्ती शंख को तिजोरी में रखने से धन-संपत्ति की वृद्धि होती है।

उत्तर-पूर्व दिशा में शंख रखने से सकारात्मक ऊजा –वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में शंख में जल भरकर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

शंख से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण नियम :पूजा में केवल समुद्र से प्राप्त शंख का ही प्रयोग करना चाहिए। शंख में जल भरकर भगवान को अर्पित करने से देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। टूटा या खंडित शंख घर में नहीं रखना चाहिए। शंख को हमेशा साफ और पवित्र स्थान पर रखें।

फीचर

होंठों के लिए घर पर ही बनाएं कॉफी लिप बाम

यूं तो बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, लेकिन कई बार उनमें केमिकल्स ज़्यादा होते हैं या वो फिर वे आपके होंठों पर सूट नहीं करते और आपको इचिंग या जलन का अहसास होता है। तो क्यों न आप खुद ही घर पर एक प्यारा सा, नेचुरल लिप बाम बना लें।

अगर आपको कॉफ़ी की खुशबू बहुत पसंद है और आप उसे अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाते हैं तो अब आप कॉफी को अपने ब्यूटी रूटीन में भी शामिल करें। जी हां, कॉफी की मदद से कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स खुद घर पर ही बनाए जा सकते हैं। यह सिर्फ सुबह की नींद भगाने के लिए नहीं है, बल्कि ये आपकी स्किन, खासतौर से आपके होंठों के लिए बेहद फायदेमंद है। कॉफी आपके होंठों की डेड स्किन को धीरे से हटाती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाती है, और इससे एक हल्का नेचुरल टिंट भी मिलता है। अगर आप चाहें तो कॉफी की मदद से लिप बाम बनाकर बेहद आसानी से उसका इस्तेमाल कर सकती हैं। यूं तो बाजार में कई तरह के लिप बाम मिलते हैं, लेकिन कई बार उनमें केमिकल्स ज़्यादा होते हैं या वो फिर वे आपके होंठों पर सूट नहीं करते और आपको इचिंग या जलन का अहसास होता है। तो क्यों न आप खुद ही घर पर एक प्यारा सा, नेचुरल लिप बाम बना लें। इन्हें बनाना बेहद आसान है और आप अपनी पसंद के अनुसार इसे बेहद ही आसानी से कस्टमाइज भी कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही कॉफी लिप बाम बनाने के आसान तरीके के बारे में बता रहे हैं। सबसे पहले नारियल तेल और बीवैक्स को डबल बॉयलर या माइक्रोवेव में थोड़ी-थोड़ी देर में पिघलाएं। अब इसमें कॉफी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद, इसमें विटामिन ई तेल मिलाएं। तैयार लिप बाम को एक छोटे कंटेनर में डालें और इसे ठंडा होकर जमने दें। यह लिप बाम फटे होंठों को ठीक करने में मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, शहद एक एंटी-बैक्टीरियल है और घाव भरने में मदद करता है।

प्रेरणा

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा।

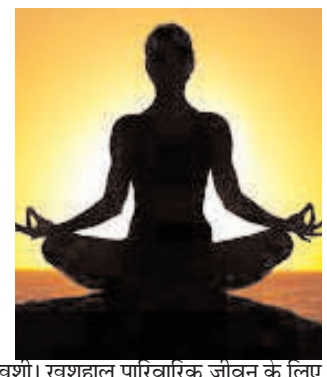

अपनी बात

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस शाखा में हर किसी का स्वागत है बशर्ते व्यक्ति खुद को भारतीय मानता हो और भारत माता के प्रति सम्मान रखता हो। उन्होंने कहा कि शाखाएं उन सभी का स्वागत करेंगी जो भारत माता की जय नारे और भगवा झंडा का सम्मान करते हैं। हम आपको बता दें कि मोहन भागवत इस समय वाराणसी के दौरे पर हैं।

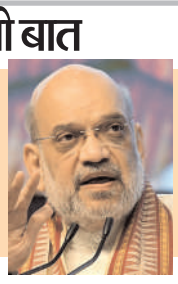

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर सदैव गंभीर रहते हैं। ऐसे में जबकि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर सीमा पर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहा है तब अमित शाह ने खुद जाकर सीमा सुरक्षा की स्थिति देखी है और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। साथ ही उन्होंने कहा है कि सरकार देश की सीमाओं की रक्षा के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली तैनात कर रही है और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की

ब्रीफ न्यूज

खेत किनारे खड़े किसान को कार ने मारी टक्कर, गंभीर घायल को इंदौर किया रैफर

गुना। जिले के आरोन थाना अंतर्गत रायपुर कला गांव के पास गत सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब किसान खेत के पास खड़ा था और तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादी रामकृष्ण धाकड़ पुत्र गजेंद्र सिंह धाकड़ निवासी रायपुर कला ने बताया कि गत सुबह लगभग 8ः30 बजे वह अपने चाचा शिवराम सिंह धाकड़ के साथ गेहूं की कटाई के लिए खेत पर गया था। खेत रायपुर तिराहा के पास, आरोन-सिरोंज रोड किनारे स्थित है। रामकृष्ण ने बताया कि जब वे खेत की मेड़ पर खड़े थे, उसी समय उनके चाचा शिवराम सिंह मोटरसाइकिल के पास सड़क किनारे खड़े थे। पास ही उनका ट्रैक्टर भी खड़ा था। तभी आरोन की ओर से कार एमपी 08-5042 तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए आई और पीछे से शिवराम सिंह को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शिवराम सिंह सड़क से उछलकर खेत में जा गिरे और उन्हें सिर, पीठ, छाती, कमर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। कार असंतुलित होकर आगे खड़े ट्रैक्टर के टायर से टकरा गई और वहीं पलट गई। दुर्घटना के समय मौके पर मौजूद जितेंद्र धाकड़ और कैलाश यादव ने भी पूरी घटना को देखा। घटना के बाद रामकृष्ण और चाचा के बेटे संजीव धाकड़ घायल शिवराम सिंह को तुरंत बुलेरो वाहन से आरोन अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें गुना रैफर किया। स्थिति गंभीर होने के चलते गुना से इंदौर रैफर किया गया।

नशा तस्करों को गांजा उपलब्ध कराने वाला आरोपी दबोचा

गुना। जिले की फतेहगढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक प्रकरण में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल पहुंचाया है। आरोपी द्वारा नशा तस्करों को गांजा उपलब्ध कराया था। उल्लेखनीय है कि गत माह दिनांक 10 मार्च 25 को जिले के फतेहगढ़ थाना पुलिस द्वारा स्प्लेण्डर बाईक पर गांजा तस्करी करते मां-बेटे विमलेश शर्मा और सावित्री बाई शर्मा निवासीगण फतेहगढ़ जिला गुना को गिरफ्तार कर, जिनसे 2.100 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था । आरोपियों का यह कृत्य एनडीपीएस एक्ट के तहत दंडनीय होने से फतेहगढ़ थाने में आरोपी मां-बेटे के विरूद्ध अप.क्र. 58/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया था । पूछताछ पर आरोपियों द्वारा उक्त गांजा गिर्राज साहू निवासी ग्राम पटना थाना धरनावदा से खरीदकर लाना बताए जाने पर प्रकरण में गिर्राज साहू को आरोपी नामजद कर धारा 29 एनडीपीएस एक्ट इजाफा की गई थी । एनडीपीएस एक्ट के उक्त प्रकरण में फरार आरोपी गिर्राज साहू की फतेहगढ़ थाना पुलिस द्वारा सरगर्मी से तलाश की गई। जिसकी तलाश के क्रम में सोमवार को मुखबिर सूचना पर धरनावदा थाना पुलिस द्वारा फरार आरोपी गिर्राज पुत्र ओमकार साहू उर्फ महाकांल निवासी ग्राम पटना, थाना धरनावदा, जिला गुना को भी गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

सड़क पर नहीं दिखेंगी बेसहारा गायें, भूमिपूजन 9 अप्रैल को

44 करोड़ की लागत से बनेगा गोवर्धन गौशाला एवं अनुसंधान केंद्र

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में बेसहारा गौमाता की सेवा के उद्देश्य से 44 करोड़ रुपये की लागत से भव्य गोवर्धन गौशाला, गौअभ्यारण एवं अनुसंधान केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इसका भूमिपूजन 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे खड़ेश्वरी आश्रम के सामने ग्राम पांज में प्रस्तावित स्थल पर होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख अजित महापात्रा एवं विशिष्ट अतिथि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मौजूद रहेंगे।

भूमिपूजन से पहले सोमवार को स्थानीय होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में गोवर्धन गौशाला समिति के अध्यक्ष गिर्राज अग्रवाल ने बताया कि यह परियोजना जिले की सड़कों पर घूम रही बेसहारा, घायल और बीमार गायों के लिए समर्पित है। समिति के पास स्वयं की 140 बीघा भूमि उपलब्ध है, जहां यह केंद्र बनेगा। परियोजना के पहले चरण में 5000 गायों के लिए व्यवस्था की जाएगी। गौशाला में अत्याधुनिक चिकित्सालय भी बनाया जाएगा जहां बीमार और घायल गायों का संवेदनशीलता से उपचार होगा। साथ ही नस्ल सुधार, पंचगव्य चिकित्सा, जैविक खाद, कीटनाशक एवं अन्य उत्पादों के निर्माण का कार्य भी किया जाएगा। अग्रवाल ने बताया कि पंचगव्य पर अनुसंधान व प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना भी होगी, जहां कैंसर जैसी बीमारियों के लिए औषधियाँ तैयार की जाएंगी। परियोजना में 500 प्रशिक्षार्थियों के लिए आवासीय प्रशिक्षण केंद्र तथा 250 छात्रों के लिए वैदिक गुरुकुलम की भी स्थापना की जाएगी। साथ ही, गोबर एवं गोमूत्र से वर्मी कंपोस्ट, जैविक रसायन, गौ कास्ट आदि उत्पादों का निर्माण कर गौशाला को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। गौशाला में बायोगैस संयंत्र, सीएनजी प्लांट और 2 मेगावाट का सोलर प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। इसके अलावा एक विशेष गौ आश्रालय का प्रावधान भी रहेगा, जहां कोई भी नागरिक दूध न देने वाली गाय को छोड़ सकेगा और संस्था से दुधारू गाय प्राप्त कर सकेगा, इसके बदले उसे गोचारे की राशि जमा करनी होगी। अग्रवाल ने कहा कि यह परियोजना न केवल पशुधन संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि जिले को आत्मनिर्भर व सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने में भी सहायक बनेगी।

पुतला नही जलाने दिया तो कांग्रेसियों ने पुतले की शर्ट में आग लगा दी

सौरभ शर्मा को संरक्षण क्यों दे रही भाजपा?

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और आतंक फैलाने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस कमेटी ने गुना में आक्रामक अंदाज में विरोध-प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री का पुतला जलाने की कोशिश की। हनुमान चौराहे पर एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हुए पुतले की शर्ट में आग लगा दी, जिसे देखकर अफरा-तफरी मच गई।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 7 अप्रैल को प्रदेश के जिला और ब्लॉक मुख्यालयों पर मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने के निर्देश दिए थे। कांग्रेस ने परिवहन घोटाले के आरोपी सौरभ शर्मा को जमानत मिलने का विरोध किया था। पार्टी का कहना है कि भाजपा सौरभ शर्मा जैसे भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दे रही है, यही वजह है कि इतने बड़े कांड में शामिल आरोपी को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार करने का भी आरोप जड़ा है। इसके बाद गुना में कांग्रेस जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ता हनुमान चौराहे पर एकत्रित हुए। हालांकि इससे पहले ही पुलिस बल बड़ी संख्या में पहुंच चुका था और पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुख्यमंत्री का पुतला छीन लिया। जैसे ही पुलिस बड़ा पुतला छीनकर आश्वस्त हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतले की शर्ट निकाली और उसमें आग लगा दी। पुलिस को लगा कि कांग्रेसियों ने दूसरा पुतला दहन कर दिया है। पहले से तैयारी कर पहुंची पुलिस अपने साथ फायर ब्रिगेड भी लाई थी, जिसकी मदद से हनुमान चौराहे पर पानी की बौछारें छोड़ी गईं, जिसमें कई कार्यकर्ता भींग गए। लेकिन शर्ट जलाने के बाद उनका उत्साह देखते ही बनता था। कांग्रेस नेताओं ने हनुमान चौराहे पर दिगी राजा जिंदाबाद के नारे लगाए। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष मेहरबान सिंह धाकड़ ने प्रदेश के साथ-साथ गुना में भी भ्रष्टाचार चरम पर होने की बात कही। धाकड़ ने आरोप लगाया कि गुना के चौराहों पर पुलिस आम नागरिकों को चालान काटने के नाम पर परेशान कर रही है। उन्होंने कहाकि चारों तरफ लूट मची हुई है। इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी जिला गुना के मेहरबान सिंह धाकड़, वरिष्ठ कांग्रेस जन, रजनीश शर्मा, रमेश सेंड़ो, राजेन्द्र तिवारी, रति राम धाकड़,प्रकाश सिंह धाकड़, पंकज कनेरिया, दीपेश पाटनी, रणवीर सिंह कुशवाह ब्लॉक कांग्रेस गुना, राजू कोरी अध्यक्ष सेवा दल, रामजीवन भार्गव, राजू जाटव पार्षद, तरुण सेन पार्षद, रामवीर जाटव पार्षद, हलीम गाजी पार्षद, अशोक सेन, मुकेश रजक, संदीप श्रीवास्तव, आसीम भटनागर, महेंद्र ओझा, भगवान लाल बरेले, बनवारी लाल ओझा, मंडलम अध्यक्ष बृजेश भार्गव,मुनेन्द्र बैरागी, प्रशांत शर्मा, ममता गोतम, मनोज तिवारी,अशोक जाटव, अकबर खान, संजय जाटव,मोहित शर्मा, अनुज रघुवंशी, आर्यन सेंड़ो, कैलाश जुगन, जगदीश जाटव, नवदीप कुशवाह, राजकुमार रघुवंशी, प्रवीण धाकड़, दुर्गेश ओझा, रवि जाटव, सहदेव वाल्मिकी आदि उपस्थित थे।

चेतना समूह के 23वें चैत्र नवरात्रि साधना शिविर का हुआ समापन

सत्ता सुधार ■ गुना

भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के प्रचार-प्रसार हेतु कार्यरत चेतना समूह द्वारा आयोजित 23वें विशेष चैत्र नवरात्रि साधना शिविर का समापन नवमी के दिन माता महागौरी के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। यह शिविर 30 मार्च से नयापुरा स्थित चेतना ध्यान कक्ष में प्रारंभ हुआ था, जिसका संचालन भैया दिनेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया गया। जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर नव संवत्सर विक्रम संवत 2082 के प्रथम दिवस से शुरू हुआ था। नौ दिवसीय साधना शिविर में प्रतिदिन विशेष पूजा, ध्यान एवं अध्यात्मिक चर्चा का आयोजन हुआ। अष्टमी तिथि पर आयोजित पूजन के दौरान दिनेश अग्रवाल ने उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए देवी महागौरी की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि देवी महागौरी की उपासना सर्वकल्याणकारी मानी गई है और उनकी कृपा से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि नवरात्रि हमारे जीवन के परिष्करण और आत्मिक उन्नयन का पर्व है, जो ऋतु परिवर्तन के संधिकाल में आता है। नवरात्रि केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक महत्व का अवसर है, जहां साधना के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को प्रकृति से जोड़ता है और दैविक ऊर्जा प्राप्त करता है। शिविर के अंतिम दिन नवमी पर विशेष पूजन के साथ साधकों ने पूर्ण श्रद्धा से साधना की। इस दौरान समूह के अनेक सदस्य जैसे सर्व दिनेश शर्मा, हरिसिंह यादव, विशाल अग्रवाल, प्रमोद दुबे, नितिन जैन, साकेत सुमन, अजय शर्मा, अभिषेक शर्मा, रितेश अग्रवाल, शरद सक्सेना, ज्योति अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, आयुषी अग्रवाल आदि ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

पेंशनर पार्क में पंछियों के लिए सकोरों से जल व्यवस्था, एक पेड़ एक सकोरा का लिया संकल्प

महत्वपूर्ण प्रयास गर्मियों में पक्षियों के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता है

सत्ता सुधार ■ गुना

गर्मी की तीव्रता को देखते हुए सोमवार को पेंशनर पार्क में पक्षियों के लिए पानी की विशेष व्यवस्था की गई। यह पहल सेवानिवृत्त प्राध्यापक अशोक दहीभाते के सहयोग और शासकीय पेंशनर एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ जिला गुना के तत्वावधान में की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व संघ अध्यक्ष घनश्याम श्रीवास्तव ने किया, जबकि प्रमुख रूप से कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, सचिव जैनेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल, और प्रमोद शर्मा भी मौजूद रहे। इन सभी ने मिलकर पेंशनर पार्क में पेड़ों पर सकोरे टांगे, जिनमें नियमित रूप से पक्षियों के लिए पानी और दाना की व्यवस्था की जाएगी। संगठन ने एक पेड़ एक सकोरा का संकल्प लिया है, जिसके तहत हर पेंशनर कम से कम एक पेड़ पर सकोरा लगाएगा और उसकी देखभाल करेगा। यह छोटा लेकिन महत्वपूर्ण प्रयास गर्मियों में पक्षियों के लिए जीवन रक्षक साबित हो सकता है। सचिव जैनेंद्र जैन और कोषाध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल ने जानकारी दी कि यह पहल ना सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक कदम है, बल्कि समाज को भी संदेश देती है कि सेवा निवृत्ति के बाद भी समाजहित में कार्य कैसे किया जा सकता है। संघ अध्यक्ष घनश्याम श्रीवास्तव ने बताया कि एक सकोरे की कीमत मात्र 20 है, जिससे हर व्यक्ति इस मुहिम से जुड़ सकता है। उन्होंने स्वयं पांच सकोरे पेंशनर पार्क में लगाने की घोषणा भी की। उन्होंने आगे कहा कि शासकीय पेंशनर एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ लगातार पेंशनर पार्क में सामाजिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण जैसे नवाचार कर रहा है और भविष्य में भी ऐसे कार्य करता रहेगा।

हिस्से के बंटवारे को लेकर दो भाइयों में विवाद, बड़े भाई पर डंडे से हमला

गुना। जिले के आरोन थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते दो सगे भाइयों के बीच मारपीट हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई ने डंडे से बड़े भाई पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। फरियादी दिलीप अहिरवार निवासी सियाराम कॉलोनी आरोन ने अपनी बेटी पलक के साथ पुलिस को शिकायत दर्ज कराई कि गत दिवस वह अपने घर पर आराम कर रहा था, तभी उसका छोटा भाई नीतेश अहिरवार घर के बाहर खड़ा होकर हिस्से के बंटवारे को लेकर विवाद कर रहा था और उसे माँ-बहन की अशोभनीय और आपत्तिजनक गालियां दे रहा था। गालियां सुनकर जब दिलीप ने बाहर आकर विरोध किया और भाई से गालियां देने से मना किया, तो नीतेश ने गुस्से में आकर हाथ में पकड़े डंडे से उस पर हमला कर दिया। पहली चोट दिलीप के माथे के दाहिने हिस्से पर लगी जिससे खून बहने लगा। इसके बाद नीतेश ने लगातार तीन डंडे और मारे जिससे पीड़ति की पीठ, दोनों भुजाओं में गंभीर चोटें आईं। घटना के दौरान दिलीप की बेटी पलक और भाभी पार्वती मौके पर मौजूद थीं, जिन्होंने बीच-बचाव कर किसी तरह झगड़ा शांत किया।

जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप गुना ने स्थापना दिवस पर प्याऊ सेवा का किया शुभारंभ

नपाध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि ने किया उद्घाटन, पक्षियों के लिए सकोरे भी वितरित

सत्ता सुधार ■ गुना

जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप गुना द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर परंपरा अनुसार प्याऊ सेवा का शुभारंभ किया गया। नगर के प्रथम पेट्रोल पंप पर आयोजित कार्यक्रम में प्याऊ का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता एवं विधायक प्रतिनिधि अरविंद गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप लोढ़ा, वर्तमान अध्यक्ष प्रदीप जिंदाणी, मानव सेवा प्रभारी मप्र रीजन राजमल कोठारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विकास टांटिया, पदम चंद टांटिया, सतीश जैन, उपाध्यक्ष आशीष टांटिया, सचिव देवेश जैन, पराग टांटिया, वरिष्ठ सदस्य विपिन जिंदाणी, चंद्रेश गोलेछा, जितेश श्रीमाल, दीपा लोढ़ा, मिथिलेश कोठारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप अपनी स्थापना से ही समाज सेवा में सक्रिय रूप से कार्यरत है। प्रत्येक वर्ष गर्मियों के मौसम में प्याऊ सेवा के साथ साथ अन्य जनहितकारी कार्यों का भी आयोजन किया जाता है। इस वर्ष विशेष पहल के रूप में पक्षियों के लिए मात्र 20 में पानी के सकोरे आमजन को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे गर्मी के मौसम में पक्षियों की प्यास बुझाई जा सके। नपाध्यक्ष श्रीमती गुप्ता ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया और भविष्य में भी ऐसे जनहित के कार्यों में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में सचिव देवेश जैन ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

आयोजन स्वस्थ शुरुआत, आशाजनक भविष्य थीम पर केंद्रित रहा आयोजन

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर गुना में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर और जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.आर. माथुर के मार्गदर्शन में सोमवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जिले में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आरबीएस की डॉ. निकिता सोनी ने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित जांच कराने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में आयुष्मान भारत योजना की टीम ने उपस्थित लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए और 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को चिन्हित अस्पतालों में 5 लाख तक के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी दी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर ने बताया कि इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम स्वस्थ शुरुआत, आशाजनक भविष्य है। इस थीम के अंतर्गत वर्षभर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया जाएगा। गर्भवती महिलाओं की शीघ्र पहचान, जांच, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव एवं नवजात शिशुओं की उचित देखभाल को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि कई बीमारियों से बचाव केवल जागरूकता से संभव है। यदि खानपान और दिनचर्या में सुधार किया जाए तो जीवनशैली से जुड़ी अधिकांश बीमारियों को रोका जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि लोग हाथ धोने की आदत डालें, ताजा और स्वच्छ भोजन करें, उबला हुआ या फिल्टर किया पानी पिएं, स्वच्छता का ध्यान रखें और जंक फूड, धूम्रपान व अल्कोहल से दूर रहें। इसके अलावा, पर्याप्त नींद लें, रोजाना व्यायाम करें, संतुलित आहार में फल और सब्जियां शामिल करें, तनाव से बचें और नियमित रूप से ब्लड प्रेशर, शुगर व थायराइड की जांच कराएं। उन्होंने बताया कि कम नमक और कम वसा युक्त भोजन लेने से हृदय रोग की आशंका को कम किया जा सकता है।

इस अवसर पर उप स्वास्थ्य केंद्रों और उप स्वास्थ्य इकाइयों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें गर्भवती महिलाओं और बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट सत्येंद्र रघुवंशी, पर्यवेक्षक के.के. उपाध्याय, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पुष्पलता दहिकर, राधा सेन, विजेता खोईते, एएनएम शर्मिला राजौरे, रीना भटने और भारती जाधव सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

गुना में गर्मी का असर तेज, सोमवार को तापमान 43 डिग्री पहुंचा

गुना। गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो रविवार की तुलना में 2 डिग्री अधिक रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि सोमवार को यह बढ़कर क्रमशः 43.0 और 22.8 डिग्री सेल्सियस हो गया। गर्मी में अचानक आई इस बढ़ोतरी ने आमजन को काफी परेशान किया। तेज धूप, लू और हवा में नमी की कमी के कारण लोगों को दिनभर बेहाल होना पड़ा। रविवार की तुलना में सोमवार को मौसम और अधिक शुष्क रहा। रविवार को सुबह की आर्द्रता 29 प्रतिशत और शाम की 14 प्रतिशत थी, जबकि सोमवार को सुबह की आर्द्रता 32 प्रतिशत रही लेकिन शाम तक घटकर फिर 14 प्रतिशत ही रह गई। सूर्य का प्रकोप भी लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना बेहद कम है और तापमान में और इजाफा हो सकता है। डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने लोगों को चेताया है कि इस गर्मी में विशेष सावधानी बरतें। धूप में बाहर न निकलें, अधिक पानी पिएं और अपने शरीर को ढककर रखें।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है।

वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवाद,बच्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एंन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उन्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट' ? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें । हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

हर्षवर्धन कपूर ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बात की

अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट पर रिएक्शन दिया है। इसमें सलमान खान, शाहरुख खान, अजय देवगन और अक्षय कुमार समेत इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को लेकर बात की गई। वायरल पोस्ट में कहा गया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री अब खत्म हो रही है।

बजट पर नहीं अच्छे कंटेंट पर ध्यान दें मेकर्स

हर्षवर्धन कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में हो रहे बदलाव पर एक लंबा पोस्ट लिखा। उन्होंने लिखा कि अब मेकर्स को भारी बजट वाली फिल्में बनाने से ज्यादा अच्छा कंटेंट बनाने पर ध्यान देना चाहिए। एक्टर ने कुछ नया और हटकर करने की बात कही। साथ ही कहा कि बॉलीवुड सिर्फ बड़े कलाकारों के होने से नहीं है। प्रोड्यूसर्स को थोड़ा रिस्क लेना चाहिए।

दरअसल, एक निशांत नाम के यूजर ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा था, 'बॉलीवुड अब खत्म हो गया है। सलमान खान अब एक्टिंग नहीं करना चाहते, आमिर के पास कोई फिल्म नहीं है, अक्षय फिल्में कर रहे हैं लेकिन कोई फायदा नहीं है, शाहरुख दो साल में एक फिल्म करते हैं। अजय कुछ बड़ा कर सकते हैं लेकिन वह सेफ खेल रहे हैं। लगता है कि रणबीर कपूर अकेले एक्टर हैं जो स्ट्रगल कर रहे हैं।'

इंडस्ट्री में एक ही फॉर्मूला से फिल्में बन रही हैं

इसका जवाब देते हुए हर्षवर्धन कपूर ने कहा, 'बॉलीवुड सिर्फ उन्हीं कलाकारों के लिए नहीं है जो सालों से यहां काम कर रहे हैं और एक ही फॉर्मूला से फिल्में बना रहे हैं।' हर्षवर्धन ने अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए लिखा, 'हमने फिल्म थार को 20 करोड़ रुपए में बनाया, यह उन फिल्मों से काफी बेहतर है जिनका बजट इस फिल्म से 2-3 गुना ज्यादा है। ऐसा क्यों? क्योंकि सारा पैसा फिल्म बनाने में लगा, न कि किसी और काम में। यह 2025 है लेकिन जिन फिल्मों को हरी झंडी मिलती है, वह 1980 के दशक की फिल्में हैं और वह भी अच्छी फिल्में नहीं हैं।' हर्षवर्धन के हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर बात करने और इंडस्ट्री की समझ को देखकर यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं।

तुमको मेरी कसम में दिखेगी सपने पूरे होने की कहानी

अदा शर्मा अपनी फिल्म तुमको मेरी कसम को लेकर चर्चा में हैं, जो हाल ही में रिलीज हुई है। उन्होंने इसमें निभाए गए दिल छू लेने वाले सीन्स से लेकर अपने सह-कलाकार अनुपम खेर आदि के बारे में खास बातचीत की...

फिल्म तुमको मेरी कसम में सबसे दिल छू लेने वाला सीन कौन सा था?

फिल्म में एक सीन है, जिसमें मैं मरने से पहले अपने पति को कसम खिलाती हूं कि तुझको मेरी कसम है। अभी उदयपुर में प्रीमियर हुआ था, तब थिएटर में इस सीन को देखकर सभी लोग रो रहे थे। लोगों का कहना था कि मैंने द केरला स्टोरी से भी ज्यादा इसमें रुलाया है। लोगों का ऐसा कहना मेरे लिए एक बड़ी प्रशंसा है। फिल्म की एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि जो लोग बड़े सपने देखने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह तो पूरा ही नहीं होगा। ऐसे लोगों को यह फिल्म हौसला देगी। कभी-कभी आपको अपने आप पर भरोसा नहीं होता है लेकिन किसी और का इतना भरोसा होता है कि आप उस भरोसे से आगे बढ़ते हैं, यह फिल्म उसी के बारे में है।

रियल लाइफ में क्या कोई बड़ा सपना भी है, जो पूरा करना है?

मैं सपने नहीं देखती हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि अगर मैं सपने देखूंगी, तो उनमें उलझ कर रह जाऊंगी। मेरे साथ ऐसा हुआ है कि मैं छोटे सपने देखती हूं और परिणाम बड़ा मिलता है। जब मैंने बॉलीवुड में प्रवेश किया था, तब मैंने सपने में भी कभी नहीं सोचा था कि मैं हॉरर फिल्म से शुरुआत करूंगी।

आपकी एक्टिंग को लेकर कहा जाता है कि यह बनावटी नहीं है?

यह मेरे लिए बहुत बड़ी प्रशंसा है। मैं ऐसी ही रहना चाहती हूं, क्योंकि मैं ऐसी ही हूं। मेरा मानना है कि लोगों ने मुझे हीरोइन बनाया है। अगर मैं चुलबुला वीडियो बनाती हूं, तो मैं पूरे दिन खुश नहीं रह सकती। जब मैं अच्छे मूड में होती हूं, तब मैं वीडियो बनाती हूं। जब मैं किसी बात पर रो रही होती हूं, तो मुझे याद नहीं रहता कि मेरे पास फोन है भी या नहीं। क्योंकि वास्तविक जीवन में मैं दुखी हूं और रो रही हूं। जब कोई गंभीर बात बता रहा होता है, तो मैं बड़ी गंभीरता से सुनने और समझने की कोशिश करती हूं। मैं हर समय अलग-अलग होती हूं। निजी जीवन में मैं कोशिश करती हूं कि और अच्छी इंसान बनूं। प्रोफेशनली मैं ऐसा परफॉर्मेंस देने की कोशिश करती हूं कि दर्शकों को लगे कि मैं एक्टिंग नहीं कर रही हूं, बल्कि वास्तव में कर रही हूं।

हाल ही में अनुपम खेर ने आपकी बहुत तारीफ की। क्या कहेंगी?

फिल्म देखने के बाद अनुपम जी ने मेरी तारीफ में तीन-चार मिनट का वॉइस नोट भेजा था। वह मुझे इतना अच्छा लगा कि मैंने उसे चार-पांच बार सुना। इतने बड़े कलाकार जब इतनी सारी खूबियां बताते हैं, तो यह बहुत उत्साहजनक लगता है। उन्होंने अच्छी सलाह दी कि मार्केटिंग आजकल प्रतिभा से बढ़कर है। प्रतिभा जरूरी है, लेकिन उसे बाजार में लाना बहुत जरूरी है और वह आपको नहीं आता है। मैंने स्वीकार किया कि यह बात बिल्कुल सही है।

कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है फिल्म निर्माण

अभिनेता और निर्माता जैकी भगनानी का मानना है कि फिल्म निर्माण कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है और इसके लिए कलात्मकता की आवश्यकता होती है। जैकी का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री कला और कॉमर्स के संगम पर काम करती है। फिल्म निर्माण कला के सबसे महंगे रूपों में से एक है और इसके लिए ऐसी कलात्मकता की आवश्यकता होती है जो आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो। रचनात्मकता के साथ फिल्म बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के साथ-साथ आवश्यक निवेश और प्रोजेक्ट के संभावित रिटर्न दोनों का आकलन करना जरूरी है। आज सभी निर्माताओं को एक स्थायी मॉडल बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

जैकी ने कहा, मैं अपने अवलोकनों के आधार पर यह कह सकता हूं कि इंडस्ट्री ने हमेशा बुरे दौर से वापसी की है। इसमें परिस्थिति के साथ उतार-चढ़ाव हैं, जिससे टेलीविजन युग और पायरेसी संकट से उबरने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, कोविड-19 के बाद और वर्तमान ओटीटी युग के दौरान भी हमारे पास ब्लॉकबस्टर हिट फिल्में रही हैं। फिर भी मुझे दृढ़ता से लगता है कि आज, अनिश्चितताओं से निपटने और सफलता को बनाए रखने के लिए, रचनात्मकता पर नए सिरे से ध्यान देने की आवश्यकता है। आखिरकार, यही सिनेमा का दिल है और अप्रत्याशित समय में लंबे समय तक की स्थिरता के लिए यह महत्वपूर्ण है।

जैकी ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सिनेमा में आपको रचनात्मक आकांक्षा और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाना होता है और आज पहले से कहीं ज्यादा हमें नए विचारों और मजबूत आर्थिक व्यावहारिकता की भी जरूरत है। वित्तीय वास्तविकताओं के साथ कलात्मक दृष्टि को संतुलित करना असफलताओं पर काबू पाने और समय के साथ विकसित होने की कुंजी है। इंडस्ट्री की वर्तमान स्थिति पर विचार करते हुए जैकी ने कहा, आज, हमें निस्संदेह अपनी विषय-वस्तु को फिर से समायोजित करने की आवश्यकता है, क्योंकि दर्शक, दुनिया भर में हाई क्वालिटी वाली सिनेमा देख चुके हैं, वे औसत दर्जे को स्वीकार नहीं करते हैं। असफलता एक ऐसी सच्चाई है, जिस पर समझौता नहीं किया जा सकता और यह प्रोडक्शन हाउस तथा व्यक्तिगत करियर को भी प्रभावित करती है। फिर भी, हमारी इंडस्ट्री असफलताओं से बचती रही है और मुझे आशा है कि आगे भी ऐसा ही होता रहेगा।

क्या अल्लू अर्जुन के साथ पर्दे पर दिखेंगी प्रियंका चोपड़ा

निर्देशक एटली ने बॉलीवुड में अपनी फिल्म जवान से धमाल मचाया था। इस फिल्म में शाहरुख खान और नयनतारा लीड रोल में थे। अब खबर है कि एटली अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। इस बार उनके हीरो अल्लू अर्जुन होंगे। फैंस यह जानने को बेताब हैं कि फिल्म की हीरोइन कौन होगी। तेलुगु सिनेमा की एक रिपोर्ट के मुताबिक एटली अपनी इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा से संपर्क करने की योजना बना रहे हैं।

प्रियंका को फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं एटली

रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि अल्लू अर्जुन की इस फिल्म में कई एक्ट्रेसेस होंगी। अब ताजा खबर है कि एटली प्रियंका को एक अहम किरदार के लिए कास्ट करना चाहते हैं। प्रियंका इन दिनों तेलुगु सिनेमा में डेब्यू की तैयारी में हैं। वह एस एस राजामौली की अगली फिल्म में महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की शूटिंग के दो शेड्यूल पूरे हो चुके हैं।

राजामौली की फिल्म में दिखेंगी प्रियंका

एस एस राजामौली की यह फिल्म तेलुगु में बन रही है, लेकिन बाहुबली और आरआरआर की तरह यह भी पैन-इंडिया रिलीज होगी। प्रियंका के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह उनकी भारतीय सिनेमा में लंबे समय बाद वापसी होगी।

क्या पर्दे पर दिखेगी अल्लू-प्रियंका की जोड़ी?

वहीं, एटली और अल्लू अर्जुन की फिल्म भी पैन-इंडिया स्तर पर बनेगी। पुष्पा फ्रेंचाइजी के बाद अल्लू अर्जुन की फैन फॉलोइंग पूरे देश में बढ़ गई है। अगर प्रियंका इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ नजर आईं तो यह जोड़ी बड़े पर्दे पर कमाल कर सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा हैं प्रियंका

प्रियंका के पास राजामौली की फिल्म के अलावा दो अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स भी हैं। वह हेड्स ऑफ स्टेट और द ब्लफ में नजर आएंगी। इसके साथ ही उनके पास वेब सीरीज सिटाडेल का दूसरा सीजन भी है, लेकिन खबर है कि इसकी रिलीज में देरी हो रही है।

खाकी में रोल के लिए डायरेक्टर को खुद किया मैसेज

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपनी ब्यूटी और दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। वह हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर में दिखी हैं। इसमें उन्होंने एक पॉलिटिशियन का किरदार निभाया है। सीरीज में उनके किरदार को काफी सराहा जा रहा है। इसे लेकर और उनके प्रोफेशनल वर्क पर हुई खास बातचीत...

खाकी... में किस तरह से आप आईं और क्या-क्या तैयारियां रही हैं?

मुझे खाकी- द बंगाल चैप्टर की स्टोरी बहुत पसंद आई। मैंने इसका पहला पार्ट भी देखा हुआ है। यह एक इंटरेस्टिंग और रोमांचक कहानी है। मुझे अपने किरदार में काफी पॉसिबिलिटी दिखीं। साथ ही मैं डायरेक्टर नीरज पांडे के साथ भी काम करना चाहती थी। मैंने खुद उन्हें मैसेज किया था। करीब एक महीने के अंदर-अंदर उनका रिप्लाई आया। उन्होंने कहा कि मैं सीरीज को डायरेक्ट नहीं कर रहा हूं। बस शो रनर हूं। ओटीटी पर काम करना मेरे लिए एक नया एक्सपीरियंस था। यहां आर्टिस्ट्स को अपनी टैलेंट दिखाने के लिए काफी मौके मिलते हैं। उम्मीद है कि दर्शकों को खाकी- द बंगाल चैप्टर पसंद आएगी।

सीरीज में आपका लुक बड़ा सिंपल सा दिख रहा है। क्या कोई रेफरेंस भी लिया आपने?

मेरे किरदार का इमोशनल ग्राफ ऐसा था कि मुझे लगा कि इसमें परफॉर्म करने के लिए चांस मिलेगा। ये उतना ग्लैमरस रोल तो है नहीं। रेफरेंस तो मेकर्स का बहुत क्लियर था। राइटिंग लेवल पर ही सब विधिवत डिटेल्स थीं। मेरा किरदार एक पॉलिटिशियन का है। जो पढ़ी-लिखी है और कॉलेज से ही राजनीति में एक्टिव है। ऐसा नहीं है कि कोई बहुत ही रूरल पॉलिटिकल लीडर है। ऐसे में इस किरदार के लिए हमें एक गरिमामय प्रेजेंस दिखानी थी। मेरे किरदार में एक ग्रेस भी है। वह टिपिकल लीडर जैसी नहीं है। मैंने इस किरदार को वैसा नहीं रखा कि वह बहुत चीख रही हो या नारेबाजी कर रही हो। हां, यह जरूर रखा कि उसकी कंट्रोल परफॉर्मेंस रहेगी। इससे ज्यादा जरूरी ये था कि उसकी इमोशनल लाइफ कैसी चल रही है।

जब ऐसे सशक्त किरदार प्ले करने को मिलते हैं तो अपनी तरफ से क्या इनपुट रखती हैं कि किरदार बड़ा बन जाए?

हर कैरेक्टर की एक एनर्जी और औरा होता है। मुझे लगता है कि उसको ध्यान में रख के एक बॉडी लैंग्वेज तय करनी पड़ती है। देखना पड़ता है कि कैसे बैठे, कैसे किसी से बात करे। हर वो चीज जो किरदार की दिनचर्या या उसकी आदत में होती है उसे अपने अंदर लाना पड़ता है। इसमें एक सीन है, जब मेरा किरदार अपने प्यार से मिलने जाती है। वही एक जगह है, जहां पर वह टूट जाती है।

नीरज पांडे के साथ काम का कैसा अनुभव रहा? आपको आगे के लिए कुछ अप्रोच किया गया है?

ये बात मीडिया ही उन्हें कहे तो अच्छा है कि आप कब चित्रांगदा को वापस अपने प्रोजेक्ट में ले रहे हैं। नीरज जी को मेरा काम पसंद आया है। उन्होंने ये बात मुझे खुद बोली है। नीरज जी कलाकारों को अपने साथ दोबारा काम करने का मौका देते हैं। अब देखती हूं कि मुझे वो कब किसी दूसरे प्रोजेक्ट का ऑफर देते हैं।

आप लंबे समय से इंडस्ट्री में हैं। फिर फिल्मी लाइनअप इतना कम क्यों है?

ये बात सही है कि मेरा फिल्मी लाइनअप कम है। मैं काफी सोच-विचार के बाद ही किसी प्रोजेक्ट के लिए हामी भरती हूं। मतलब अच्छे फिल्म मेकर्स के साथ काम करना चाहती हूं। जब आप सिर्फ अच्छे ऑफर चुनते हैं, ऐसे में कहीं न कहीं एक ब्रेक या गैप तो आता है। फिर मैंने काफी टाइम बीच में ब्रेक भी लिया है। साल 2005 के बाद 7 साल का गैप रहा था। मैं इंडस्ट्री में नहीं थी, फिर वापस से 2010 में काम शुरू किया। तो बीच-बीच में ऐसा होता रहा है। मैंने पर्सनल लाइफ को भी प्राथमिकता दी है।

ऑन सेट क्या इम्प्रोवाइजेशन होता रहा?

बिल्कुल, इम्प्रोवाइजेशन होता है। एक सीन था, जब मेरा किरदार हॉस्पिटल में अपने प्यार से मिलने आती है। डॉक्टर्स कहते हैं कि ज्यादा देर लाइफ सपोर्ट पर उन्हें नहीं रख सकते तो वह डिसीजन लेती है। वह मेरा फेवरेट सीन था। उस समय सीन में कोई डायलॉग नहीं थे। उसे अपने से ही प्ले करना था।

ओटीटी और फिल्म्स में क्या अंतर लगता है? किस पर काम के दौरान अधिक इंजॉय करती हैं?

मुझे लगता है लॉन्ग फॉर्मेट के अंदर राइटिंग बहुत ज्यादा बहुत ज्यादा अच्छी होनी चाहिए। ओटीटी काफी चैलेंजिंग है। यहां लंबा समय मिलता है कहानी को कहने के लिए। फिल्मों में तो गाने होते हैं, स्लो मोशन एक्शन सीन भी होते हैं पर यहां प्योर कंटेंट ही चल रहा होता है। यहां डिफरेंट तरह की कहानियां कही जाती हैं। कुछ चीजें ओटीटी के लिए सही हैं तो कुछ थिएटर्स के लिए ही सही होती हैं। ओटीटी पर कोई लिमिट नहीं होता है और कोई गिमिक्स भी आप यूज नहीं कर सकते। आप गाने, डांस आइटम गाना नहीं यूज कर सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

ला न्यायाधीश श्री नाथ ने किया जेल का निरीक्षण, बंदियां से की चर्चा

खरगोन। जिला न्यायाधीश एवं तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष मुकेश नाथ ने सोमवार को जिला जेल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बंदियों से संवाद करते हुए समस्याओं को जाना। जिन बंदियों को अधिवक्ता की आवश्यकता है, उनकी जानकारी प्राप्त की गई। बंदियों को उनके अधिकारों, जमानत एवं अपील के संबंध में जानकारी एवं बंदियों की समस्या को जानकर उचित सलाह दी गई। बंदियों से उनके स्वास्थ्य के संबंध में भी जानकारी ली गई तथा उनको दिये जाने वाले भोजन, पानी व अन्य सुविधाओं के बारे में जाना। इस दौरान जिला जेल अधीक्षक विद्याभूषण प्रसाद, उपजेल अधीक्षक श्रीमती सुभद्रा ठाकुर, पैरालीगल वालेंटियर नीलमओमप्रकाश पगारे एवं जेल के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बाघेश्वरी माता मंदिर में यज्ञ पूर्णाहूति, कन्या पूजन कर किया भंडारा

खरगोन। ब्राह्मणपुरी स्थित अतिप्राचीन श्री बाघेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के शुभ मुहूर्त में श्री गणेश पूजन, रुद्राभिषेक, विभिन्न अनुष्ठानों एवं सप्तशती पाठ के साथ ही शिव शक्ति हवन की पूर्णाहुति की गई। पूर्णाहुति के बाद सोमवार को कन्या पूजन के साथ भंडारे का आयोजन किया। दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ भंडारा शाम तक चलता रहा। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर पुजारी जगदीश ठक्कर ने बताया कि शहर की सुख.समृद्धि, सुख.शांति, जनकल्याण और आपसी प्रेमभाव के लिए चैत्र नवरात्र में विभिन्न अनुष्ठान किए जाते है। 28 वर्षों से शिव शक्ति यज्ञ की पूर्णाहुर्ति के बाद भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। ज्ञात हो कि चैत्र दुर्गोत्सव के तहत ब्राह्मणपुरी स्थित श्री बाघेश्वरी माता मंदिर में नवरात्रि का पर्व बड़ी धुमधाम से मनाया जाता है। यहां गुड़ी पडवा से आरंभ होकर श्री रामनवमी तक विभिन्न अनुष्ठान आयोजित किए जाते है। इन सभी अनुष्ठानों का रविवार रामनवमी पर यज्ञ पश्चात समापन हुआ।

जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत लोगों को सफाई की शपथ दिलाई

अशोकनगर। जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जय श्री प्रेम सागर विद्या मंदिर एवं निर्धन बाल कल्याण समिति के द्वारा वार्ड क्रमांक 6 के पास शिव मंदिर के पास हेड पंप की सफाई की एवं लोगों को शपथ दिलाई गई कि हम जल बचाएंगे तथा जल का दुरुपयोग नहीं होने देंगे क्योंकि जल हमारे जीवन की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसलिए हम जल के स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखेंगे एवं उसके आसपास गंदगी नहीं होने देंगे यह बात संस्था संचालक जगदीश यादव ने कहा इस अवसर पर संस्था सदस्य एवं वार्ड क्रमांक 6 के लोग उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जलं गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन और संचालन के दिए निर्देश

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के. ने सीएम हेल्पलाइन, समय सीमा वाले विभागीय पत्रों और शासकीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों और निराकरण की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण और त्वरित निराकरण करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग प्रमुख सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में अपनी उच्च रैंक बनाए रखें। पेयजल संकट की संरचनाओं के लिए स्थापित कंट्रोल रूम को सक्रिय बनाए रखने तथा पेयजल संबंधी प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वन एवं राजस्व अधिकारियों को वन ग्राम से राजस्व ग्राम तथा वनाधिकार पट्टों के फौती नामांतरण की कार्यवाही में गति लाने के निर्देश दिए। उचित मल्य राशन दुकानों के सेल्समैन से हितग्राहियों की ई केवाईसी का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने जल गंगा संवर्धन अभियान, आयुष्मान तथा एडीएम के बारे में मैदानी अमले को निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, नितिन टाले,एसडीएम जमील खान, तन्मय वर्मा, डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुशवाह सहित

सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। ई-ऑफिस की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह कार्य सरकार की प्राथमिकता का है। सभी अधिकारी आपने विभाग के स्टॉफ की आई डी बनवाकर एनआईसी को शीघ्र उपलब्ध करायें। उन्होंने कहा कि जो कार्यालय ई-अफिस प्रणाली से जुड़ चुके हैं वे नस्तियॉ, पत्र और अन्य कार्यवाहियॉ ई-आफिस प्रणाली से ही संचालित करें। नेशनल हाइवे के लिए भू-अर्जन, मुआवजा वितरण एवं रेलवे को कब्जा दिलाने कि विस्तार से समीक्षा करते हुए बुधनी एसडीएम को निर्देश दिए कि जिन किसानों के बैंक खाते प्राप्त नहीं हुए है उनके बैंक खाते लिए जाएं ताकि मुआवजा राशि खातों में अंतरित की जा सके। इसके साथ ही उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि जिन किसानों ने मुआवजा ले लिया है उन्होंने आगामी फसल की बुवाई नहीं करने दी जाए तथा रेलवे को कब्जा दिलाया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने रेलवे के संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि कब्जा लेने की कार्यवाही तत्परता से करे। इसी तरह रामगंज मंडी रेल परियोजना के लिए भी कार्यवाही में गति लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पार्वती परियोजना के विस्थापितों को भूमि के प्रमाण पत्र देने के भी निर्देश दिए ताकि विस्थापितों विद्युत कनेक्शन सहित अन्य कार्यों में उपयोग किया जा सके। कलेक्टर बालागुरू के. ने बैठक में सभी नोडल विभाग के अधिकारियों को निर्देश कि जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन और संचालन करें। उन्होंने निर्देश दिये है कि जिले में शासन द्वारा चलाये जा रहे अभियान की सभी गतिविधियां संचालित की जाएं तथा इन गतिविधियों को पोर्टल पर भी अपलोड की जाएं। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश सरकार की प्राथमिकता का अभियान है, सभी विभाग यह प्रयास करें कि इस अभियान की सभी गतिविधियों में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा है मैरिज गार्डन का निर्माण

■ बिना अनुमति रहवासी इलाके में स्कूल के पास निर्माण से शांति भंग होने प्रदूषण फैलने एवं अन्य परेशानियों की संभावना

■ निर्माण कार्य रुकवाने रहवासियों ने ज्ञापन देकर की कलेक्टर सहित एसडीएम और नपा अधिकारी से शिकायत

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

स्थानीय महालक्ष्मी नगर गुना रोड पर नियमों को ताक पर रखकर बिना अनुमति के कराए जा रहे मैरिज गार्डन निर्माण को लेकर आसपास के रहवासियों ने एतराज जताते हुए, विरोध करना शुरू कर दिया है। सोमवार को बड़ी संख्या में रहवासियों ने कलेक्टर सहित एसडीएम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्य बंद कराए जाने सहित निर्माण कर्ता पर उचित वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शहर में इस प्रकार नियमों की अवहेलना कर कई अन्य मैरिज गार्डन आदि भी संचालित हो रहे हैं, जिनसे आए दिन कई प्रकार की घटनाएं हो रही हैं व यातयात नियमों की लगातार अनदेखी भी हो रही,

जिससे कई सड़क दुर्घटनाएं कारित हो रही हैं। ज्ञापन देने वालों की मांग है कि इस मामले में त्वरित संज्ञान लेते हुए उक्त मैरिज गार्डन के निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश जारी करें एवं नियम पूर्वक आवश्यक कार्रवाई करने की की जाए। शहर भर में बिना परमिशन,नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रहे मैरिज गार्डनों पर भी कार्यवाही की जाए। इस दौरान अजय सिंह यादव, सोनू सिंह रघुवंशी, मोनू सिंह रघुवंशी, विजय सिंह रघुवंशी, रवि यादव, प्रमोद रघुवंशी, रामकुमार रघुवंशी, राजकुमार रघुवंशी, कल्याण सिंह रघुवंशी, शिवकुमार रघुवंशी, शिवेन्द्र सिंह रघुवंशी, संजीव सिंह रघुवंशी, चंद्रभान सिंह यादव, देवेंद्र अहिरवार, सन्तोष रघुवंशी, बिट्टू रघुवंशी, मुकेश रघुवंशी, विक्रांत रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में महालक्ष्मी नगर गुना रोड अशोकनगर के रहवासी मौजूद थे।

नियमों को ताक पर रखकर कराया जा रहा निर्माण कार्य

- शादी एवं अन्य कार्यक्रमों के दौरान तेज आवाज से ध्वनि एवं वायु प्रदूषण फैलने की संभावना है, जिससे छात्रों एवं स्थानीय निवासियों को असुविधा होगी, जो कि मध्यप्रदेश ध्वनि प्रदूषण (नियंत्रण) नियम, 2000 के अंतर्गत प्रतिबंधित है।
- निर्माणाधीन मैरिज गार्डन एक बेहद व्यस्त रिहायशी क्षेत्र में है,ऐसे में आवश्यक दो रास्ते गार्डन में उपलब्ध नहीं कराए जा सकते हैं,और अगर दूसरा रास्ता पीछे की तरफ बनाया गया तो रहवासियों को दुर्गंध, कचरे, आतिशबाजी की समस्या के कारण भरी समस्या होगी वहां रह पाना संभव नहीं होगा।
- नेशनल बिल्डिंग कोड की आवश्यक शर्तों की पूर्ति भी निर्माणाधीन मैरिज गार्डन नहीं करता है, न तो तंग गलियों में से अग्निशमन वाहनों के आने की संभावना है,और न ही अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव का इंतजाम हो पाएगा।
- इस क्षेत्र की सड़कें संकरी हैं, जिससे यहां वाहनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न होगी और यह मध्यप्रदेश नगर पालिका (निर्माण अनुज्ञा) नियम, 2012 का उल्लंघन होगा।
- उक्त मैरिज गार्डन बिना किसी वैध अनुमति के एवं शासकीय नियमों का उल्लंघन करके बनाया जा रहा है, जो कि मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम,1973 के प्रावधानों के विरुद्ध है।
- भीड़भाड़ एवं असामाजिक तत्वों की आवाजाही से बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा,जो कि मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 के अंतर्गत सुरक्षा उपायों की अनदेखी मानी जा सकती है।
- उक्त मैरिज गार्डन का निर्माण वन संरक्षण अधिनियम व पर्यावरण संबंधी नियमों का उल्लंघन कर किया जा रहा है, जो नियम विरुद्ध है।
- उक्त मैरिज गार्डन का निर्माण मध्यप्रदेश नगरपालिका (विवाह स्थल का पंजीयन एवं उपभोग आदर्श उपविधि, 2020) के प्रावधानों के उल्लंघन के साथ हो रहा है, नियम 6 उपनियम 11 के अनुसार स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल आदि के समीप मैरिज गार्डन का निर्माण नहीं किया जाना चाहिए, मैरिज गार्डन उक्त नियम की अवहेलना कर बनाया जा रहा है।

बूथ स्तर पर मनाया स्थापना दिवस, नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कार्यकताओं को पार्टी की रीढ़ बताया

सत्ता सुधार ■ सीहोर

भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को शहर के गंज स्थित वार्ड क्र.15 के बूथ क्रमांक 211, 215, 216 में कार्यकताओं के साथ नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने बैठक कर सबको संबोधित किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। बूथ स्तर पर स्थापना दिवस का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा के निदेशौनुसार किया गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है, जहां एक बूथ अध्यक्ष भी अपनी मेहनत से प्रदेश या राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। उन्होंने कार्य कर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताया। यह भी कहा कि भाजपा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। स्थापना दिवस के माध्यम से पार्टी हर बैथ पर अपनी मजबैत उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास कर रही है। भाजपा दल नहीं, देश सेवा का एक माध्यम है। मेरा सौभाग्य है की मुझे विभिन्न प्रकार

से राष्ट्रहित में योगदान देने का अवसर मिला है। हम सब मिलकर इस महान यात्रा में नई ऊँचाइयों को छूने का संकल्प लें। भाजपा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। इस अवसर पर परिषद के सभापति संतोष शाक्य, कमलेश राठौर, अर्जुन राठौर, मुकेश मेवाड़ा, पाषैद लोकेंद्र वर्मा, वार्ड 15 के कार्यकर्ता व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आज गुप्त हिंदुत्व विषय पर देंगे व्याख्यान, 9 को मालासिंह सांस्कृतिक मार्क्सवाद पर रखेंगी विचार

डायवर्सन रोड स्थित नर्मदा भवन परिसर में हिंदूत्व और सांस्कृतिक मार्क्सवाद पर वक्ता रखेंगे विचार

सत्ता सुधार ■ खरगोन

स्वामी अमूर्तानंदपुरी न्यास द्वारा दो दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन 8 ओर 9 अप्रैल को होने जा रहा है। स्वामी अमूर्तानंदपुरी स्मृति व्याख्यान माला आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. युवराज चौधरी, उपाध्यक्ष राजकुमार अत्रे ने बताया कि 8.30 बजे से डायवर्सन रोड स्थित सिंचाई विभाग परिसर नर्मदा भवन में उक्त व्याख्यान माला होगी। 8 अप्रैल को हिंदूत्व विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संपर्क प्रमुख प्रवीण जी गुप्त अपने विचार रखेंगे। वे हिंदू धर्म पर सारगर्भित व्याख्यान देंगे। इसी तरह 9 अप्रैल को सांस्कृतिक मार्क्सवाद विषय पर श्रीमती माला सिंह, अखिल भारतीय सचिव लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जन्म शताब्दी समारोह समिति अपने विचार रखेंगी। समिति के संरक्षक डॉ. अजय जैन, सचिव सुनील देशपांडे, सह. सचिव दीपक दशोरे ने बताया कि इस दो दिनी व्याख्यान माला में भारतीय संस्कृति, सत्य और यथार्थवादी सोच पर गहन चर्चा होगी। यह एक साहित्यिक अनुष्ठान है जो समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए किया जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी साहित्यप्रेमियों से उक्त आयोजन में शामिल होकर इस साहित्य ज्ञान को अर्जित करने की अपील की है।

भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल : विधायक राय

सत्ता सुधार ■ सीहोर

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस विधायक कार्यालय मैं मनाया गया। विधायक सुदेश राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान पर अपने निवास और कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा पहराया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं से भी विधायक सुदेश राय ने अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाने का आह्वान किया। को आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक सुदेश राय ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल उन्होंने कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि हम भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं और हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की दिशा निर्देशन मार्गदर्शन में जनता की सेवा करने का शुभ अवसर प्राप्त हो रहा है। इस शुभ अवसर पर विधायक सुदेश राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री डॉ मोहन जयादव के नेतृत्व में वरिष्ठ मार्गदर्शकों , संस्थापक सदस्यों और वरिष्ठ नेताओं के दिखाए पथ पर आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करने की शपथ कार्यकताओं को दिलाई। विधायक सुदेश राय ने कहा कि भाजपा अनगिनत कार्यकताओं के अथक प्रयासों का प्रतीक है, जिनकी मेहनत और समर्पण से भाजपा एक मजबर्त संगठन बना है। उन्होंने कार्यकताओं को भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गणमान्य नगरिक रहे शामिल।

सब्जी मंडी में पार्किंग को लेकर हुआ विवाद

दुकानदारों ने कब्जा किया, विरोध में सड़क पर दो घंटे जाम; आश्वासन के बाद पीछे हटे

अशोकनगर। अशोकनगर के आरोन रोड स्थित नई सब्जी थोक मंडी में सोमवार सुबह पार्किंग विवाद को लेकर हंगामा हुआ। सब्जी विक्रेताओं ने सड़क पर डेढ़ घंटे तक चक्का जाम कर दिया। मंडी में सड़क किनारे वाहन पार्किंग के लिए जगह निर्धारित की गई थी। कुछ दुकानदारों ने इस जगह पर अपनी दुकानें लगा लीं। इससे नाराज होकर दोपहिया वाहनों से सब्जी बेचने आने वाले विक्रेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। विक्रेताओं का कहना था कि वे अपने दोपहिया वाहनों पर 50-60 किलो सब्जी लाते हैं। पार्किंग स्थल पर दुकानें लग जाने से उन्हें वाहन सड़क किनारे खड़े करने पड़ते हैं। इससे वाहन गिरने और खुद के चोटिल होने का खतरा बना रहता है।

आश्वासन के बाद हटे प्रदर्शनकारी: नगर पालिका और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पालिका ने एक दिन में व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि जिन दुकानदारों को दुकानें आवंटित की गई हैं, उन्हें वहीं व्यापार करना होगा। इस आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी हट गए। प्रदर्शन के दौरान कुछ विक्रेताओं ने सब्जियां सड़क पर फेंक दीं। जाम के कारण कई लोगों को वैकल्पिक मार्ग से निकलना पड़ा।

अनोखी चोरी: चोरी कर दुकानदार के नाम छोड़ा कबूलनामा

कंप्युटर टाइपिंग लेटर में लिखा 6 माह में लौटा दूंगा चुराए रुपए

खरगोन। कोतवाली क्षेत्र में रविवार- सोमवार की दरमियानी रात अनोखी चोरी का मामला सामने आया है। यहां चोर ने एक कोल्डिंग्स सप्लायर की दुकान में करीब ढाई लाख रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद खुद एक कंप्युटर टाइपिंग लेटर छोड़कर इस चोरी की जिम्मेदारी लेते हुए 6 माह में रुपए लौटाने का भरोसा भी दिया। इस अनोखी चोरी का खुलासा सोमवार सुबह हुआ जब दुकानदार दुकान पर पहुंचा। दुकान संचालक जुजर बोहरा ने बताया कि सुबह जब दुकान पहुंचा तो काउंटर परलेटर मिला। उसमें चोरी का कबूलनामा देख घबराते हुए रुपयों से भरा बेग खोला, जिसमें 2 लाख 84 हजार रुपए थे, उसमें से ढाई लाख गायब मिले। काउंटर पर मिले लेटर में लिखा था कि जुजुर भाई मैंने आपको दुकान में रुपये गिनते देखा था। यह राशि 6 माह में लौटा दुंगा। मैं आपसे और आपके बेटे दोनों से हाथ जोड़कर माफी भी मांगूगा, मैं रामनवमी के दिन चोरी कर रहा हूं, मेरा इरादा चोरी का नही था पर बहुत मजबुर हूं। आप 6 महिने बाद मुझे पुलिस में दे देना पर अभी मेरा पैसे चुराना बहुत जरुरी है। आपको सारी बातें सच- सच बता दी पर अभी में सामने नही आ पाउंगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया आगजनी प्रभावित फसलों का निरीक्षण

अशोकनगर। अशोकनगर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राव अजय प्रताप सिंह यादव ने प्रशासनिक अमले को साथ लेकर सोमवार को मुंगावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम झागर बमुरिया गांव में भ्रमण कर आगजनी से फसल नुकसानी का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने किसानों से चर्चा कर फसलों को हुए नुकसान का सर्वे करवाकर 100 प्रतिशत मुआवजा दिलवाने की बात कही। उन्होंने किसानों से कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। किसानों को शासन द्वारा हर संभव मदद दिलाई जाएगी। सर्वे का कार्य पूर्ण होने पर मुआवजा दिलाये के लिए प्रत्येक स्तर पर मदद के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगजनी से नष्ट हुई फसलों का बीमा दिलाने के लिये हर संभव प्रयास करेंगे। पटवारी, तहसीलदार, कृषि अधिकारी प्रत्येक प्रभावित खेत में जाकर सर्वे करेंगे और 100 प्रतिशत वास्तविक नुकसानी लिखेंगे। फसल नुकसान की रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजकर शीघ्र मुआवजा दिलाया जाएगा। किसानों को समुचित न्याय मिलेगा और मुआवजा दिलाया जाएगा। किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि आगजनी से नष्ट हुई फसल का बीमा दिलाने के लिए पूरी कोशिश करूंगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फसल नुकसानी का शत-प्रतिशत आंकलन किया जाए। जिसमें कोई भी किसान छूटे न और जिस किसान के कागज पूर्ण न हो वह अतिशीर्घ पूर्ण करवाए एवं पात्रता अनुसार किसानों को राशन पर्ची मुहैया करवाई जाए। उल्लेखनीय है कि शनिवार को हुई आगज़नी में गेहूं की फसलों में नुकसान बताया जा रहा है। सोमवार को स्वयं जिला पंचायत अध्यक्ष ने खेतों में जाकर नष्ट हुई फसल को देखा एवं पीड़ित किसानों से चर्चा कर ढांढस बंधाया। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि आज ही अपने बैंकों की पासबुक खाते की किताब आधार कार्ड की छाया प्रति आदि तत्काल पटवारी को जमा करे जिससे अतिशीर्घ राशि खातों में पहुंच सके।

विधायक के सवाल पर मंत्री का जवाब

जिले में नहीं है राज्य संरक्षित स्मारक

अशोकनगर। विधायक हरी बाबू राय ने अशोकनगर के प्राचीन इतिहास और सांस्कृतिक-धार्मिक महत्व को देखते हुए अशोकनगर जिले को पर्यटन जिला के रूप में घोषित करने की मांग की थी। लेकिन राज्य सांस्कृतिक मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने इस मांग को यह कहकर दरकिनार कर दिया कि वहां पर कोई राज्य संरक्षित स्मारक नहीं है। इस पर कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए निशाना साधा है। कांग्रेस नेता रितेश जैन आजाद ने कहा कि क्या भाजपा सरकार हर जगह खुल्लम-खुल्ला झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रही है? अशोक नगर जिले के चंदेरी तहसील में कई स्मारक एएसआई के तहत संरक्षित है,भियादाह, कौशिक महल आदि,वहीं करीला माता मंदिर और वहां लगने वाला रंग पंचमी का मेला पूरे देश में प्रसिद्ध है,एवं तुमैन और ईसागढ़ क्षेत्र में बहुत सारी ऐतिहासिक स्मारक सरकार द्वारा संरक्षित श्रेणी में है।

चर्या शिरोमणि विशुद्ध सागर जी का महाराज एवं आर्यिका माता ने किया पाद प्रक्षालन व चरण वंदना

ऊन में गुरु- शिष्य समागम के साथ शुरु हुआ पंच कल्याणक महोत्सव

सत्ता सुधार ■ खरगोन

स्वर्ण भद्रादि चार महामुनिराजो की निर्वाण स्थली पावागिरी सिद्ध क्षेत्र ऊन में सोमवार सुबह उस वक्त अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब चर्या शिरोमणि, पट्टाचार्य आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य श्री की मंगल अगवानी करने के लिए गनाचार्य विराग सागर के मूल संघ के मुनि श्री विवर्धन सागर महाराज एवं आर्यिका विशिष्ट मति माताजी ससंघ पहुंचे। हजारों श्रद्धालुओं की साक्षी में गुरु शिष्य मिलन का अद्भुत दृश्य सभी ने निहारा जबकि आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं चरण वंदना सभी महाराज एवं आर्यिका माताजी ने की। क्षेत्र के प्रचार मंत्री आशीष जैन, पारस कासलीवाल भीकनगांव ने

बताया कि आचार्य संघ की मंगल आगवानी में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, भगवानपुरा विधायक केदार डाबर, जिला पंचायत सदस्य रेवाराम पाटीदार आदि सुबह से ही पहुंच गए थे, इन्होंने आचार्य श्री के साथ पद विहार भी किया। मंगल अगवानी के साथ ही घटयात्रा में महिलाएं मंगल कलश सिर पर धारण कर चल रही थीं। बड़वाह के बैंड द्वारा सुमधुर भजन प्रस्तुत किए जा रहे थे। जबकि पंजाब के बैंड द्वारा नृत्य की दी गई शानदार प्रस्तुति को सभी ने सराहा। पांडाल प्रांगण में संपूर्ण संघ के सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी धर्म चंद्र शास्त्री नई दिल्ली के निर्देशन में ध्वजारोहण हुआ। ध्वजारोहण करने का सौभाग्य भरत रितु जैन जीरभार वाले इंदौर को प्राप्त हुआ जबकि मंडप उद्घाटन का सौभाग्य क्षेत्र के अध्यक्ष हेमचंद मीना झंझरी परिवार इंदौर को प्राप्त हुआ।

आज से प्रारंभ होगी गर्भ कल्याणक की क्रिया

भगवान की जिनबिंब प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान के गर्भ, जन्म, दीक्षा, ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक के 5 दिनों तक अलग.अलग क्रियाएं होती है उसी के अंतर्गत मंगलवार को गर्भकल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत सुबह नित्य अभिषेक के पश्चात योग मंडल विधान होगा पश्चात आचार्य श्री की दिव्य देशना होगी। दोपहर में नवग्रह होम, शांति होम, जल होम के बाद माता की गोद भराई होगी। रात्रि में इंद्र दरबार लगेगा कुबेर द्वारा रत्न वृष्टि होगीए देवियों द्वारा माता की सेवा कें दृश्य प्रस्तुत होगे, माता के सोलह स्वप्न प्रस्तुत होंगे एवं शांति सागर पाठशाला इंदौर दवारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

शिप्रा टोल नाके पर युवकों ने की तोड़फोड़

इंदौर। इंदौर-देवास बायपास के शिप्रा टोल नाके पर आए दिन विवाद होते है। नाके पर कर्मचारियों से कुछ युवकों ने विवाद किया और नाके पर तोड़फोड़ भी की। टोल प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज सहित शिप्रा थाने में शिकायत दर्ज की है। पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि नाके पर उत्पात मचाने वाले युवक मंत्री के समर्थक बताए जा रहे है। टोल कर्मचारियों ने पुलिस को की गई शिकायत में बताया कि रात को पहले एक कार आई। उसमें सवार युवक टोल देने के लिए तैयार नहीं थे। टोल से एंट्री नहीं मिली तो युवक कर्मचारी से बहस करने लगे, इसके बाद उनके साथी दूसरे वाहनों में पीछे से आए और फिर उन्होंने बगैर टैक्स चुकाए जाने की बात पर टोल के बूथ में घुस कर कर्मचारी से मारपीट की। दशहत में कर्मचारी बूथ छोड़कर भागे। इसके बाद युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। इसके बाद वे बगैर टोल चुकाए देवास की तरफ चले गए। कुछ देर के लिए टोल नाके पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की कतार लग गई। घटना की सूचना शिप्रा थाने पर दी गई। टोल कर्मचारियों ने तोड़फोड़ और मारपीट करने वाले युवकों के वाहनों के नंबर और सीसीटीवी फुटेज पुलिस को दिए। पुलिस अफसरों ने इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की है।

पहले भी हो चुकी है घटनाएं : शिप्रा टोल नाके पर पहले भी तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी है। पहले टोल नाका देवास टोलवेज द्वारा संचालित किया जाता था, लेकिन राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने ठेका निरस्त करने के बाद दूसरी एजेंसी को टोल नाके का संचालन करने की जिम्मेदारी दी। 1 अप्रैल को टोल टैक्स की दरें भी बढ़ाई गई थी।

सोया उद्योग को विकास का नया माध्यम बनाने की पहल

इंदौर। इंदौर में आयोजित 'सोया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2025' में देश-विदेश से आए वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों और कृषि विशेषज्ञों ने सोया उद्योग को आत्मनिर्भर और नवाचार आधारित बनाने पर जोर दिया। दो दिवसीय इस सम्मेलन में सोया वैल्यू चेन को सशक्त करने, किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन देने और उपभोक्ताओं तक स्वास्थ्यवर्धक सोया उत्पाद पहुंचाने की दिशा में सुझाव दिए गए। सीएसआईआर-सीएफटीआरआई की निदेशक डॉ. श्रीदेवी अन्नपूर्णा सिंह ने कहा कि भारत को सोया उत्पादों के लिए अन्य देशों पर निर्भरता कम करनी होगी। प्रोसेसिंग सुविधाएं बढ़ाकर और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित कर हम सोया क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल कर सकते हैं। आईसीएआर-नेशनल सोयाबीन रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. कुंवर हरेन्द्र सिंह ने किसानों के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज चयन और तकनीकी मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल दिया।

महंगी गाड़ियों में घूमता था अनपढ़ सरगना, करोड़ों की संपत्ति का मालिक

खड़किया गैंग के 4 चोर गिरफ्तार, एक किलो सोना बरामद

सत्ता सुधार ■ इंदौर

तेजाजी नगर पुलिस ने बांक टांडा के कुख्यात खड़किया गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपियों की निशानदेही पर शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी के दौरान करीब एक दर्जन सुनारों से पूछताछ करनी पड़ी। इनमें से कई के पास से चोरी का करीब 1 किलो सोना बरामद किया गया।

कार्रवाई का नेतृत्व प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी कर रहे थे। पुलिस ने दो टीमें बनाई थीं–एक टीम ने सुनारों से पूछताछ की, जबकि दूसरी टीम ने जब्ती की कार्रवाई को अंजाम दिया। तेजाजी नगर पुलिस ने सबसे पहले गिरोह के सरगना खड़क सिंह उर्फ खड़किया को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने

साथियों के साथ सूने घरों को निशाना बनाकर चोरी करता था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने गैंग के अन्य तीन सदस्यों–समाल सिंह, गेमर सिंह और रामू को भी गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी विनोद मीणा के मुताबिक, खड़क सिंह पढ़ा-लिखा नहीं है लेकिन महंगी एसयूवी में घूमता है और उसके पास

करोड़ों की संपत्ति है। यह गैंग तेजाजी नगर, राजेंद्र नगर और एरोड्रम क्षेत्र में कई वारदातों को अंजाम दे चुका है।

चोरी का सोना गलवाने में मनावर और छोटा सराफा के सुनार शामिल : पूछताछ में खुलासा हुआ कि मनावर निवासी सुनार चेतन चोरी का सोना गलाकर आगे बेचता था। उसकी निशानदेही पर छोटा सराफा के ज्ञानेन्द्र, गजेंद्र उर्फ बंटी, विकास और नंदानगर के अन्य सुनारों से भी पूछताछ की गई। पुलिस ने इनसे करीब 1 किलो सोना बरामद किया है।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 1 किलो 60 ग्राम सोना, 6 किलो 240 ग्राम चांदी, तीन लाख रुपए नकद, दो बाइक, कटर, जैक, फालिया सहित चोरी के अन्य औजार बरामद किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत लगभग 1 करोड़ 28 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, ये आरोपी वारदात के तुरंत बाद फरार हो जाते थे और पहाड़ियों में जाकर छिप जाते थे। इनके खिलाफ प्रदेश के कई थानों में लूट, चोरी और डकैती के केस दर्ज हैं।

कृषि कॉलेज के स्टूडेंट्स ने कृषि मंत्री को बताई पीड़ा

सत्ता सुधार ■ इंदौर

कृषि कॉलेज के स्टूडेंट्स कॉलेज के डीन को हटाने की मांग कर रहे है। पिछले कई दिनों से वे कॉलेज के गेट पर धरना प्रदर्शन कर रहे है। मगर उनकी मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है।

स्टूडेंट्स का कहना है कि इस मामले में एक नोट शीट भी चल चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अब स्टूडेंट्स एक दिन का उपवास करने की तैयारी में है। उन्होंने डीन को हटाने की मांग को लेकर कृषि मंत्री को ज्ञापन भी सौंपा और उनके सामने अपनी बात भी रखी। मंत्री ने मामले में आश्वासन दिया है। स्टूडेंट्स ने कॉलेज के डीन प्रोफेसर भरत सिंह को हटाने की मांग पिछले कई दिनों से कर रहे है। उन्होंने डीन पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग करते हुए पिछले कई दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे है। उनका कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। रंजीत किसानवंशी ने बताया कि इस मामले में वे कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना से मिले। उन्हें इस मामले में ज्ञापन भी दिया। उन्होंने बताया कि पिछले महीने इस

मामले में एक नोटशीट भी चली, लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। रंजीत का कहना है कि अधिकारियों द्वारा इस मामले में कोई एक्शन नहीं लिया है। स्टूडेंट्स ने कृषि मंत्री को इंदौर में ज्ञापन दिया और उनसे कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन देकर कहा- नोटशीट के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, मंत्री ने दिया आश्वासन

एक दिन का उपवास की तैयारी

नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन की कोर कमेटी के सदस्य रंजीत किसानवंशी ने बताया कि पिछले कई दिनों से कॉलेज के स्टूडेंट्स धरना प्रदर्शन कर रहे है। कॉलेज के गेट पर ही वे अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे है। अब स्टूडेंट्स आगामी दिनों में संभवत- मंगलवार को एक दिन का उपवास रखा जाएगा। देखा जाए तो स्टूडेंट्स अपनी मांगों को लेकर कॉलेज परिसर के गेट पर डीन की सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ कर चुके है। इसके पहले वे तिलक नगर थाने पर डीन के खिलाफ ज्ञापन भी देकर आ चुके है। स्टूडेंट्स द्वारा सांकेतिक अर्थी भी निकाली थी और डीन का पुतला भी जलाया था। स्टूडेंट्स द्वारा कॉलेज परिसर से लेकर रीगल चौराहे तक कैंडल मार्च भी निकाला था। इतने तरह के प्रदर्शन के बाद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई है।

पत्नी बोली- पटाखे जैसी आवाज सुनी, फिर पति लहूलुहान दिखे

इंदौर फायरिंग केस में फार्म हाउस मालिक पर एफआईआर

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर के फार्म हाउस में गोली लगने से मौत के मामले में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। केयरटेकर राजकुमार पुलिस हिरासत में है जबकि फार्म हाउस का मालिक विवेक सिंघल फरार है।

मृतक मदनलाल यादव के परिवार का आरोप है कि पुलिस पैसों के दबाव में सही जांच नहीं कर रही है। तेजाजी नगर के उमरीखेड़ा स्थित विवेक सिंघल के फार्म हाउस पर शनिवार शाम गोली चलने से 150 मीटर दूरी पर रहने वाले मदनलाल यादव की मौत हो गई थी। मदनलाल की पत्नी लीला बाई बोली, पति दूध की केन में पानी भर रहे थे। नजदीक ही फार्म हाउस है। वहां से आवाजें आ रही थीं। मुझे लगा कि पटाखे फूट रहे हैं लेकिन जब पति पर नजर पड़ी तो वे जमीन पर गिरे दिखे। उनके कपड़े खून से लथपथ थे। तब पता चला कि गोली लगी है। तेजाजी नगर थाने के टीआई आदित्य सिंघारिया ने बताया- गैर इरादतन हत्या के इस मामले में विवेक सिंघल ही आरोपी है। फार्म हाउस का केयरटेकर राजकुमार, विवेक के साथ कार में मदनलाल को अस्पताल ले गया था। उसे लीलाबाई के बयान के आधार पर हिरासत में लिया गया है।

पार्टी के दौरान अक्सर फायरिंग करता था विवेक

मदनलाल के बेटे मनोज यादव ने कहा, विवेक के पास लाइसेंसी गन है। वह जब भी फार्म हाउस पर आता, तो पार्टी के दौरान कई बार फायरिंग करता था। लोगों ने कभी उसे रोका नहीं। जिस जगह पिताजी को गोली लगी, वे हर दिन यहीं बोरिंग से पानी भरते थे।

मनोज ने बताया- जब पिता को गोली लगी, तब मैं घर पर नहीं था। अस्पताल पहुंचा तो पिता की मौत हो चुकी थी। वे मवेशी पालन के साथ-साथ मजदूरी का काम भी करते थे। विवेक का फार्म हाउस रहवासी इलाके में है। यहां अक्सर पार्टियां होती रहती है। कभी-कभी गोली चलने की आवाजें भी आती थीं, लेकिन पुलिस कभी इस तरफ नहीं आती है।

मीडिया कॉन्क्लेव के पहले दिन इंदौर का पत्रकारिता घराना पर रखे विचार

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर प्रेस क्लब के 63वें स्थापना दिवस पर 7, 8 और 9 अप्रैल को इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को इस पत्रकारिता महोत्सव की शुरुआत हुई। पत्रकारिता महोत्सव के पहले सत्र का विषय इंदौर का पत्रकारिता घराना रहा।

आयोजन में देशभर से पत्रकारिता, फोटोग्राफी और साहित्य जगत की अनेक हस्तियां शामिल हो रही हैं। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा यहां की पत्रकारिता एक तपस्या जैसी थी। हमने भी इंदौर में 9 सालों तक धुनी रमाई।

पत्रकारिता की पहली सीढ़ी ही प्रूफ रीडिंग : वरिष्ठ पत्रकार जयदीप कर्णिक ने कहा कि इंदौर में पत्रकारिता की पहली सीढ़ी ही प्रूफ रीडिंग से होती है। इसलिए इंदौर का घराना कहलाता है। भाषिक संस्कार इंदौर की पत्रकारिता ने कायम रखे।

पत्रकारों ने बेबाकी से उठाए मुद्दे : शुभारंभ सत्र में सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि इंदौर की पत्रकारिता शहर के विकास की आत्मा है। इंदौर के पत्रकारों ने विकास से जुड़े मुद्दों को बेबाकी से उठाया है। वहीं, प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि इंदौर के संपादक जब भी दिल्ली गए तो वे संपादक बनकर नहीं गए, पत्रकारिता को बदलने गए थे। इंदौर के पोहे जलेबी की बात होती है, लेकिन इंदौर के पत्रकारिता घराने की बात ज्यादा नहीं होती।

पत्रकारिता महोत्सव के शुभारंभ सत्र में अतिथियों का परिचय प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन संजय पटेल ने किया। आभार प्रेस क्लब महासचिव हेमंत शर्मा ने माना।

शब्दों के सितारे रहे इंदौर के पत्रकार

वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल ने कहा कि घराना शब्द सिर्फ इंदौर के लिए ही इस्तेमाल होता है। इंदौर से दिल्ली गए पत्रकार शब्दों के सितारे रहे हैं। उन्होंने पत्रकारिता को नई ताकत दी है। उन्होंने बताया कि राजेंद्र माथुर कहा करते थे कि इंदौर की पत्रकारिता ने अपनी एक शैली बनाई और पत्रकारिता को नई धार दी। इंदौर से खिले फूल अपनी खुशबू के साथ राष्ट्रीय पत्रकारिता में मौजूद हैं। इंदौर की पत्रकारिता का अतीत भव्य किस्म का था। इंदौर का घराना सिर्फ इंसानों की बदौलत नहीं है, बल्कि यहां से निकले अखबारों ने इसे मजबूती दी। इंदौर की तासीर, यहां की गलियों चौराहों, भावनाओं से जो दृष्टि विकसित हुई, वही इस घराने में दिखती है।

व्यापारी ने खुद को गोली मारी, अस्पताल में मौत

इंदौर। विजयनगर इलाके में रहने वाले एक प्रॉपर्टी व्यापारी ने रविवार दोपहर खुद को गोली मार ली। घटना के बाद व्यापारी को तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने सोमवार सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, फिलहाल परिजनों के बयान नहीं दर्ज किए गए हैं, लेकिन यह जानकारी सामने आई है कि व्यापारी किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। टीआई चंद्रकांत पटेल के अनुसार, यह घटना शीतल नगर की है, जहां पूरनमल राठौर ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से अपने सिर में गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन दौड़े और उन्हें खून से लथपथ तड़पते हुए पाया।

पुलिस को सूचना देने के बाद पूरनमल राठौर को तत्काल पास के मेंदाता अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि व्यापारी लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। पूरनमल राठौर समाज के एक प्रमुख व्यक्ति थे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया था। वे राठौर समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी एक पदाधिकारी रह चुके थे। इसके अलावा, विजयनगर क्षेत्र में उनके कई हॉस्टल और अन्य प्रॉपर्टी थीं, जिनका संचालन वे करते थे।

एमटीएच अस्पताल में बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई निःशुल्क

टीकाकरण अभियान ते तहत 12 अप्रैल तक लगाएंगे वैक्सीन

सत्ता सुधार ■ इंदौर

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर गंभीर गर्भाशय कैंसर की रोकथाम के लिए सोमवार से मेडिकल कॉलेज से सम्बंधित एमटीएच अस्पताल में निःशुल्क 9 से 14 वर्ष की बालिकाओ को एचपीवी वैक्सीन लगाई। एचपीवी वैक्सीन शॉट्स की एक श्रृंखला है जो आपको एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) संक्रमण से बचा सकती है। एचपीवी एक आम संक्रमण (एसटीआई) है जिसके लगभग 40 प्रकार (स्ट्रेन) हैं और जो त्वचा के त्वचा से संपर्क से फैलता हैं।

एचपीवी वैक्सीन आपको उन स्ट्रेन से बचा सकती है जिनका आपने पहले सामना नहीं किया है। उच्च जोखिम वाले एचपीवी स्ट्रेन कैंसर में बदल सकते हैं। कम जोखिम वाले प्रकार आपके कैंसर के जोखिम को नहीं बढ़ाते हैं, लेकिन वे गांठ या मस्सा जैसी परेशान करने वाली स्थिति पैदा कर हैं। इंदौर प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ संघ अध्यक्ष डॉ. सुमित्रा यादव प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के साथ मिलकर एचपीवी टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। इसमें 9 से 14 वर्ष की आयु के निम्न आय वर्ग बीपीएल की बालिकाओं का टीकाकरण निःशुल्क किया जाएगा। बालिकाओं को अपने साथ जन्म प्रमाण पत्र स्कूल प्रमाण पत्र आधार कार्ड और सहमति के लिए माता-पिता में से किसी एक का आधार कार्ड साथ लाना होगा।

डॉ. यादव ने बताया कि वैक्सीन के एक शार्ट की कीमत करीब नौ हजार रुपय है जो निःशुल्क 7अप्रैल से 12अप्रैल सुबह 9ः00 से साय 6ः00 तक वैक्सीन लगाई जाएगी। यहां पर एक हेल्प डेस्क भी बनाया गया है।

वैक्सीन लगाने से सर्वाइकल कैंसर से होगा बचाव : डॉ. यादव ने बताया इस वैक्सीन को लगाने से एचपीवी के 6, 11,16, 18 प्रकार के (स्ट्रेन) से होने वाले जेनिटल मस्सों या गांठों और सर्वाइकल कैंसर से बचाव होता है। साथ ही साथ यह वैक्सीन मुंह, गले, सिर और गर्दन के कैंसर से भी बचाव करती हैं, जो आमतौर पर एचपीवी के कारण होता है।

डॉ. सुमित्रा यादव ने डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया का माना आभार : डॉ.. यादव ने मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया का भी आभार माना जिन्होंने समय पर सहयोगी स्टाफ एवं व्यवस्था बनाने के पर्याप्त इन्तजाम करने मे सहयोग के साथ अनुमति दी।

जनजागरण अभियान

शहर में बरसों पुरानी कई बावड़ियां खस्ताहाल, अब निगम संवारेगा

कुएं-बावड़ियों के संरक्षण के लिए बनेंगी मोहल्ला कमेटियां

सत्ता सुधार ■ इंदौर

नगर निगम आने वाले दिनों में शहरभर के कुएं-बावड़ियों की दशा सुधारने वाला है। इसके लिए अलग-अलग स्थान पर कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही संवारी गई बावड़ियों और कुओं के लिए मोहल्ला कमेटियां गठित की जाएंगी, जिनमें क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया जाएगा। उनकी मदद से जनजागरण अभियान चलाने के साथ-साथ संरक्षण के कार्य किए जाएंगे।

सफाई व्यवस्था बेहतर करने के बाद अब नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा का फोकस बेहतर पर्यावरण और जल संरक्षण पर है। इसी के चलते हर रोज वे अलग-अलग क्षेत्र में पहुंचकर कुएं-बावड़ियों की स्थिति को देख रहे हैं। उनके साथ अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया भी जल यंत्रालय की टीम लेकर विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर बेहतर कार्यों के प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक शहरभर में 542 कुएं हैं। इनमें कई बरसों पुराने कुएं हैं और देखरेख के अभाव में 160 कुओं की हालत बदतर हो गई थी। इन सभी कुओं को नगर निगम फिर से संवारेगा। शुरुआती दौर में 2 करोड़ की लागत से कुएं-बावडियों को सुधारने के कार्य ठेकेदारों की मदद से किए जाएंगे और इसके लिए प्रस्ताव बनाकर टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। सुधार कार्य के बाद नगर निगम बावडियों की देखभाल के लिए मोहल्ले के जागरूक और वरिष्ठ नागरिकों की कमेटी बनाएगा। इस कमेटी का कार्य वहां देखरेख के साथ-साथ समय-समय पर जनजागरण अभियान चलाना रहेगा। अफसरों के

मुताबिक हर माह सार्वजनिक जल स्रोतों के पास स्कूली छात्र-छात्राओं की मदद से जल संरक्षण को लेकर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

100 कुओं पर बनेंगे हाईड्रेंट

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक कई कुओं की स्थिति शहर में अच्छी है और वहां शुरुआती दौर में कुछ कार्य करने के बाद उन कुओं पर हाईड्रेंट बनाए जाएंगे। इन हाईड्रेंट से निगम के टैंकरों में पानी भरा जाएगा। यह पानी उद्यान और निगम द्वारा बनाए गए शौचालयों के उपयोग में लाया जाएगा। कुछ समय पहले से नगर निगम द्वारा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का पानी उद्यानों में उपयोग किया जाता रहा है और एसटीपी के पानी के लिए निगम ने मेघदूत उपवन के समीप से लेकर कई स्थानों पर इसके हाईड्रेंट बनाए हैं।

इंदौर से 27 मई को रेलवे चलाएगा भारत गौरव पर्यटन ट्रेन

चार तीर्थ स्थानों के दर्शन कराकर 5 जून को इंदौर लौटेगी

इंदौर। रेलवे एक और भारत गौरव पर्यटन ट्रेन की सौगात इंदौर को देने जा रहा है। यह ट्रेन इंदौर से 27 मई को रवाना होगी और 6 जून को वापसी करेगी। इस दौरान यह ट्रेन पुरी, गंगासागर और बैद्यनाथ तथा काशी विश्वनाथ के दर्शन कराएगी।

आईआरसीटीसी इस ट्रेन का संचालन करेगा। यह ट्रेन तीन श्रेणी में रहेगी, जिसमें स्लीपर के साथ-साथ सेकंड और थर्ड एसी भी शामिल रहेगा। ट्रेन में एलएचबी कोच लगाए गए हैं। 27 मई को यह ट्रेन इंदौर से उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, जबलपुर, कटनी, अनूपपुर होते हुए 29 मई को ओडिशा के जगन्नाथपुरी पहुंचेगी। यहां यात्री दर्शन करेंगे और दूसरे दिन सुबह, यानी 30 मई को कोलकाता के लिए प्रस्थान करेंगे। कोलकाता पहुंचने के बाद सड़क मार्ग से उन्हें गंगासागर ले जाया जाएगा, जहां रात्रि में भोजन एवं विश्राम होगा। 31 मई की रात गंगासागर में रुकने के बाद यात्री दूसरे दिन सुबह 1 जून को कोलकाता के कालीमाता मंदिर में दर्शन करेंगे और रातभर यात्रा करेंगे। 2 जून को माधवपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां से सडक़ मार्ग से बाबा बैद्यनाथ के दर्शन करने जाएंगे और फिर 3 जून को वाराणसी पहुंचकर काशी विश्वनाथ के दर्शन करेंगे।

2 वर्ष बाद अप्रैल माह में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा तापमान, 41 डिग्री टेंपरेचर से दोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

अप्रैल के आरंभ होते ही गर्मी अपना रौद्र रूप दिखाने लगी है, जिसके कारण दोपहर के 12:00 बजते ही सड़कों पर चहल-पहल कम हो जाती है तथा कई इलाके पूरी तरह सन्नाटे में डूब जाते हैं। 2 वर्ष बाद अप्रैल के महीने में पहली बार सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे आगामी दिनों में तापमान में और अधिक वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि पुणे से फोरकास्ट आज मंगलवार को आएगा, इसके बाद सही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अप्रैल का महीना शुरू होते ही गर्मी अब अपने तेवर दिखाने लगी है और सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा पसरने लगा है। 11:00 बजते ही धूप इतनी तेज हो जाती है कि लोग सहन नहीं कर पा रहे और 12:00 बजते ही मुख्य मार्गों पर भी चहल-पहल काम हो जाती है तथा रिहायशी बस्तियों मे तो दोपहर होते ही सन्नाटा पसर जाता है। गर्मी से बचने के लिए अब लोग ठंडा शीतल पेय पदार्थ की आवश्यकता महसूस करने लगे हैं, जिससे जूस सेंटर, कोल्ड ड्रिंक की दुकान, लस्सी की दुकानों पर लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है, वहीं शहर में जगह-जगह नींबू शिकंजी के ठेले नजर आने लगे हैं।

मौसम विभाग के विशेषज्ञ डॉ हरविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023 के अप्रैल माह में अधिकतम तापमान 40.5 एवं न्यूनतम तापमान 21.5 दर्ज किया गया था। अब 2 वर्ष बाद अप्रैल के महीने में अधिकतम तापमान 41 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया है, जो 2023 के मुकाबले अधिक है। अभी अप्रैल का महीना आरंभ हुआ है और यही हाल रहा तो अप्रैल के अंत में टेंपरेचर 50 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है, जिससे लोगों की दिनचर्या काफी प्रभावित हो सकती है। फिलहाल मंगलवार को पुणे से फोरकास्ट आएगा, उसके बाद आगे की स्थिति का पता चल सकेगा।

पेड़ों की कटाई एवं एसी की तादाद बढ़ना बड़ा कारण

जिस प्रकार से अप्रैल के महीने में गर्मी का प्रकोप तेज होता जा रहा है, उससे सभी लोग परेशान हैं। इस मामले में कुछ जानकारो का कहना है कि जिस तरीके से अंधाधुंध वृक्षों की कटाई कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और पेड़ों की कटाई की जा रही है, वहीं वातानुकूलित एसी की तादाद हर वर्ष बढ़ रही है जो गर्मी बढ़ने का मुख्य कारण हो सकता है।

सिलायथा हत्याकांडः जेल में बंद आरोपी पक्ष की महिलाएं आई मीडिया के सामने, कहा हमारी फसलों को लूट रहे मृतक पक्ष के लोग

न्यायालय के आदेश के बाद भी पुलिस ने जप्त नहीं की डीवीआर एवं टावर लोकेशन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिविल लाइन थाना अंतर्गत सिलायथा गांव में 28 फरवरी को ब्राह्मण परिवार के कुछ लोगों द्वारा ध्रुव सिंह यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जो जेल में बंद हैं। अब मृतक पक्ष के लोग आरोपी पक्ष के घर में पुरुष न होने का फायदा उठाकर महिलाओं को डरा धमका कर उनकी फसलों को लूट रहे हैं तथा सोमवार को भी फसल लूटने की घटना को अंजाम दिया, जिसके बाद महिलाओं ने पुलिस को सूचना दी, परंतु पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोपी पक्ष की महिला एवं बच्चियों ने मीडिया के समक्ष अपनी बात रखते हुए कहा कि यह मौलिक अधिकारों का हनन है और

इस तरह वह हमारी फसलों को लूटेंगे तो हमारे यहां भूखे मरने की नौबत आ जाएगी।

स्थानीय होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोपी पक्ष की महिला श्रीमती आरती पत्नी श्याम सुंदर शर्मा एवं किशोरी पत्नी राकेश शर्मा तथा दो अन्य बच्चियों ने बताया कि माननीय हाई कोर्ट द्वारा आदेश जारी कर पुलिस को घटनाक्रम के सीसीटीवी डीवीआर एवं टाइम लोकेशन जप्त करने के लिए निर्देशित किया है, लेकिन पुलिस द्वारा कोई जप्ती नहीं की गई है, जिससे सबूत मिटाए जाने का खतरा बना हुआ है। न्यायालय के आदेश पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास आ चुके हैं, यह आदेश 19 मार्च एवं 26 मार्च को आए हैं। प्रेस वार्ता में महिलाओं ने बताया कि मृतक पक्ष के केशव, सुनील, लच्छे, सतीश, पवन, सुघर सिंह, अजय, विजय, राकेश, दौले, पूरन सिंह, लाखन जाटव सरपंच एवं महाराजपुर के कुछ लोग लगातार उनकी फसलों को काट रहे हैं और धमकियां दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ध्रुव सिंह हत्याकांड में आरोपी रामसेवक शर्मा पुत्र रघुनंदन शर्मा आयु 65 वर्ष, राकेश पुत्र रघुनंदन शर्मा आयु 50 वर्ष, श्यामसुन्दर पुत्र रघुनंदन शर्मा आयु 40 वर्ष, रामकिशोर पुत्र रामसेवक शर्मा आयु 35वर्ष, अपराध क्र. 79/2025 अन्तर्गत धारा 103, 296, 61 (2) ए. 191 (2), 191 (3), 190 बी.एन.एस. में लगभग एक डेढ़ माह से न्यायिक निरोध में होकर जिला जेल मुरैना में बंद हैं। गांव में गार्ड लगा है, इसके बावजूद मृतक पक्ष के लोग आरोपी पक्ष की महिलाओ को उनकी खड़ी गैहू एवं सरसों की फसल लगभग 15 बीधा को फरियादी व उसके समाज के लोग काटने (थेसिग) करने नहीं दे रहे हैं। इस कारण आवारा पशु उसे क्षति पहुंचा रहे है, यदि कटी फसल नही दिलाई गई तो उनके बच्चे भूखों मर जावेगें। सोमवार की सुबह लगभग 9.00 बजे उक्त आरोपीगण सरसों की फसल को भी लूटकर ले जाने लगे। पुलिस के 100 नम्बर पर फोन करने पर जब तक पुलिस गांव आई, तब तक आधी से अधिक सरसों की फसल लूटकर ले गये तथा शेष छोड़कर भाग गये। इसके वीडियो गांव के लोगो एवं गांव में तैनात गार्ड के पास मौजूद है। इस प्रकार फरियादी पक्ष के लोग आये दिन गैहू व सरसो की फसल को लूटकर ले जाते हैं।

ड्राई फ्रूट बेचने वाले पिता पुत्रों पर परिवार के लोगों ने डंडा सरिया से किया हमला, जान से मारने की दी धमकी

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिटी कोतवाली के अंतर्गत मारकंडेश्वर बाजार में ड्राई फ्रूट बेचने वाले दिलीप राठौर उसके पिता एवं भाई पर परिवार के लोगों ने ही रविवार की शाम सरिया एवं डंडों से हमला बोलकर चोटिल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पिता पुत्रों ने सोमवार को कोतवाली पुलिस को शिकायत देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। फरियादी दिलीप पुत्र मुन्नालाल राठौर ने कोतवाली पुलिस को सोमवार को दिए आवेदन में बताया कि वह अपने पिता एवं भाई के साथ मारकंडेश्वर बाजार में मेवा ड्राई फ्रूट का ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। पास में ही उसी के चाचा एवं उसके लड़के भी ठेला लगाते हैं और आए दिन झगड़ा करते हैं। रविवार की शाम 4:00 बजे के लगभग दिलीप राठौर के पास एक ग्राहक मेवा ड्राई फूड खरीदने आया तो आरोपी जनडेल पुत्र रामेश्वर राठौर ग्राहक को इशारे से अपने ठेले पर बुलाने लगा और बोला कि उसकी मेवा खराब है, जब दिलीप ने इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने अपनी पत्नी श्रीमती कृष्णा एवं दोनों पुत्र योगेश एवं रोहित को बुला लिया तथा सरिया एवं डंडों से दिलीप उसके पिता मुन्नालाल एवं भाई सचिन पर हमला बोलकर मारपीट कर दी, जिससे तीनों को चोट आई है।

नीडम आरओबी एवं साडा ऑडिटोरियम, आईएसबीटी
का वर्चुअल लोकार्पण के अवसर पर
मान. मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी का
हार्दिक स्वागत.... वंदन... अभिनन्दन !
एवं
गरीब एवं मध्यम वर्ग के लिए सिंधिया राजवंश द्वारा स्थापित नैरोगेज ट्रेन को बड़ी लाईन में परिवर्तित कर ग्वालियर से कोटा के लिए मेमू ट्रेन लाने के सूत्रधार
जो वर्तमान में ग्वालियर से कैलारस तक संचालित है जो अतिशीघ्र अभी सबलगढ़ तक पहुँचेगी बाद में कोटा तक जायेगी तथा
ग्वालियर के पश्चिमी हिस्से में लगभग 29 किलोमीटर लम्बाई के एक्सेस कंट्रोल्ड फोरलेन बाईपास निर्माण की स्वीकृति ।
ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी अब प्रतिदिन यात्रियों के लिए उपलब्ध होने पर ।
ग्वालियर चंबल संभाग में विकास के मसीहा, जन–जन के हृदय सम्राट
श्रीमंत महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया जी

मान. मुख्यमंत्री जी एवं मान. श्रीमंत सिंधिया जी का म.प्र. के एक करोड़ से भी अधिक अग्रवाल (वैश्य) समाज की ओर से हार्दिक धन्यवाद एवं आभार

शुभेच्छु
शारदा कैलाश मित्तल
(अध्यक्ष – लायंस क्लब जौरा)
(पूर्व अध्यक्ष – न.पा. जौरा)

कैलाश मित्तल (पूर्व अध्यक्ष – न.पा. जौरा)
समर्पित भाजपा कार्यकर्ता
प्रदेश अध्यक्ष म.प्र. अग्रवाल महासभा भोपाल

ब्रीफ न्यूज

विकासखण्ड स्तरीय पुस्तक मेला दो दिन

हरदा। विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री रियायती दर पर उपलब्ध कराने के लिये जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय पुस्तक मेला 7 एवं 8 अप्रैल को हरदा, खिरकिया व टिमरनी विकासखण्ड मुख्यालय के कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूलों में किया जा रहा है। जिला परियोजना समन्वयक बलवंत पटेल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 1 अप्रैल

से नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो गया है। इसको ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को रियायती दरों पर पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुस्तक मेले आयोजित किये जा रहे है। उन्होने बताया कि ये मेले प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होंगे। मेले में कीर्ति कार्ड धारक परिवारों को अतिरिक्त विशेष छूट प्रदाय की जावेगी।

अजाक्स में मनाया जाएगा आंबेडकर जन्मोत्सव

हरदा । अजाक्स एवं आकाश के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती जिला अजाक्स कार्यालय परिसर में बड़े उत्साहपूर्वक मनाई जायेगी। अजाक्स प्रवक्ता सुभाष मसकोले द्वारा अवगत कराया गया कि अजाक्स एवं आकाश संगठन के साथ ही अन्य सामाजिक संगठनों की संयुक्त बैठक में लिए गए निर्णयानुसार बाबा साहब की 134 वीं जयंती अजाक्स कार्यालय परिसर में 14 अप्रैल सोमवार को बड़ी धूमधाम से मनाई जाकर शोभा यात्रा निकली जावेगी। साथ ही कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त विद्यार्थियों एवं अन्य विधाओं के प्रतिभावान युवक युवतियों एवं स्थानीय सामाजिक जन प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया जायेगा। इस अवसर पर एक दिन पूर्व संविधान एवं बाबा साहब के जीवन पर आधारित प्रश्न प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जिसमें कक्षा 6 वीं से12 वीं तक के विद्यार्थि भाग ले सकते है। विजयी तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जायेगा।

बनासकांठा दुर्घटना के प्रभावित परिवारों को की जा रही है हर संभव मदद

हरदा। गत दिनों गुजरात राज्य के बनासकांठा जिले में स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुई विस्फोट की दुर्घटना में हरदा जिले के प्रभावित परिवारों को प्रशासन द्वारा हर संभव मदद देने की कार्यवाही लगातार जारी है। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि इस दुर्घटना में मजदूर परिवारों के कुल 11 सदस्यों की मृत्यु हो गई थी। इन सभी 11 मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री सहायता कोष से दो-दो लाख रुपये तथा गुजरात शासन की ओर से कुल चार-चार लाख रुपये की मदद स्वीकृत की गई है। इसके अलावा सभी 11 मृतकों के परिजनों को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान की राशि से 2-2 लाख रुपये की मदद मृतकों के परिजनों को दी जा चुकी है। इसके साथ ही संबल अनुग्रह योजना से कुल 3 मृतक श्रमिकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की मदद भी दे गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि संबल योजना के तहत पंजीबद्ध 8 मृतक मजदूरों के परिजनों को अंत्येष्टि सहायता के रूप में पांच-पांच हजार रुपये की सहायता भी दी गई है।

खंडवा में धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया राम जन्म महोत्सव

सामाजिक समरसता का भाव लेकर बड़ा बम से बजरंग चौक तक राम रथ यात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

महामहिम सभापति सहित हजारों की संख्या में यात्रा में शामिल हुए

सत्ता सुधार ■ खंडवा

विभिन्न के अनुसार इस वर्ष भी जिले भर में राम नवमीं के पावन पर्व पर भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाता है। संगीत के दिन सुबह 8 बजे बड़बम प्राचीन राम मंदिर की यात्रा भजन मंडलियों द्वारा की गई, भजनों के कलाकारों के साथ रामरथ की भूमिका निभाई गई, 25 साल से लेकर अब तक के कलाकारों में से एक डॉ. मुनीष मिश्रा के संयोजन में राम रथ यात्रा निकाली जा रही है, रामनवमी के अवसर पर रविवार को यात्रा की गई, जिसमें पुरुष वस्त्र से लेकर महिला गुड़िया तक, केसरिया महोत्सव का आयोजन किया गया था। कलश यात्रा में सबसे प्यारे घोड़े बागी बीच में बैंड-बाजे पर बजती रामधुन सहसा ही मन को चिल्लाती रही थी। वहीं ट्रेक्टर ट्राली में भजन मंडली के सदस्य भजनों के संचालक दे रहे थे।

महान जूना राम मंदिर से राम भक्तों द्वारा राम रथ यात्रा निकाली गई, जो शहर के विभिन्न ध्वजों से लेकर बजरंग चौक मुनिबाबा मंदिर तक गई, जहां सभी राम भक्तों ने मंदिर में दर्शन कर आरती के बाद प्रसादी ग्रहण की। सामाजिक एकता की यह यात्रा जगह-जगह पर सभी धार्मिक लोगों ने वर्षा पुष्प एवं जलपान ग्रहण करवा कर स्वागत कर अभिषेक भाग में लिया। यात्रा में मातृशक्ति एवं पुरुषों ने भजनों की धुनों पर गरबा नृत्य भी किया, घंटाघर चौक पर कन्या कुब्ज ब्राह्मण सखी मंडल द्वारा भी रथ यात्रा का स्वागत किया गया। रथयात्रा बजरंग चौक स्थित राम मंदिर का समापन हुआ। राम रथ यात्रा के संयोजक डा. रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए मुनीश मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्री राम ने अपने राज्य को समरसता के भाव दिए, इस रामरथ ने सामाजिक समरसता की यात्रा की, इस यात्रा में सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं। इस अवसर पर यात्रा में शामिल पंडित राम जोशी ने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन चरित्र हमें जीवन की कला सिखाता है। राम जन्म नवमी की शुभकामनाएँ देते हुए कहा गया है कि हमारे आराध्य भगवान श्री राम के जन्म उत्सव के लिए हम सभी धार्मिक उत्साह के साथ मना रहे हैं, हमें पूरा गर्व है कि देश के प्रधान मंत्री श्री मोदी जी और अन्य राम भक्तों के सहयोग के लिए पिछले 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम के लाल भव्य मंदिर में विसर्जन किया गया था, मैं सभी भक्तों से प्रार्थना करता हूं कि आराध्य भगवान राम के लाल के दर्शन कर पुण्य प्राप्त करें, सामाजिक समरसता का भाव इस यात्रा के लिए हैरो में धन्यवाद दिया गया, श्रीमती अमृता यादव राम जन्मोत्सव की शुभकामनाओं के लिए भगवान सुनील जैन ने शहर के अलग-अलग भजन मंडलियों ने भजनों की प्रस्तुतियां दी, भगवान श्री राम के शानदार भजन मंडलियों ने बजरंग चौक पर भगवान श्री राम के शानदार भजनों की प्रस्तुति दी, बजरंग चौक पर आयोजित कार्यक्रम का प्रचार अभियान के लिए जाना जाता था। नागानोरी, शांतनु दीक्षित, सुनील जैन, अशिक्षित सोदिदी, लिबरल नाड़ी अणिमा लाला सिंह उबेजा, लाला रामदास गुप्ता, नारायण गुप्ता, सुनील कौशिक, डॉ. संजय अग्रवाल ओम अग्रवाल, राज नारायण परवाल, ढोला, अरुण बाहेती,संदेश तिवारी, दादू भाई, मलालू, शैलेश पालीवाल, डोभा जैन, जगदीश चंद्र चौरे, मिश्रा, नारायण बाहेती भारद्वाज पाठक, लाला बाहेती आलम, प्रमिला शर्मा, यात्रा में शिवा शुक्ला, अन्नपूर्णा तंवर, पंडित नवीन शर्मा, गोविंद आदि सहित हजारों की संख्या में रामरथ शामिल थे।

मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम का जन्मोत्सव धार्मिक उत्सव के साथ नगर नगर के मंदिरों में मनाया गया

धर्म, न्याय, आधिपत्य, उच्च आदर्शों का पालन करने वाले संप्रदायों के प्रमुख धार्मिक देवता हैं, उन्हें विष्णु का अवतार माना जाता है, पूरे जिले के साथ ही खंडवा में भगवान श्री राम का जन्म महोत्सव के साथ उत्साह मनाया जाता है, स्वामी सुनील जैन ने बताया कि राम जन्म उत्सव पर सुबह जहां भगवान श्री राम की रथ यात्रा होती है, वहीं दोपहर 12 बजे दोपहर के समय ग्रीनगंज स्थित जूना राम मंदिर, बड़ा बम स्थित प्राचीन राम मंदिर, विशाल चौक पर स्थित विशाल राम मंदिर, विशाल बम मंदिर माहेश्वरी समाज राम मंदिर में स्थित अनेक पूजनीयों द्वारा

भगवान के जन्मोत्सव पर महाआरती का आयोजन किया गया, आरती के बाद राम स्तुति कर प्रसादी का वितरण किया गया, अनिल बाहेती ने बताया कि भगवान श्री राम का जन्मोत्सव माहेश्वरी समाज खंडवा उत्सव द्वारा मनाया गया, माहेश्वरी समाज खंडवा महोत्सव पर, प्रातः काल भगवान का अभिषेक पंडित राजकुमार दाधीच ने किया 12:00 भगवान की आरती एवं पूजन माहेश्वरी ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष नारायण बाहेती, सचिव विजय राठी, समाज के अध्यक्ष दीपक धुत सचिव संतोष राठी, अनिल बाहेती, मुकेश झंवर, मनीष काबरा, दिनेश गिलड़ा, सुभाष जाखेटिया, कला परवाल, फोटोग्राफर सुनील जैन ने किया, यह राम मंदिर 125 साल पुराना है मंदिर में सभी त्योहारों के उत्साह के साथ मनाए जाते हैं समाज की महिलाओं ने भजन गाए।

पेट्रोल भरवाते वक्त मोबाइल से बातें करते हैं वाहन सवार

पेट्रोल पंप में हर वक्त हादसे का डर, ज्वलनशील पदार्थों से भी परहेज नहीं

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले के तीनों विकासखंड में इन दिनों देखने में आ रहा है कि हर आदमी की जीवनशैली में अनिवार्य आवश्यकता बन चुका मोबाइल का बढ़ता उपयोग कई बार हानिकारक भी हो सकता है। मोबाइल के खतरों की जानकारी होने के बावजूद लोग बेफिक्री के साथ पलभर के लिये उपयोग से तौबा करना तो दूर सावधानी बरतने से भी परहेज नहीं करते। हर किसी को पता है कि पेट्रोल भराते समय मोबाइल का उपयोग खतरनाक साबित हो सकता है। बावजूद इसके कोई सुनने समझने को तैयार ही नही है। वहीं दूसरी ओर पंप संचालक भी उतने चौकस व चौकन्ने नही है। मोबाइल को स्विच ऑफ रखें की चेतावनी गौरतलब है कि पेट्रोल पंप पर मोबाइल को स्विच ऑफ रखें की चेतावनी के बावजूद कोई इसे मानने को तैयार ही नहीं है।

सबको पता है कि पेट्रोल पंप पर ज्वलनशील पदार्थों की उपस्थिति में मोबाइल फोन की तरंग पलभर में शोले की तरह भड़क सकती है। फिर भी लापरवाही की आदत के कारण लोग मोबाइल का इस्तेमाल पेट्रोल पंपों पर भी करने से नही चुके रहे। अनेक पेट्रोल पंपों पर मोबाइल को स्विच ऑफ किये जाने की चेतावनी लिखी होने पर भी लोग इसका पालन नहीं करते। लोगो की मनमानी के आगे पंप कर्मियों की एक नही चलती।

इन नियमो की अवहेलना : पेट्रोल भरवाते समय धुम्रपान न किया जाये, मोबाइल बंद होना चाहिये, डिब्बों में पेट्रोल नहीं भरवाया जाये, ज्वलनशील पदार्थ नहीं ले जाये। पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिये। प्राथमिक चिकित्सा का बाक्स होना चाहिये। शौचालय की व्यवस्था होनी चाहिये।

समझाइश में पर आक्रामक हो जाते हैं उपभोक्ता : पेट्रोल पंप में कार्यरत कर्मचारियों का कहना है कि पंपों पर लोग वाहनों में पेट्रोल भरवाते समय मोबाइल से बातें करते हैं। जहां मोबाइल से उठने वाली तरंगों एवं मोबाइन के फटने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। लेकिन वे मोवाइल बंद करने की जरूरत महसूस नहीं करते। ग्राहकों को समझाइश देने पर वो आक्रामक से हो जाते है, कई बार वाद विवाद की स्थिति ही निर्मित हो जाती है। यही वजह है कि हमने इनसे बहस करना भी बंद कर दि है। लेकिन लोगों की लापरवाही से होने वाली दुर्घटना की आशंका हमेशा सताती है। अग्निदुर्घटना के लिये अग्निशमन यंत्रों का होना भी जरूरी है।

वाहन चालक नियमों का उड़ाते है माखोल

पंप के एकदम करीब होकर भी मोबाइल से बात करने से गुरेज नहीं करते। लोग अपने वाहन को उस वक्त तक चालू रखते है जब तक कि उनका नंबर नही आ जाता। पंप के सामने ही वाहन स्टार्ट करते है और पेट्रोल भरने वाला कर्मचारी भी ध्यान नही देता। पंपों पर अग्निशमन इंतजाम नाकाफी होते है। अग्निदुर्घटनाओं से बचने प्रशासन द्वारा नियम तो निर्धारित किये गये है तथा इन नियमों का पालन करने के लिये निर्देश भी है। लेकिन हर दिन हर पल प्रशासन के नियमों का माखौल उड़ाया जाता है।

पंप पर बच्चे खेलते है गेम, बड़े कर रहे धुम्रपान: कर्मियों का कहना है कि पेट्रोल भराते समय चार पहिया वाहनों में बैठे बच्चे और बडे लोग गेम्स खेलते रहते है। उन्हें नियम के बारे में बताने की हिम्मत किसी कर्मचारी में नहीं है। रात के समय कारों में पेट्रोल भरवाने के लिये आने वाले लोग मोबाइल पर बात करने के साथ धुम्रपान भी करते रहते है। जिससे दुर्घटना की आशंका दोगुनी हो जाती है। उनका कहना है कि प्रशासन को खासतौर पर पेट्रोल पंपों के आसपास पुलिस की तैनाती होनी चाहिये ताकि लोगों को सख्ती से नियमों का पालन करने के लिये बाध्य किया जा सके।

नवीन तापड़िया की स्मृति में रेल्वे स्टेशन पर निःशुल्क जल सेवा

सत्ता सुधार ■ हरदा/खिरकिया

नगर के तापड़िया परिवार द्वारा विगत बारह वर्षों से गर्मी के मौसम में खिरकिया रेल्वे स्टेशन पर निःशुल्क शीतल जल सेवा की जा रही है। संजय नामदेव ने बताया कि नगर के वरिष्ठ समाजसेवी ओमप्रकाश तापड़िया के बड़े पुत्र नवीन पिट्टी तापड़िया की खिरकिया रेल्वे क्रासिंग पर ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु होने के बाद से ही उनकी स्मृति में परिवार द्वारा प्याऊ लगाकर जल सेवा की जा रही है। इस दौरान नगर के सामाजिक कार्यक्रर्ताओं और सेवाभावी व्यक्तियों द्वारा विभिन्न ट्रेनों के समय स्टेशन पर पहुँचकर इस पुनीत कार्य में सहभागिता की जाती है। निःशुल्क जल सेवा का यह तेरहवा वर्ष है प्याऊ का शुभारंभ नगर के माहेश्वरी समाजाध्यक्ष पूनमचंद सोनी, विजय सोमानी, पूर्व नपाध्यक्ष पूनमचंद गुप्ता, पूर्व सांसद प्रतिनिधि महेंद्र सिह खनूजा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आत्माराम सांवरे, स्टेशन मास्टर आर एस पंवार, रेल्वे अधिकारी पीयूष जैन,नायब तहसीलदार प्रिंसी जैन, नगर विकास समिति सचिव राजेश मेहता उपस्थित थे। संचालन वैश्य समाज तहसीलाध्यक्ष गिरिराज माहेश्वरी ने किया । इस दौरान तापड़िया परिवार की और से निलेश तापड़िया, गोविदा तापड़िया और शरद तापड़िया द्वारा उपस्थित जनों को तिलक लगाकर अभिवादन किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री खनूजा ने कहा कि नगर का हर बच्चा बच्चा सेवाभावी है इस दौरान नगर के वरिष्ठ समाजसेवी पदमाकर हरड़े, अशोक मंत्री, विजय कोचर, पंकज घुप्पड़, पुष्कर राय, श्याम मिश्रा, सौरभ हेड़ा, आनंद दरगड़, नीरज तोषनिवाल, विवेक मुंदडा, नितिन श्रीवास, अथर्व तापड़िया सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सुनील जैन द्वारा प्रकाशित, कभी अलाइव ना सेड, पुस्तिका का कलाकार मनोज कुमार ने किया था विमोचन

वर्ष 2008 में कलाकार मनोज कुमार का स्टेशन पर प्रेरणा मंच के सदस्यों ने स्वागत किया था सम्मान

सत्ता सुधार ■ खंडवा

देश के महान हरफानमोला कलाकार मनोज कुमार का नाम 87 साल की उम्र में जाना जाता है, उनकी मृत्यु हो गई, देश हित की कई फिल्में उन्होंने बनाई, उन्हें हम कलाकार के रूप में काम करते थे, क्रांति पूरब पश्चिम जैसी कई फिल्में उनकी स्मृति रही, महान और किशोर प्रेरणा मंच के लेखक सुनील जैन ने उनके निधन पर शोक प्रकट किया, जिसमें बताया गया कि 13 अक्टूबर 2008 को किशोर दा की मृत्यु हो गई थी, वह राज्य सरकार के अधीन थे, उन्होंने 2 लाख रुपये की कमाई की थी। एवं पूर्णता पत्र किशोर सम्मान से सम्मानित किया गया था। इस कार्यक्रम में कलाकार मनोज कुमार सम्मान कार्यक्रम में अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्री लक्ष्मीकांत नंदकांत शर्मा, मंत्री कैलाश विजय कुवंर विजय शाह, उपाध्यक्ष हुकुमचंद यादव, उपाध्यक्ष हुकुमचंद यादव, सभापति वीर सिंह हिंडौन ने प्रवक्ता सुनील जैन किशोर दा खंडवा द्वारा उनके निर्माण महासभा स्थल और स्मारक की किताब में शामिल हुए। उनके खंडवा आगमन पर स्वागत कर स्मृति चिह्न सम्मान भी दिया गया।

समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि जिले में 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को सफल एवं सुचारू रूप से क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना बना लें एवं अभियान के तहत कार्यवारी करें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इस अभियान का गांव-गांव तक प्रचार-प्रसार करना है एवं आमजन को इस अभियान में शामिल कर अभियान के तहत गांव में बने तालाब, कुआं, स्टाप डैम, नाले सहित अन्य जल संरचनाओं की साफ-सफाई कर उनका जीर्णोद्धार करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जन अभियान परिषद, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं आजीविका मिशन के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा है कि वे इस अभियान के तहत पानी को बचाने

एवं पानी को सहेजने हेतु गांव-गांव में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करें एवं लोगों को पानी बचाने का संदेश भी दें। उन्होनें निर्देश दिए कि रैली के माध्यम से भी जल गंगा संवर्धन अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। जिससे ज्यादा से ज्यादा आमजन इस अभियान में जुड़ सकें एवं अभियान को सफल बनानें में अपनी सहभागिता निभा सकें।

बैठक में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियें को निर्देश दिए कि अधिकारी सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लें तथा समयावधि में शिकायतों का निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता से बात करें, शिकायतों को समझें तथा संतुष्टिपूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में शिकायतों का निम्नगुणवत्ता के साथ निराकरण न हो। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में आने वाली शिकायत अनअटेन्ड न रहे। आने वाली शिकायतों को अधिकारी प्राथमिकता के साथ पढ़ें एवं निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

बैठक में कलेक्टर ने लोकसेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली शिकायतों की भी समीक्षा की तथा कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोकसेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण किया जाए। इसके साथ ही कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतों में जिन लोंगो का ई-केवायसी का कार्य बाकी रह गया है उनका ई-केवायसी का कार्य कराया कराया जाए। बैठक में कलेक्टर ने प्राकृतिक प्रकोप से मिलने वाली राहत राशि के प्रकरणों की भी समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों निर्देश दिए कि प्राकृतिक प्रकोप से मिलने वाली राहत राशि के प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होनें अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्राकृतिक प्रकोप से मिलने वाली राशि के जितने भी प्रकरण बाकी हैं उन प्रकरणों की राशि शीघ्रता के साथ दिनाला सुनिश्चित करें। इसी प्रकार कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, ऊर्जा विभाग,जल संसाधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, वित्त विभाग, सहकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की भी समीक्षा की एवं आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विदाई समारोह — स्थानान्तरित जनसंपर्क अधिकारी को दी गई भावभीनी विदाई

दायित्वों के सही निर्वहन के लिए टीम वर्क आवश्यक: जनसंपर्क अधिकारी

सत्ता सुधार ■ शहडोल

संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय शहडोल में पदस्थ सहायक जन संपर्क अधिकारी श्री अरूणेंद्र सिंह को आज उनके जिला जनसम्पर्क कार्यालय उमरिया स्थानान्तरित होने पर संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय शहडोल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी।

विदाई समारोह को सम्बोधित करते हुए जनसंपर्क अधिकारी श्री अरूणेंद्र सिंह ने कहा कि सरकारी दायित्वों के सही निर्वहन के लिए टीम वर्क आवश्यक होता हैं,टीम वर्क के माध्यम से एक दूसरे के विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं, जिससे कार्यो की गुणवत्ता और गति दोनों में सुधार होता है। उन्होंने कहा कि मुझे जनसंपर्क कार्यालय शहडोल में कार्य करने का बहुत कम समय मिला लेकिन जितना भी समय मिला और जो भी कार्य किया उसमें सभी पत्रकारों, अधिकारी एवं कर्मचारियों का बेहतर सहयोग मिला यह मुझे हमेशा याद रहेगा। जनसम्पर्क कार्यालय के सोशल मीडिया हैंडलर श्री ओम जायसवाल ने कहा कि स्थानांतरित सहायक जनसम्पर्क

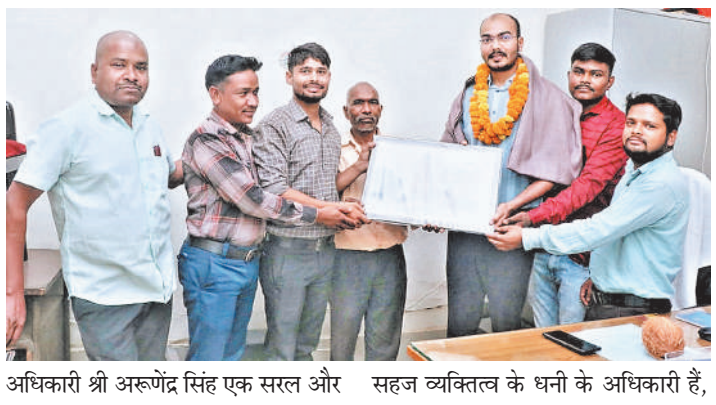

अधिकारी श्री अरूणेंद्र सिंह एक सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी के अधिकारी हैं, जिनकी कार्यशैली ने हम सभी को प्रभावित किया तथा सरकारी कार्यो को शांतिपूर्वक कैसे निर्वहन करें यह गूर सिखने को मिला। साथ ही फोटोग्राफर श्री रामबली यादव, श्री रामावतार कोरी ने भी विदाई समारोह को सम्बोधित किया। विदाई समारोह के दौरान स्थानांतरित जनसम्पर्क अधिकारी श्री अरूणेंद्र सिंह को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिंह भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह में जनसम्पर्क कार्यालय के प्रेमलाल पनिका, राजेश बैगा, पवन वर्मा, श्री संतोष वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

7 मोटर सायकल कुल मशरूका 10 लाख को किया गया जप्त, 3 विधि विरुद्ध बालकों को किया गिरफ्तार

शहडोल । पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा जिले में लंबित चोरी के प्रकरणो के संबंध में लगातार समीक्षा कर चोरी गये मसरूके के बरामदगी के सार्थक प्रयास हेतु थाना प्रभारियो एवं राजपत्रित अधिकारियो को निर्देशित किया गया ही फरियादी नूर मोहम्मद निवासी सोहागपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज करया गया कि, दिनाँक 02.04.2025 की रात्रि उसके घर की बाऊण्ड्री से मोटर सायकल क्र. MP18MR3113 जप्त मसरूकाः 1. सुजुकी जिक्सर MP 18 MR 3113, पल्सर 220 MP 18 MK 4250, TVS रावडर MP 18 ZB 6874, YAMAHA R15 CG 13A 0498, TVS STAR CITY विना नं. की, HONDA SHINE बिना नं. की, HERO HF DELUXE बिना नं. की कुल मशरूका करीब 10,00,000 रूपये।

सराहनीय कार्य : उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी सोहागपुर निरीक्षक भूपेन्द्रमणि पाण्डेय के नेतृत्व में सउनि0 रामनारायण पाण्डेय, प्रआर0 सुरेन्द्र पटेल, लक्ष्मी प्रसाद पटेल, रामप्रकाश सिंह, राजवेन्द्र सिंह, संतोष सिंह परिहार, सिद्धार्थ रायकवार, आर0 सत्यप्रकाश मिश्रा, हिमवन्तचन्द्र मिश्रा एवं प्रआर0 (चा) हरेन्द्र सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

ब्रीफ न्यूज़

पेपरलेस मतदान प्रणाली के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई

सागर। त्रि-स्तरीय पंचायत उपचुनाव 2025 में मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पहली बार पेपरलेस मतदान प्रणाली लागू की जा रही है। जिसके तहत मतदाताओं, अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों को नई प्रणाली से अवगत कराने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान (सेंस) चलाया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी आर के आदेशानुसार प्रचार-प्रसार, मॉकपोल की तैयारी, सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर संचालन में सहयोग के लिए परिसर दूतों की नियुक्ति की गई है। साथ ही, ग्राम पंचायतों एवं मतदान केंद्रों पर कार्यरत अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर नई प्रणाली से अभ्यस्त कराया जाएगा। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों की ड्यूटी भी निर्धारित की गई है। जिसमें जिला स्तरीय नोडल अधिकारी अमर जैन सहित जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की डयूटी लगाई गई है।

पेपरलेस मतदान प्रणाली के लिए प्रशिक्षण 9 अप्रैल को,

सागर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी आर के आदेशुनसार त्रि-स्तरीय पंचायत उपचुनाव 2025 में पेपरलेस मतदान प्रणाली (पेपरलेस) बूथ के माध्यम से होने वाले चुनाव हेतु संबंधित जनपद पंचायतों की संबंधित ग्राम पंचायतों में एवं प्रत्येक मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं, अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को परिचित कराये जाने मतदाता जागरूकता के लिए अधिकारियों को 9 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से जिला निर्वाचन कार्यालय, सागर में प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।प्रशिक्षण में सहायक नोडल अधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स, पंचायत इंस्पेक्टर, कंप्यूटर ऑपरेटर, ग्राम सचिव एवं सह सचिव की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

नवीन अनमोल पोर्टल 2.0 पर हर गर्भवती महिला की हेल्थ ट्रैकिंग हो सकेगी: तिमोरी

सागर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ममता तिमोरी ने बतलाया कि आरसीएव पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 से मातृ मृत्यु दर को कम करने को लेकर विभाग अब हर गर्भवती महिला की हेल्थ ट्रेकिंग करेगा विभाग द्वारा पोर्टल को अपग्रेड कर दिया गया है।

सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने आईपीयू ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में रखा भारत का मज़बूत पक्ष,कहा-

आतंकवाद एक वैश्विक संकट, एडवांस टेक्नोलॉजी और आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग एक चिंता का विषय

सत्ता सुधार ■ सागर

सांसद डॉ. लता गुड्डू वानखेड़े ने ताशकंद में अंतर-संसदीय संघ (Inter-Parliamentary Union - IPU) की ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए आतंकवाद के विरुद्ध देश का मज़बूत और स्पष्ट पक्ष दुनिया के सामने रखा। उन्होंने चेतावनी दी कि एडवांस टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) के दुरुपयोग से आतंकवाद अब और अधिक खतरनाक रूप ले रहा है।डॉ. वानखेड़े ने कहा, ÷भारत, जो हमेशा आतंकवाद के खिलाफ डटकर खड़ा रहा है, और इसे मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीति हैं।उनकी नीति ÷जीरो टॉलरेंस÷ पर आधारित हैं और आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए सशक्त कार्रवाई, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता देते हैं। अब समय आ गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय एकजुट होकर इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए निर्णायक कदम उठाए।÷डॉ. वानखेड़े ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि कैसे आधुनिक आतंकवादी अब एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं–चाहे वो प्रचार, भर्ती, दुष्प्रचार, साइबर हमले या फिर स्वायत्त हथियारों के माध्यम से हमले हों। उन्होंने कहा, ÷ढ्ढ का दुरुपयोग अब आतंकवादियों के लिए एक हथियार बन गया है।

उन्होंने इस ख़तरे से निपटने के लिए पाँच स्तरीय रणनीति का सुझाव दिया -

■ **एआइ नियंत्रण और साइबर सुरक्षा:** सरकारों को एआई की सुलभता को नियंत्रित करने वाले कड़े नियम लागू करने चाहिए।

■ **सार्वजनिक-निजी सहयोग:** तकनीकी कंपनियों को जिम्मेदार एआई विकास सुनिश्चित करना होगा।

■ **वैश्विक खुफिया साझेदारी:** देशों को मिलकर खुफिया जानकारी और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना चाहिए।

■ **नैतिक एआई विकास:** एआई को नैतिक दिशा-निर्देशों के तहत विकसित किया जाए। उसका नियमित ऑडिट हो।

■ **एआई का आतंकवाद विरोधी उपयोग:** निगरानी और खुफिया तंत्र को मज़बूत करने के लिए एआई का उपयोग सही तरीके से करना होगा जो आवश्यक है। डॉ. वानखेड़े ने वैश्विक नेताओं से अपील की कि वे मिलकर मजबूत नीतियाँ बनाएं ताकि एआई मानवता के पक्ष में एक सकारात्मक शक्ति बना रहे और इसके दुरुपयोग को रोका जा सके । उनका यह दृष्टिकोण न केवल भारत के आतंकवाद-विरोधी रुख को दर्शाता है, बल्कि तकनीकी युग में सुरक्षा की बदलती परिभाषा को भी रेखांकित करता है। आईपीयू मंच पर डॉ. लता वानखेड़े की यह दृढ़ प्रस्तुति भारत के वैश्विक नेतृत्व की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सभी साथी देशों के प्रतिनिधियों ने भारत के इस पक्ष की सराहना की है।

बीना की धरा पर नौ देवियां एवं 12 ज्योतिर्लिंग को देखकर लोग हुए अभिभूत

श्री राम के जन्मदिवस पर नरसिंह हिंदू संगठन द्वारा विशाल शोभा यात्रा

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मदिवस पर नरसिंह हिंदू संगठन द्वारा विशाल शोभा यात्रा निकाली गई।इस यात्रा ने सभी का मन मोह लिया।यात्रा में बुंदेली ढपला नृत्य से लेकर छत्तसीगढ़ की नौ देवियों की झांकी, बनारस की बैल बारात, 12 ज्योतिर्लिंग की झांकी सहित 23 अन्य झांकियों के अद्भुत दर्शन हुए हैं।नौ देवी 12 ज्योतिर्लिंग ने लोगों का मन मोह लिया।झांकी में विशेष रूप से नौ देवियां जब बीना की धारा पर चल रही थी एवं नृत्य करती हुई देवियां के दर्शनों से लोग अभिभूत हुए। 12 ज्योतिर्लिंग भी आकर्षण का केंद्र रहे। जिन्हें लोग देखने के लिए लालायत नजर आ रहे थे। इसके अलावा विराट रूप में भगवान शिव जी एवं श्री राम भक्त हनुमान जिनके साथ लोग सेल्फी लगातार ले रहे थे।सर्वोदय चौराहे पर पालकी में विराजमान बाल स्वरूप में भगवान राम का शाही स्वागत किया। रंगीन लाइटों के बीच पुष्प वर्षा के साथ जमकर आतिशबाजी हुई। चौराहे पर हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों का इस दृश्य ने भक्त का मनमोह लिया।यात्रा शाम 5 बजे नरसिंह मंदिर से शुरू हुई। यात्रा में सबसे आगे भगवा ध्वज लेकर राम भक्त चल रहे था। घोड़ों पर सवार भक्त भी राम की ध्वजा थामे हुए थे।

कर्तव्य दिखने में लड़कियां भी नहीं रही किसी से पीछे

बजरंग व्यायाम शाला नन्हें पहलवाल करतब दिखा रहे थे। छोटी-छोटी लड़कियां दंड प्रहार, गदा का प्रदर्शन करने के उनकी तलवारें हवा से बात कर रही थीं। अखाड़े के पीछ भगवा ध्वज लेकर बड़ी संख्या में महिला शक्ति राम के जयकारे लगाते हुए चल रही थीं। यहां तक का दृश्य देख राम भक्ति भक्ति में लीन होकर नाचते नजर आए।

लगातार झांकियां चल रही थी

झांकियां का नजारा भी देखते ही बनता था झांकियों में अ विशेष रूप से मयूर नृत्य देखने झांकी के चारों तरफ लोगों की भीड़ जमा हो गई।इस नृत्य के साथ ही पीछे विराट हनुमान की झांसी देखने भीड़ उमड़ पड़ी। इस झांकी के पीछे थी ऋषि बाल्मीकि की कुटिया के बाहर वनवासी के रूम में राम-लक्ष्मण और माता सीता की झांकी त्रेता युग की याद दिला रही थी। इसके बाद थी महाकाली की विशाल झांकी। झांकी के दर्शन करने लोग लालायित नजर आए। झांकी में शामिल अघोरी नृत्य के कलाकर भगवान शिव की साधना दिखा रहे थे। इसके पीछे बड़ी संख्या में युवा शेर के लिबास में जमकर नाच रहे थे। झांकी पीछे बुंदेलखंड के वाद्य यंत्र ढपला पार्टी मनमोहक नृत्य दिखा रहे थे।उज्जैन इस्कॉन मंदिर से पधारे केशव प्रभु के सानिध्य में हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा कृष्णा हरे हरे हरे राम हरे राम राम राम हरे की धुन पर नृत्य करते हुए माताएं भक्तगण नजर आए। पीछे भगवान श्री राम की पालकी यात्रा जिसका जगह-जगह लोगों ने स्वागत कर आशीर्वाद लिया ।इसके अलावा यात्रा में शामिल अयोध्या राम लला के मंदिर की झांकी आकर्षण का केंद्र थी। यात्रा में सबसे आखिर में थी भगवान राम की पालकी। भगवान राम के दर्शन करने भक्तों की भीड़ लगी रही। यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस मंदिर पर संपन्न हुई।

खुरई विस क्षेत्र के सभी 6 भाजपा मंडलों में कोर समितियों का गठन किया

आवश्यक विषयों पर मार्गदर्शन देंगी मंडल कोर समितियां

सत्ता सुधार ■ सागर

खुरई विधानसभा क्षेत्र के सभी 6 भाजपा मंडलों में विभिन्न कार्यों, गतिविधियों के सफल संचालन व क्रियान्वयन के उद्देश्य से भाजपा मंडल अध्यक्षों ने पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह से मार्गदर्शन प्राप्त कर मंडल वार 5 सदस्यीय कोर कोर समितियों का गठन किया है। यह समिति संबंधित मंडल के अंतर्गत प्रशासनिक, राजनैतिक, संगठनात्मक एवं सभी आवश्यक विषयों पर उचित मार्गदर्शन करेगी। जिससे कार्यों को निरंतरता एवं गति प्राप्त हो सकेगी। खुरई विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मंडल में गठित 5 सदस्यीय कोर समिति के प्रमुख संबंधित भाजपा मंडल अध्यक्ष होंगे। गठित की गई सभी छह मंडलों की कोर समितियों की पहली संयुक्त बैठक 9 अप्रैल बुधवार को पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह की उपस्थिति में उनके सागर स्थित कार्यालय में दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है । गठित की गई मंडल वार कोर समितियां इस प्रकार हैं। खुरई नगर मंडल कोर समिति में राहुल चौधरी मंडल अध्यक्ष खुरई, प्रवीण जैन गढ़ौला, देशराज यादव खुरई, बलराम यादव खुरई, अजीत सिंह अजमानी खुरई शामिल हैं। खुरई ग्रामीण मंडल कोर समिति में रविन्द्र सिंह नरोदा मंडल अध्यक्ष खुरई ग्रामीण, ओमप्रकाश कुर्मी घोरट, हरिशंकर कुशवाहा मुकारमपुर, विक्रम सिंह ठाकुर बरोदिया, परमानंद यादव बरोदिया शामिल हैं। धनौरा मंडल समिति में राजपाल सिंह सिंगपुर, रघुराज सिंह बाहरपुर, जितेन्द्र सिंह धनौरा, महेश लोधी खैरा, माधव सिंह दुगाहाकलां शामिल हैं। इसी प्रकार मालथौन मंडल कोर समिति में अरविंद सिंह रामछायरी मंडल अध्यक्ष, दुरगसिंह परिहार मालथौन, जयंत सिंह बुंदेला मालथौन, रामकुमार बघेल खरैरा, बलवीर सिंह लोंगर शामिल हैं। बरोदिया कलां मंडल कोर समिति में नीतेश यादव प्रेमपुरा मंडल अध्यक्ष, वीरेंद्र सिंह बुंदेला दरी, केशरी सिंह लोधी वनखिरिया, कैलाश घोषी रजवांस, दयाराम चौरसिया बरोदिया कलां शामिल हैं।बांदरी मंडल कोर समिति में अनिल पाराशर (झींकनी) मंडल अध्यक्ष, अभय सिंह लोधी बांदरी, लोकेंद्र सिंह राजपूत पिठौरिया, आजाद यादव बमनोरा, देशराज सिंह लोधी नेतना शामिल हैं।

पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह खुरई में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह आयोजन की तैयारी बैठक लेंगे

सागर। खुरई विधानसभा क्षेत्र में आगामी 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत होने जा रहे सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजन के संबंध में पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह खुरई व मालथौन विकास खंड के सभी अधिकारियों की बैठक लेंगे। सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारी हेतु आयोजित बैठक जनपद पंचायत खुरई के सभाकक्ष में 8 अप्रैल मंगलवार को दोपहर 2 बजे आयोजित की गई है।

विधायक के अनुरोध पर सीएम ने विकास मुद्दों एवं पीड़ितों को त्वरित सहायता राशि स्वीकृत कर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी

सत्ता सुधार ■ सागर

सोमवार को भोपाल प्रवास के दौरान नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी से मुलाकात कर व्यापक जनहित को दृष्टिगत करते हुए क्षेत्र की प्रमुख मांगों को पूरा कराने का निवेदन किया।विधायक लारिया ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से नगर पालिका परिषद, मकरोनिया में स्वयं के स्थाई पेयजल स्रोत की संपूर्ण कार्य योजना (लागत 55 करोड़ रू.) स्वीकृत कराने, निर्माणाधीन कड़ान मध्यम सिंचाई परियोजना की पुनरीक्षित प्राक्कलन को पुनसधिकार समिति में सम्मिलित कर स्वीकृत प्रदान कराने, सेतु बंधन योजना (ष्टक्रढ्ढस्न) अंतर्गत मकरोनिया चौराहे पर फ्लाई ओवर का निर्माण कार्य का पुनरीक्षित फ्लाई ओवर की लंबाई बढ़ाने एवं मकरोनिया को अनुविभागीय कार्यालय (राजस्व) स्थापित कराने का अनुरोध किया। विधायक लारिया के अनुरोध पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए विकास कार्यों की स्वीकृति हेतु यथोचित सहायता का आश्वासन दिया। इस दौरान विधायक लारिया ने मुख्यमंत्री जी से बीएमसी, सागर में इलाज के दौरान पैर जल जाने से मृत क्षेत्र की सौम्या पिता श्री अरुण अहिरवार, निवासी सनोधा को आर्थिक सहायता राशि एवं कृषि कार्य के दौरान करंट लगने से मृत भूपेंद्र पिता श्री सुरेश यादव, निवासी तोड़ा गौतमिया को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान राशि स्वीकृत कराने के निवेदन पर डॉ.मोहन यादव जी पीड़ितों के आश्रितों को त्वरित दो-दो लाख रूपये की राशि स्वीकृत कराने के आदेश जारी किये। विधायक लारिया ने विकास मुद्दों पर एवं सीएम रिलीफ फंड से क्षेत्र के पीड़ित परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान कराने मुख्यमंत्री की सकारात्मक पहल के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सागर। एमआईजी कॉलोनी तिली निवासी गोल्डी अंकुर श्रीवास्तव की माता जी स्व. श्रीमति आशा श्रीवास्तव जी के आकस्मिक निधन होने पर महापौर श्रीमत संगीता सुशील तिवारी जी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. सुशील तिवारी ने, श्रीवास्तव जी के निवास पर पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए एवं शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान किया।

कार्यक्रम भाजपा का 46 वां स्थापना दिवस विधायक कार्यालय पर मनाया गया

भाजपा के पितृपुरुषों में राष्ट्र समर्पण की भावना थी: विधायक

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

भारतीय जनता पार्टी का 46 वां स्थापना दिवस विधायक निर्मला सप्रे के कार्यालय परिसर में मनाया गया। इस अवसर पर सबसे पहले विधायक एवं भाजपा के पदाधिकारियों द्वारा रामनवमीं का अवसर होने के कारण श्रीराम की पूजा अर्चना की, एवं भारतीय जनता पार्टी का ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत भाजपा के पितृपुरुषों पं. दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकुर, अटल बिहारी वाजपेयी आदि के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत विधायक निर्मला सप्रे ने अपन उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी वह पार्टी है जिसमें सैंकड़ों वर्षों देश की जनता के इंतजार के बाद अयोध्या में रामलला का मंदिर बनवाया। उन्होंने कहा कि आज श्रीराम की कृपा से ही भाजपा भारत की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पितृपुरुषों में राष्ट्र समर्पण की भावना थी और इसी भावना के कारण आज लाखों लोग पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने सभी भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन नवीन सिंह चंदेल ने किया एवं आभार प्रदर्शन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संजय सिंह ठाकुर किर्रावदा ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा के नेतागण और कार्यकर्तागण मौजूद रहे। इसके बाद विधायक पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यान पहुंची जहां सैंकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे।

पारसधाम में श्रद्धालुओं ने किया पूजन-अर्चन, मुनिराज का मिला आशीर्वाद

बीना/सागर। बीना के छोटी बजरिया स्थित पारसधाम में श्री 1008 सहस्त्रफणी पारसनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मुनि निर्दोषसागर, मुनि निर्लेपसागर और मुनि निरूपमसागर महाराज के आशीर्वाद से हुआ। पंडित प्रदीप जैन के सानिध्य में महामस्तकाभिषेक के बाद शांतिधारा की गई।इस पावन अवसर पर नेमीचंद प्रवीण जैन, अरुण अमित सुमित जैन और सोधर्म इंद्र रमेशचंद्र जैन समेत कई श्रद्धालुओं को अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रदीप, श्रेयांश सागर, राजेश, विनोद, शीलचंद और राकेश जैन ने भी इस धार्मिक कार्य में भाग लिया।पंडित प्रदीप जी ने बताया कि मुनि सुव्रतसागर महाराज की प्रेरणा से हर महीने के पहले रविवार को बाबा का महामस्तकाभिषेक होता है। उन्होंने कहा कि जो भी श्रद्धालु यहां आकर अभिषेक और शांतिधारा करते हैं, उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।इस अवसर पर राजेश, वीरेंद्र, सुधीर, यश, अनिल, सुनील और सम्यक के साथ पुष्पा, आशा, प्रियंका,सुनीता, संगीता जैन और कल्पना सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रत्येक माह के पहले रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु पारसबाबा के दर्शन के लिए यहां आते हैं।

ब्रीफ न्यूज

पिता को खोकर भी मैदान में डटे रहे मोहम्मद सिराज

नई दिल्ली। मोहम्मद सिराज को भारतीय टीम के बेस्ट बॉलर्स में गिना जाता है। हालांकि, यहां तक का उनका सफर आसान नहीं था। पिता ऑटो रिक्शा चलाते थे। मां घर का खर्च चलाने के लिए घरों में काम करती थीं। सिराज शौक के लिए लोकल टूर्नामेंट्स खेलते थे। यहां अच्छा प्रदर्शन कर उन्होंने रणजी टीम में जगह बनाई। 2017 में हैदराबाद ने सिराज को 2.5 करोड़ रुपए में खरीदा। 2018 में वह आरसीबी में आए। यहां खराब गेंदबाजी के कारण वे कई बार ट्रोल भी हुए, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और साल दर साल इंप्रूव किया। आज सिराज भारतीय टीम का अहम हिस्सा हैं।

2023 से चहल टीम इंडिया के लिए नहीं खेले

नई दिल्ली। युजवेंद्र चहल अगस्त 2023 के बाद से राष्ट्रीय टीम के लिए कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि, पिछले साल वह 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप में टीम में शामिल थे। चहल ने कहा, मैं खेल का लुत्फ उठाता हूं, किस टीम के लिए खेल रहा हूं, इस पर नहीं सोचता। आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे जियोहॉटस्टार प्रेस रूम में चहल ने टीम इंडिया में वापसी को लेकर भास्कर के पूछे सवाल पर कहा, मैं पिछले साल लगभग पूरे वर्ष टीम से बाहर था, लेकिन टी-20 वर्ल्डकप के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में सफल रहा। मैं खुद पर दबाव डालने से बचना चाहता हूं। मैं किसी टीम के लिए खेल रहा हूं यह सोचे बिना अपने खेल का लुत्फ उठाता हूं। मैं इस बारे में ज्यादा नहीं सोचता हूं। यह मेरे हाथ में नहीं है। चहल ने कहा कि पंजाब किंग्स पिछले सालों की तुलना में ट्रॉफी की प्रबल दावेदार है। यह डिफरेंट टीम है। हमने तीन मैच खेले हैं और सबसे अच्छी बात यह है कि हमने उनमें से दो जीते हैं। टीम का माहौल काफी बेहतर है। कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच रिकी पोंटिंग दोनों ही खिलाड़ियों को अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन करने की छूट दी हुई है।

लॉरेस विश्व खेल पुरस्कारों में आकर्षण का केंद्र होंगे जोकोविच

नई दिल्ली। महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच स्पेन की राजधानी में होने वाले लॉरेस विश्व खेल पुरस्कारों में आकर्षण का केंद्र होंगे। खिलाड़ियों को दिए जाने वाले पुरस्कारों की यह 25वीं वर्षगांठ है। यह लगातार दूसरा साल है जब पुरस्कार समारोह का आयोजन मैड्रिड में हो रहा है। ये पुरस्कार 21 अप्रैल को प्रतिष्ठित पैलेसियो डी सिबेल्स में दिए जाएंगे। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पांच बार के लॉरेस के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जोकोविच ने कहा, लॉरेस विश्व खेल पुरस्कार की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए फिर से मैड्रिड आना रोमांचक है। मैंने पिछले साल मैड्रिड में अपना पांचवां लॉरेस खिताब जीतने की यादें संजोई हैं और सौभाग्यशाली हूं कि फिर इस समारोह के शामिल होने का मौका मिला है।

भारत को दिलाया सिल्वर मेडल

कराटे वर्ल्ड कप रूस-2025 में बिहार की अनुष्का अभिषेक ने रचा इतिहास

एजेंसी ■ मुजफ्फरपुर

रूस की राजधानी मॉस्को में आयोजित कराटे वर्ल्ड कप-2025 में भारत की ओर से हिस्सा ले रहीं बिहार के मुजफ्फरपुर की 13 वर्षीय अनुष्का अभिषेक ने शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। मास्को के विमपेल स्टेडियम में चार से आठ अप्रैल तक चले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में अनुष्का ने अपनी प्रतिभा और साहस से सबका ध्यान खींचा।

वर्ल्ड कप में दमदार प्रदर्शन, फाइनल में रूस से हारीं अनुष्का

अनुष्का ने टूर्नामेंट में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने पहले ताजिकिस्तान, फिर उज्बेकिस्तान और इसके बाद अर्मेनिया की प्रतिभागियों को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उन्होंने मॉरिशस की खिलाड़ी को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला मेजबान देश रूस की खिलाड़ी से हुआ। फाइनल में अनुष्का ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंत में महज तीन अंकों से हार गईं और सिल्वर मेडल के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। इस प्रदर्शन ने भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर एक बार फिर रोशन कर दिया।

बचपन से रहा खेल के प्रति जुनून

मुजफ्फरपुर की रहने वाली अनुष्का अभिषेक की सफलता की कहानी जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही संघर्षपूर्ण भी रही है। आमतौर पर इस उम्र में बच्चे केवल पढ़ाई पर ध्यान देते हैं, लेकिन अनुष्का के माता-पिता ने उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ खेल के प्रति भी प्रोत्साहित किया। उनकी मेहनत और परिवार के सहयोग ने आज उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मुकाम दिलाया। अनुष्का अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच शिहान ई. राहुल श्रीवास्तव को देती हैं, जिन्होंने हर कदम पर उन्हें मार्गदर्शन और समर्थन दिया। राहुल श्रीवास्तव पहले भी अनुष्का को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

फेडरेशन ने दी बधाई, देश की बेटियों पर गर्व

अनुष्का की इस ऐतिहासिक जीत पर इंडिया जेन टू शीन कराटे फेडरेशन की सेंडाई शिल्पी सोनम ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि भारत की बेटियां आज विदेशी खेल मंचों पर भी परचम लहरा रही हैं। अनुष्का की यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल है।

कोच को मिला 'बेस्ट कोच अवॉर्ड'

कराटे वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच शिहान ई. राहुल श्रीवास्तव को भी विशेष सम्मान मिला। उन्हें वर्ल्ड फेडरेशन के वाइस प्रेसिडेंट नारेक मनुक्यान ने 'बेस्ट कोच अवॉर्ड' से सम्मानित किया। यह न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व की बात है। इसके साथ ही रास वर्ल्ड जल्द ही कजाकिस्तान और अर्मेनिया में अपनी शाखाएं स्थापित करेगा। यह प्रस्ताव भारत की ओर से वर्ल्ड बॉडी की जनरल एसेंबली में रखा गया था, जिसे अब स्वीकृति मिल चुकी है। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा देना है।

पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स का मैच आज, मोहाली में 3-3 मैच जीते

महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में पहली बार भिड़ेंगी दोनों टीमें

एजेंसी ■ चंडीगढ़

आईपीएल के रोमांचक मुकाबलों की कड़ी में मंगलवार को मोहाली में एक ऐतिहासिक मैच होने जा रहा है। 6 साल बाद पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स की टीमें फिर आमने-सामने होंगी। मुकाबला इस बार नए बने महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर में मंगलवार को खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमें 2019 में मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में भिड़ीं थी। जहां दोनों के बीच रिकॉर्ड बराबरी का रहा है। शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार झेल चुकी पंजाब किंग्स के सामने अब घरेलू मैदान पर वापसी की चुनौती है। वहीं दिल्ली कैपिटल से हारकर चेन्नई की टीम भी जीत की तलाश में मैदान में उतरेगी। ऐसे में दोनों टीमों पर जीत का दबाव साफ दिखेगा।

अब तक के आंकड़ों में चेन्नई को हल्की बढ़त

आईपीएल इतिहास में अब तक पंजाब और चेन्नई के बीच 30 मुकाबले हुए हैं, जिनमें चेन्नई ने 16 मैच जीते हैं, जबकि पंजाब ने 14 मुकाबलों में जीत हासिल की है। मोहाली की बात करें तो वहां दोनों टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं और दोनों ने तीन-तीन जीत हासिल की हैं। इससे यह भी साफ है कि घरेलू मैदान का कोई स्पष्ट फायदा नहीं रहा है।

धर्मशाला में भी भिड़ीं हैं दोनों टीमें

हिमाचल के धर्मशाला में पंजाब किंग्स का दूसरा होम ग्राउंड है, वहां दोनों टीमों के बीच 3 मैच खेले गए हैं। इसमें चेन्नई ने 2 बार जीत दर्ज की है, जबकि पंजाब को 1 मुकाबले में सफलता मिली है।

टॉस अहम होगा, दूसरी पारी में पंजाब ज्यादा सफल

रिकॉर्ड बताते हैं कि पंजाब किंग्स ने घरेलू मैदान पर चेन्नई के खिलाफ ज्यादातर मैच तब जीते हैं, जब उसने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की है। ऐसे में टॉस जीतकर पंजाब की टीम पहले गेंदबाजी करने का फैसला ले सकती है। हालांकि, राजस्थान से मिली हार को देखते हुए टीम कोई भी रणनीति बनाते वक्त सतर्कता बरतेगी।

चेन्नई की टीम पहुंची मोहाली

दिल्ली से हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की टीम रविवार को दोपहर करीब 2.30 बजे शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, चंडीगढ़ पहुंची। टीम के साथ कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, रविंद्र जडेजा, राहुल त्रिपाठी और विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी भी थे। टीम सोमवार को मुल्लांपुर स्टेडियम में अभ्यास करेगी।

चेन्नई का स्कोरिंग रिकार्ड भी दमदार

चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब के खिलाफ अब तक सबसे ज्यादा 240 रन का स्कोर खड़ा किया है, जबकि उसका न्यूनतम स्कोर 120 रन रहा है। वहीं पंजाब किंग्स ने चेन्नई के खिलाफ 231 रन का सर्वोच्च स्कोर बनाया है और उसका न्यूनतम स्कोर 92 रन रहा है। यानी दोनों टीमों के बीच स्कोरिंग की क्षमता में ज्यादा फर्क नहीं है।

ईशांत शर्मा पर आईपीएल नियम तोड़ने का आरोप

बीसीसीआई ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

गुजरात टाइटंस के गेंदबाज ईशांत शर्मा पर IPL के नियमों को तोड़ने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाने साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। ईशांत शर्मा पर यह कार्रवाई गुजरात टाइटन्स (GT) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के बीच हुए मैच के दौरान हुई। ईशांत शर्मा को आर्टिकल 2.2 के तहत दोषी पाया गया है। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। IPL के बयान में कहा गया- ईशांत शर्मा ने अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया। BCCI का नियम अनुच्छेद 2.2 में सामान्य क्रिकेट की गतिविधियों से बाहर कोई भी कार्रवाई शामिल है, जैसे कि विकेटों को मारना या लात मारना और कोई भी कार्रवाई जो जानबूझकर, लापरवाही से या असावधानी से (किसी भी मामले में भले ही आकस्मिक हो) विज्ञापन बोर्ड, बाउंड्री फेंस, ड्रेसिंग रूम के दरवाजे, दर्पण, खिड़कियां और अन्य किसी चीज को नुकसान पहुंचाती है। उदाहरण के लिए यह अपराध तब हो सकता है, जब कोई खिलाड़ी निराशा में अपना बल्ला जोर से घुमाता है और विज्ञापन बोर्ड को नुकसान पहुंचाता है।

13 की इकोनॉमी से की गेंदबाजी: ईशांत शर्मा को इस मैच में कोई सफलता नहीं मिली। उन्होंने 4 ओवर में 13.25 की इकोनॉमी से 53 रन दिए। उनके ओवर में 9 चौके और 1 छक्का लगा।

रोहन बोपन्ना ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, एटीपी मास्टर्स का मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। 45 साल के बोपन्ना ने मोंटे कार्लो मास्टर्स 2025 के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की। बोपन्ना ने अमेरिका के अपने पार्टनर बेन शेल्टन के साथ फ्रांसिसको केरुंडोलो और अलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 7-5 से हराया। बोपन्ना से पहले यह रिकॉर्ड कनाडा के डेनियल नेस्टोर के नाम था जिन्होंने 2017 में 44 साल आठ महीने की उम्र में मैच जीता था। नेस्टोर और फ्रांस के फैबरिस मार्टिन ने बोपन्ना और पाब्लो कुएवास को राउंड ऑफ 32 में 6-3, 6-2 से हराया था। बोपन्ना का मोंटे कार्लो टूर्नामेंट में सामना अब इटली की जोड़ी सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावासोरी से होगा।

क्रिकेट: अखिल की 65 बॉल पर 97 रनों की पारी से विद्युत विभाग को मिले दो अंक

एजेंसी ■ वाराणसी

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल की ओर से अंतर विभागीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में बीते दिन को दो मुकाबले खेले गए। विद्युत (ऑपरेशन) विभाग के अखिल कुमार ने 65 बॉल पर 97 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। आरपीएफ की टीम ने गेंदबाजी के दौरान 22 अतिरिक्त रन लुटा दिए।

पहला मैच आरपीएफ और विद्युत (ऑपरेशन) के बीच खेला गया। टॉस जीतकर आरपीएफ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। आरपीएफ के रामप्रवेश ने 21 बॉल पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 29, गिरजेश ने 13 बॉल पर एक चौके और तीन छक्के की मदद से 26 रन बनाए। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त एस रामकृष्णन ने 27, सुमित ने 19 और जावेद ने 17 रनों की पारी खेली। गेंदबाजी में विद्युत के नादिर हुसैन ने तीन राजेश ने दो विकेट लिए। रामदयाल, विपिन और शैलेश को एक-एक सफलता मिली। 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करती हुई विद्युत की टीम ने 19.2 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 170 रन बनाए। इस तरह टीम ने जीतकर हासिल कर 2 महत्वपूर्ण अंक जुटाए।

वनडे क्रिकेट टीम | हैरी ब्रूक इंग्लैंड की टी-20 और वनडे टीम के कप्तान ने कहा-

यह मेरे लिए सम्मान की बात, जोस बटलर की जगह लेंगे

एजेंसी ■ लंदन

हैरी ब्रूक इंग्लैंड की टी-20 और वनडे क्रिकेट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। ईसीबी ने सोमवार को ब्रूक को वाइट बॉल कैप्टन बनाने का ऐलान किया। वे जोस बटलर की जगह लेंगे। बटलर ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया था। 26 साल के हैरी ब्रूक ने कहा- यह मेरे लिए सम्मान की बात है। जब मैं व्हार्फडेल में बर्ले क्रिकेट खेलता था। तब यॉर्कशायर से खेलने और इंग्लैंड की कप्तानी करने का सपना देखता था। यह मौकों मेरे लिए बहुत मायने रखता है। ब्रूक जनवरी 2022 में डेब्यू करने के बाद से इंग्लैंड की वाइट बॉल टीम का अहम हिस्सा हैं। वे पिछले एक साल से वनडे और टी-20 टीम के वाइस कैप्टन हैं। उन्होंने सितंबर-2024 में बटलर की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में इंग्लिश की कप्तानी कर चुके हैं। वे न्यूजीलैंड में 2018 आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी इंग्लैंड की कप्तानी कर चुके हैं।

खराब प्रदर्शन की वजह से बटलर ने कप्तानी छोड़ी थी: जोस बटलर ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से कप्तानी छोड़ दी थी। उन्होंने एक मार्च को कराची में टीम के आखिरी ग्रुप स्टेज मैच से पहले कहा था- मेरे लिए कप्तानी छोड़ने का यही सही समय है, टीम के लिए भी यही समय है। इंग्लिश टीम चैंपियंस ट्रॉफी में एक भी मैच नहीं जीत सकी थी और ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी। इतना ही नहीं, टीम 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में नॉकआउट स्टेज तक नहीं पहुंच सकी थी। पाकिस्तान के ऑलराउंडर खुशदिल शाह गुस्से में दर्शकों से लड़ने पहुंच गए। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान कुछ फैंस टीम की हार से दुखी होकर गालियां दे रहे थे। जिसके बाद 30 साल के खुशदिल ने अपना आपा खो दिया और दर्शकों के पास जाने लगे। हालांकि, सिक्योरिटी टीम ने खुशदिल को पकड़ा और मामला संभाला।

11 साल की उम्र में 55 किलो वजन, वेट कम करने के लिए शुरू की बॉक्सिंग

चंडीगढ़। 14 अक्टूबर 2014 को झज्जर के जिला स्टेडियम में वजन कम करने की मंशा से बॉक्सिंग रिंग में उतरे 11 वर्षीय बच्चे ने विश्व पटल पर देश और हरियाणा का नाम रोशन कर दिया है। झज्जर के गांव जहांगीरपुर निवासी 20 वर्षीय हितेश गुलिया ने ब्राजील में पहली बार आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत के लिए 70 किग्रा भार वर्ग में पहला स्वर्ण पदक जीता है। 15 जनवरी 2022 को भारतीय नौसेना ज्वॉइन करने के बाद हितेश सर्विसेज की टीम के स्टार मुक्केबाज हैं।

दैनिक सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भाजपा के स्थापना दिवस के मौके पर गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का झंडा फहराया। उन्होंने झंडे के सम्मुख पार्टी पदाधिकारियों के साथ सेल्फी ली और सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी।

उत्तर प्रदेश के लोगों को घरौनी में मिलेगी संशोधन की सुविधा

योगी सरकार लाएगी नया अधिनियम, छह माह के अंदर आपत्ति दर्ज करा सकेंगे, सहायक रिकॉर्ड ऑफिसर करेंगे सुनवाई

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में लोगों को घरौनी में संशोधन कराने की सुविधा जल्द मिलेगी। योगी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी के सर्वे और मालिकाना हक के लिए विधेयक लाने जा रही है। प्रस्तावित प्रारूप के अनुसार, घरौनी का प्रमाणपत्र मिलने के छह माह के भीतर संबंधित पक्ष उस पर आपत्ति कर सकेगा। इसकी सुनवाई सहायक रिकॉर्ड ऑफिसर करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी वाले हिस्सों पर मालिकाना हक पहले राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं था। इससे विवाद की स्थिति में दिक्कतें होती थीं। घर बनाने के लिए बैंकों से लोन भी नहीं मिल पाता था। इससे निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने 8 अक्टूबर 2020 को ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी का सर्वे और घरौनी प्रबंध नियमावली की अधिसूचना जारी की, लेकिन, यह नियमावली अभी तक किसी अधिनियम के अधीन नहीं है।

निगरानी तहसीलदार करेंगे

प्रदेश सरकार ने शीघ्र ही ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक 2025 विधानमंडल के दोनों सदनों

में लाने का निर्णय लिया है। इसमें ग्रामीण आबादी का सर्वे और स्वामित्व के प्रमाणपत्र की प्रक्रिया एआरओ यानी उप जिलाधिकारी की निगरानी में पूरी होगी। सर्वे टीम और राजस्व निरीक्षक के काम की सीधी निगरानी संबंधित तहसीलदार व नायब तहसीलदार करेंगे। मौके पर बने आवासों व खाली भूमि का स्वामित्व, सड़क, गलियों, पोल, ट्रांसफॉर्मर, हैंडपंप, पाइप लाइन, बिजली की लाइन, सीवर लाइन, रेलवे लाइन, कम्युनिटी एरिया, मंदिर व अन्य पवित्र स्थानों का ब्योरा सर्वे में रखा जाएगा। अभी एक बार घरौनी में ऑनलाइन नाम दर्ज होने के बाद संशोधन की व्यवस्था नहीं है। लेकिन, अधिनियम में यह प्रबंध है कि घरौनी प्रमाणपत्र मिलने के छह माह के भीतर एआरओ के यहां आपत्ति की जा सकती है।

असहमत होने पर डीएम के यहां अपील

यहां से असहमत पक्ष जिला रिकॉर्ड ऑफिसर यानी डीएम के यहां अपील कर सकेंगे। फिर भी मामला नहीं सुलझा तो सिविल कोर्ट का विकल्प उपलब्ध होगा। विधेयक के प्रारूप का विधायी विभाग परीक्षण कर रहा है। इसे विधानमंडल के मानसून सत्र में प्रस्तुत किए जाने की योजना है।

लखनऊ में पटाखा बनाते समय भीषण विस्फोट

- पलक झपकते ही उड़ गया गोदाम
- मलबे में दबकर कारीगर हुए घायल

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

राजधानी लखनऊ में सोमवार को पटाखा बनाते समय विस्फोट हो गया। हादसे में गोदाम की दीवारें उड़ गईं। कारीगर मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने उसे आनन-फानन अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी ली। घटना गोसाईगंज क्षेत्र के जौखंडी गांव की है। यहां गांव के बाहर बने पटाखा गोदाम में दोपहर करीब 12.30 बजे गांव निवासी सलमान पटाखा बना रहा था। इसी बीच एक पटाखा हाथ से नीचे गिर गया। इससे भीषण विस्फोट हो गया। गोदाम किसी फिल्म की सीन की तरह उड़ गया। धमाके की गूंज गांव तक पहुंची। आवाज सुन लोग मौके की तरफ भागे।

पटाखा बनाने का लाइसेंस : ग्रामीण गोदाम के पास पहुंचे तो उन्हें सलमान के चीखने की आवाज सुनाई पड़ी। लोगों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला। हादसे में उसका एक पैर टूट गया है। अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना पर दमकल कर्मी और पुलिस पहुंच गई। इंस्पेक्टर ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया कि सलमान का इलाज चल रहा है। पटाखा गोदाम सलमान के भाई निसार का था। उनके पास लाइसेंस है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का अब नहीं होगा शोषण

फर्रूखाबाद। जनपद में विभिन्न विभागों में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। उन्हें समय से मानदेय भी नहीं मिलता है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को शोषण से राहत मिल सके, इसके लिए सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम बनाया जा रहा है। इसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। शासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग से आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का ब्यौरा मांगा गया है। ताकि इन कर्मचारियों को निगम में स्थानांतरित किया जा सके। इससे कर्मचारियों को राहत मिलेगी और उन्हें समय से मानदेय मिलने के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। निगम बनने से कर्मचारियों का शोषण नहीं होगा। स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्सिंग से 150 कर्मचारी कार्यरत हैं। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से मानदेय दिया जाता है। कर्मचारियों को कटौती कर मानदेय दिया जाता है। वह भी समय से नहीं दिया जाता है। सरकार उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम बनाने जा रही है।

वाराणसी में 16 पुलिसकर्मी किए गए सस्पेंड

वाराणसी। रात्रिकालीन गश्त से गायब रहना कमिश्नरेट के 11 दरोगा, तीन मुख्य आरक्षी और दो आरक्षी को भारी पड़ा। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सभी 16 पुलिसकर्मियों को रविवार की रात क्राइम मीटिंग के दौरान निलंबित कर दिया। इनमें से सर्वाधिक पांच दरोगा लालपुर पांडेयपुर थाने में तैनात थे। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों की लापरवाही पुलिस आयुक्त की टीम की चेकिंग के दौरान उजागर हुई थी। यातायात पुलिस लाइन के सभागार में क्राइम मीटिंग में पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी थानाध्यक्ष प्रत्येक माह थाना स्तर पर सैनिक सम्मेलन करें। शिवपुर थाने के दरोगा प्रवीण सचान व आकाश सिंह, कैंट थाने के दरोगा आलोक कुमार व योगेंद्र नाथ मिश्रा, मंडुवाडीह थाने के दरोगा अजय त्यागी, लोहता थाने के दरोगा विश्वास चौहान, लालपुर पांडेयपुर थाने के दरोगा चंद्रेश प्रसाद, अमृत राज, किशन सोनी, सैंकी प्रसाद व मनीष कुमार चौधरी, और कैंट थाने के मुख्य आरक्षी अखिलेश यादव, राम कुमार सिंह व मनीष श्रीवास्तव और दशाश्वमेध थाने के आरक्षी रामचंद्र व लालपुर पांडेयपुर थाने के आरक्षी मनीष कुमार तिवारी।

सीएम योगी ने कहा-अब खाते में जा रहा पैसा

पहले बाबू कट मांगता था...6 माह में मिलते थे

यूपी में आज 1.6 करोड़ नागरिक पा रहे पेंशन

15 करोड़ लोगों को फ्री राशन उपलब्ध कराया , सिविल के क्षेत्र में सस्ते आवास बनाना चुनौती

सत्ता सुधार ■ गोरखपुर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थानों की जिम्मेदारी बनती है कि तकनीक हमसे संचालित हो, हम उससे नहीं। तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है। यह विश्वविद्यालय सतत नहीं समग्र विकास की परिकल्पना को लेकर कार्य कर रहा है। भारतीय मनीषा ने सतत की जगह समग्र विकास की परिकल्पना की थी। उसी समग्रता की झलक यहां देखने को मिल रही है। अगर हमारा पक्ष सतत का होता तो हम किसी एक पक्ष को लेकर काम करते। यह भारतीय दृष्टि है कि हम समग्रता को लेकर आगे बढ़ेंगे। सीएम मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि में नव नियुक्त शिक्षकों के प्रेरण कार्यक्रम और विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास के दौरान संबोधित के रहे थे। उन्होंने कहा कि नए शिक्षकों को इस बात को ध्यान में रखना होगा कि कठिन परीक्षा के बाद उनका चयन हुआ है। जिस कार्य के लिए उनका चयन हुआ है, उसे साबित करना होगा। समग्र विकास की प्रक्रिया का हिस्सा बनकर कार्य करेंगे तो वही आपके लिए अवसर बनेगा। सीएम ने कहा कि तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है। आज 15 करोड़ लोगों को फ्री में राशन उपलब्ध कराया है। मशीन से उसकी निगरानी कर सकते हैं। आज यूपी में 1.6

करोड़ नागरिकों को पेंशन दे रहे हैं। पेंशन में से बाबू पहले कट मांगता था, 6 महीने में 1800 मिलते थे। किराया और कट के बाद कुछ बचता ही नहीं था। आज पेंशन सीधे खाते में जा रही है। जिस काम में 110 करोड़ खर्च होने थे उसे 4 करोड़ में बना दिया। आज वह मॉडल बन गया है।

आज का समय प्रतिस्पर्धा का

विश्वविद्यालय पर कभी कोई डेंट आएगा तो कोई व्यक्ति उससे बच नहीं पाएगा। विश्वविद्यालय से जुड़ा हर व्यक्ति उन्नति और अवनति से जुड़ा है। आज का समय प्रतिस्पर्धा का है। कभी भारत दुनिया में शिक्षा और तकनीक में दुनिया का मार्गदर्शन करता था।

10 वर्षों में हर क्षेत्र में काम हुए- हम विश्वगुरु कहलाए। हम लीड कर रहे थे। 10वीं सदी में दुनिया की जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी आधी से अधिक थी। अंग्रेजों ने यहां की अर्थव्यवस्था को कैसे नष्ट किया, ये किसी से छिपा नहीं है। आजादी के बाद 2014 तक भारत केवल 11वीं अर्थव्यवस्था बन सका था। पिछले 10 वर्षों में हर क्षेत्र में काम हुए।

केवल कैंपस तक सीमित न रहें

योगी ने कहा कि लीग से हटकर काम करें। समाज की जरूरत क्या है, उस पर काम करें। यही एक निजी विश्वविद्यालय होता तो फीस देना मुश्किल होता। समाज से पैसा लेकर विभागों को दिया जाता है। बरसात में पानी नदियों के माध्यम से समुद्र में जाता है। फिर समुद्र से वास्प बनकर हर जगह बराबर बारिश होती है। उसी तरह ये सिस्टम है। हमारी जिम्मेदारी भी है समाज के प्रति। आप केवल कैंपस तक सीमित न रहें। आपकी जिम्मेदारी है कि सस्ती तकनीक लोगों के लिए उपलब्ध कराएं। पर्यावरण की चुनौती है।

भारत बनेगा तीसरी अर्थव्यवस्था

अगले दो वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विकास दर दुनिया की दूसरी अर्थव्यवस्था से तेजी से आगे बढ़ रही है। हर भारतीय आज खुद को साबित कर रहा है। यह संभावना पहले भी थी क्योंकि देश वही, संसाधन वही, केवल नेतृत्व बदला और आज भारत को दुनिया की उन ऊँचाइयों तक पहुंचाया जहां लोग ख्वाब देखते हैं।

पूर्व विधायक तिवारी के दस ठिकानों पर छापा

ईडी ने गोरखपुर, लखनऊ-मुंबई में दी दबिश

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

सपा नेता और चिल्लूपार सीट से पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी के गोरखपुर, लखनऊ, नोएडा और मुंबई के ठिकानों सहित देश में करीब दस जगहों पर ईडी ने एक साथ रेड डाली है। सोमवार की सुबह हुई इस कार्रवाई को एक साथ अंजाम दिया गया। ईडी ने उनके खिलाफ चार्जशीट तैयार कर ली थी। जल्द ही उसे कोर्ट में पेश किया जाना है। ईडी की जांच में सामने आया था कि मेसर्स गंगोत्री एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अपने प्रमोटरों, निदेशकों, गारंटरों के साथ मिलकर बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले सात बैंकों के कंसोर्टियम से 1129.44 करोड़ की क्रेडिट सुविधाओं का लाभ लिया था। बाद में इस रकम को उन्होंने अन्य कंपनियों में डायवर्ट कर दिया और बैंकों की रकम को वापस नहीं किया। इससे बैंकों के कंसोर्टियम को 754.24 करोड़ का नुकसान हुआ था।

ईडी पहले भी जब्त कर चुकी संपत्तियां

पूर्व विधायक विनय शंकर

तिवारी की 72.08 करोड़ की संपत्तियों को ईडी ने नवंबर 2023 में जब्त कर दिया था। ईडी ने यह कार्रवाई विनय तिवारी की कंपनी गंगोत्री इंटरप्राइजेस लिमिटेड द्वारा बैंकों के कंसोर्टियम का 1129.44 करोड़ हड़पने के मामले में की थी। बैंकों की शिकायत पर सीबीआई मुख्यालय ने केस दर्ज किया था, जिसके बाद ईडी ने भी विनय तिवारी समेत कंपनी के समस्त निदेशक, प्रमोटर और गारंटर के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। 2023 में ही राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय ने विनय तिवारी की गोरखपुर, महराजगंज और लखनऊ स्थित कुल 27 संपत्तियों को जब्त किया था।

बजरंग दल के पदाधिकारी की गला काटकर हत्या, घर में मिला शव, पुलिस टीम जांच में जुटी

बिजनौर। बिजनौर जनपद के किरतपुर में बजरंग दल में जिला को रक्षक प्रमुख का दायित्व निभा रहे सतेंद्र उर्फ मोंटी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घर के कमरे में चारपाई पर उसका रक्तरंजित शव पड़ा मिला। हत्याकांड में सौतेले भाई सौतेली मां और बहन समेत चार लोगों का नामजद किया गया है। किरतपुर थाना क्षेत्र के गांव गोविंदपुर निवासी सतेंद्र उर्फ मोंटी (30) पुत्र बलराज के घर सोमवार की सुबह दूधिया पहुंचा। जिसने मोंटी की सौतेली मां मधुबाला को आवाज दी। देखा तो वह बेहोशी की हालत में थी। इसके बाद दूधिया ने इधर-उधर के कमरे में झांक कर देखा तो एक कमरे में मोंटी का शव चारपाई पर पड़ा हुआ था। इसके बाद यह खबर पूरे गांव में फैल गई और लोग इकट्ठा हो गए। मोंटी के गले पर धारदार हथियार से वार करने के निशान बने हुए थे और पास में ही खून पड़ा हुआ था। उसका शव चादर से ढका मिला। उधर मृतक के एक पारिवारिक भाई ने गुलदार के द्वारा हमला कर करने की सूचना लोगों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकार नजीबाबाद, एसपी सिटी संजीव बाजपेई मौके पर पहुंचे।

कानपुर में एलिवेटेड रोड की डीपीआर तैयार

कानपुर। गोल चौराहे से रामादेवी तक चार लेन की प्रस्तावित एलिवेटेड रोड की डीपीआर तैयार हो गई है। डीपीआर बनाने वाली कंपनी ने इसे एनएचएआई और एनएच पीडब्ल्यूडी को भेज दिया है। जरीबचौकी, टाटमिल चौराहे के आसपास बनेंगे रैंप। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की हरी झंडी मिलने के बाद निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। करीब आठ मीटर ऊंची एलिवेटेड रोड की अनुमानित निर्माण लागत 1100 करोड़ है। रामादेवी से गोल चौराहे तक लगभग 11 किलोमीटर लंबी जीटी रोड पर रोजाना घंटों जाम रहता है। इसके मद्देनजर एचएचएआई के निर्देश पर एनएच पीडब्ल्यूडी ने एलिवेटेड रोड निर्माण की योजना बनाई। गोल चौराहे तक बनने वाली एलिवेटेड रोड मेट्रो ट्रैक की तरह सिंगल पिलर पर बनेगी। पिलर मौजूदा जीटी रोड के डिवाइडरों पर बनेंगे।

जरीबचौकी, टाटमिल चौराहे के आसपास बनेंगे रैंप

ताजमहल देखने आए चार पर्यटक गर्मी से बेहोश

तेज धूप के साथ तीन दिन लू का अलर्ट जारी

- दिन में निकलना हुआ मुश्किल, 39.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा पारा
- आज 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा पारा, सांस रोगियों को परेशानी

सत्ता सुधार ■ आगरा

भीषण गर्मी के लिए तैयार हो जाएं, तीन दिन तक तेज धूप के साथ लू चलेगी, दिन का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। वहीं, पिछले दो दिनों से दिन में तेज हवा चलने से वातावरण में धूल कण बढ़ने लगे हैं। इससे सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों की सांस उखड़ने लगी है। सांस लेने में परेशानी के साथ मरीज अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। दिन में तेज धूप निकली, इससे दिन का तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को सुबह से ही तेज धूप निकलने के साथ गर्म हवा चलती रही, इससे सुबह का तापमान 19.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 11 बजे के बाद धूप तेज होती गई। इससे पहले रविवार दोपहर में गर्म हवा चलने से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। दिन का तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम को भी गर्म हवा चलती रही। इससे वातावरण में धूल कण बढ़ गए, वायु गुणवत्ता सूचकांक भी बढ़ गया है। गर्मी से पर्यटकों का बुरा हाल है। ताजमहल और आगरा किला देखने आ रहे पर्यटक बीमार हो रहे हैं। ताजमहल देखने आए चार पर्यटकों गर्मी में बेहोश हो गए। उन्हें डिस्पेंसरी में प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं, गर्मी में बेचैनी और घबराहट होने पर पर्यटक छांव में बैठ गए, पानी और ओआरएस घोल पीने के बाद भी ताजमहल देखने गए। तापमान लगामार बढ़ रहा है, ऐसे में ताजमहल और आगरा किला देखने आ रहे पर्यटकों की तबीयत बिगड़ रही है। असम से आईं वैजंती को बेचैनी और घबराहट होने लगी, उन्हें डिस्पेंसरी में प्राथमिक उपचार दिया गया। बिहार से आईं मोनू देवी, पंजाब की प्रतिभा और महाराष्ट्र से आए राजवीर की भी तबीयत बिगड़ गई। इन्हें भी प्राथमिक उपचार दिया गया।

तापमान बढ़ने का आसार

उधर, मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि लू चलेगी, तीन दिन तक लू चलने के साथ ही दिन का तापमान 43 डिग्री तक पहुंचेगा। वहीं, 10 अप्रैल को धूल भरी आंधी चलने का पूर्वानुमान है।

11 से बदलेगा मौसम

मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलेगा। 11 अप्रैल से मौसम बदलेगा, दो दिन तक बादल छाए रहेंगे। हालांकि तापमान में गिरावट नहीं आएगी, दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड प्लॉट नं.36 इंडस्ट्रियल एरिया चनाटोरिया सागर (म.प्र.) से मुद्रित एवं तिरुपतिपुरम, अशोक विहार कॉलोनी के पीछे तीली वार्ड सागर, से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-संजय कुमार गुप्ता*, मोबाईल न. 9424880832
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910